■ वर्ष-23 ■ अंक-229
■ पृष्ठ-8 ■ मूल्य-2.00

भोपाल

■ शनिवार ■ 21 मार्च 2026

चैत्र शुक्ल पक्ष तृतीया
विक्रम संवत्-2083

E-mail
dainiksamayjagat@gmail.com
insmjagat@gmail.com

प्रधान संपादक : अशोक त्रिपाठी

दैनिक
समय जगत

भोपाल, दिल्ली, म.प्र., उ.प्र. और अन्य राज्यों से एक साथ प्रकाशित

एक संदेश-पूरा देश

म.प्र. के सर्वाधिक केंद्रों तक प्रसारित प्रदेश का एकमात्र समाचार पत्र

ईश्वर से अधिक मूल्यवान दुनिया में कुछ भी नहीं...

माँ चंद्रघंटा

पिण्डजप्रवरारूढ़ा चण्डकोपास्त्रकैयुता।
प्रसादं तनुते मद्यं चन्द्रघण्टेति विश्रुता॥

श्री दुर्गा का तृतीय रूप श्री चंद्रघंटा है। इनके मस्तक पर घंटे के आकार का अर्धचंद्र है, इसी कारण इन्हें चंद्रघंटा देवी कहा जाता है। नवरात्रि के तृतीय दिन इनका पूजन और अर्चना किया जाता है। इनके पूजन से साधक को मणिपुर चक्र के जाग्रत होने वाली सिद्धियां स्वत : प्राप्त हो जाती हैं तथा सांसारिक कष्टोंसे मुक्ति मिलती है। इनकी आराधनासे मनुष्य के हृदय से अहंकार का नाश होता है तथा वह असीम शांति की प्राप्ति कर प्रसन्न होता है। माँ चन्द्रघण्टा मंगलदायनी है तथा भक्तों को निरोग रखकर उन्हें वैभव तथा ऐश्वर्य प्रदान करती है। उनके घंटो मे अपूर्व शीतलता का वास है।

अंतर्मन से होती है आनंद की सुखानुभूति: डॉ. यादव

प्रशासन अकादमी में मनाया गया अंतर्राष्ट्रीय खुशहाली दिवस

समय जगत, भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि हम मनुष्य आदतन सुख-सुविधाओं की वस्तुओं और विलासतापूर्ण जीवन में ही सुख ढूंढ़ते रहते हैं। भौतिक सुख की अभिलाषा सबको है पर आत्मिक सुख और शांति की दरकार कम ही लोगों को है। जबकि जीवन का आनंद भौतिकता में नहीं, मन के भावों की संतुष्टि में निहित है। उन्होंने कहा कि आनंद एक ऐसी सुख की अनुभूति है, जो धन से सुख-सुविधाओं के यंत्र वस्तुएं खरीदकर नहीं, बल्कि अपने अंतस में जागे मानवीय भावों के तृप्त होने पर भीतर से उपजती है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव शुक्रवार को अंतर्राष्ट्रीय खुशहाली दिवस के अवसर पर आरसीवीपी नरोन्हा प्रशासन एवं प्रबंधकीय अकादमी में राज्य आनंद संस्थान द्वारा आयोजित आनंद के आयाम-राष्ट्रीय संगोष्ठी को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने दीप प्रज्ज्वलन कर राष्ट्रीय संगोष्ठी का मंगल आरंभ किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रदेश में 14 से 28 जनवरी तक मनाए गए आनंदोत्सव के विजेताओं को पुरस्कार के रूप में नकद राशि और प्रशस्ति पत्र दिए। फोटोग्राफी और वीडियोग्राफी विधा में प्रथम पुरस्कार के रूप में 25 हजार रूपए, द्वितीय पुरस्कार के रूप में 15 हजार रूपए एवं तृतीय पुरस्कार के रूप में 10 हजार रूपए दिए गए। मुख्यमंत्री ने फोटोग्राफी विधा में मिलिंद कुमार को प्रथम, शैलेंद्र बिहार को द्वितीय एवं सुश्री सीमा अग्निहोत्री को तृतीय पुरस्कार दिया। वीडियोग्राफी विधा में सैयद अफजान को प्रथम, राजा खान को द्वितीय एवं जीवन रजक को तृतीय पुरस्कार दिया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि हम दूसरों के सुख में भी अपने आनंद की अनुभूति प्राप्त कर लें, यही सनातन संस्कृति की चेतना का आधार है। हम सभी को अपने कार्यों को पूरे आनंद, उत्साह और दक्षता के साथ संपादित करना चाहिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि मानव जीवन में आनंद के आयाम, हमारे सुख और दुःख के बीच के अंतर को समझने से पता चलते हैं। आदिकाल से भारतीय संस्कृति वसुधैव कुटुम्बकम की रही है, जिसमें परिवार की धारणा को विशेष महत्व दिया गया है। वर्ष 1956 के विश्व हिंदू सम्मेलन में मार्गेट थेचर ने भारत और इंग्लैंड की संस्कृति का मूल अंतर सबको समझाया था। उन्होंने कहा था कि भारतीय परिवारों की व्यवस्था में अगर कोई एक सदस्य भी कमाई करता है तो पूरा परिवार आनंद और सम्मान के साथ जीवन जीता है। यह दुनिया में सिर्फ भारत में ही संभव है।

देश की गुलामी के समय बेलियम हेस्टिंग ने गीता को पढ़कर कहा था कि भारत अब लंबे समय तक गुलाम नहीं रहेगा, क्योंकि उन्होंने गीता में आनंद के तत्व ज्ञान को जाना था। बाद में गीता लंदन पहुंची और वहां हर विचारधारा के विद्वानों ने गीता को हाथों हाथ लिया। अमेरिका के विद्वान भी गीता के ज्ञान को परफेक्शन के रूप में देखा है। परफेक्शन अभ्यास से ही आता है। अमेरिकी जीवन सिद्धांत से देखें, तो जब कोई अपनी विधा में, अपने काम में परफेक्शन प्राप्त कर लेता है, तो वह योगी हो जाता है। आज हमारा भारत प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में फिर से विश्व गुरु बनने की यात्रा कर रहा है। आनंद विभाग के प्रमुख सचिव राघवेंद्र कुमार सिंह ने कहा कि आनंद विभाग प्रदेश के सभी ब्लॉक स्तर पर शासकीय सेवकों के लिए आनंद से रहने की गतिविधियां संचालित की जा रही हैं।

आनंद ही ब्रह्म है जिससे संसार को मिलती है गति

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने भगवान श्रीकृष्ण, माता देवकी के जीवन में भारी कष्टों से निवृत्ति के बाद मिले आनंद पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यशोदा मैया और नंद बाबा ने कन्हैया के लालन-पालन में ही आनंद की अनुभूति की। उन्होंने कभी ये नहीं सोचा कि यह किसी और का शिशु है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण ने सुख और दुःख बिना विचलित हुए आदर्श उदाहरण प्रस्तुत किया है। जबकि महाभारत में उन्हीं के सैनिक उनके सामने युद्ध लड़ रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सिंहस्थ के आयोजन में साधु-संत भीषण गर्मी में अग्नि स्नान करते देखे जाते हैं। उनके शरीर पर मौसम और कांटों तक का कोई असर नहीं पड़ता है, क्योंकि वे भगवान के समीप साधना के मार्ग से आनंद में डूबते हैं। सनातन संस्कृति में हमारे संत अग्नि वस्त्र धारण कर समाज की कई उलझनों को दूर करने के लिए अपने जीवन का निचोड़ देते हैं। हरिद्वार से आए महर्षि मधुसूदन जी महाराज ने कहा कि संसार के भौतिक जगत को मापने का मापदंड मैटा फिजिक्स तय करती है। इसके दो भागों में संसार के तत्व ज्ञान और ब्रह्म ज्ञान का अध्ययन किया जाता है। आनंद की प्राप्ति के लिए वेदांत में कई स्थानों पर उल्लेख मिलता है। आनंद ही ब्रह्म है, जो पूरे संसार को गति प्रदान करता है।

रेल यात्रा बनी सुरक्षित, हादसों में भारी कमी, मौतों में भी आई गिरावट

रेलवे की सुरक्षा मुहिम का दिख रहा है असर

नई दिल्ली। भारतीय रेल में सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देने के परिणाम अब साफ नजर आने लगे हैं। बीते एक दशक में रेल हादसों और उनसे होने वाली मौतों में उल्लेखनीय कमी दर्ज की गई है। मंत्रालय के आधिकारिक प्रवक्ता जानकारी देते हुए बताया कि 10 वर्षों में 60 फीसदी हादसे कम हुए हैं, जाहिर इससे असामयिक मौतों में 17 फीसदी गिरावट दर्ज की गई है। सरकार के लिए जहां ये राहत भरी खबर है वहीं रेल यात्रियों के लिए भी खुशी का पैगाम है। 2014-15 में जहां 135 ट्रेन हादसे हुए थे, वहीं 2025-26 (फरवरी तक) यह संख्या घटकर 14 रह गई, यानी करीब 90 फीसदी की कमी। वहीं, पिछले दशक (2014-15 से 2023-24) में, कुल 678 हादसे हुए। उसमें 748 लोगों की मौत हुई थी और 2 हजार 87 यात्री घायल हुए थे। वर्ष 2004-05 से 2013-14 के बीच कुल 1 हजार 711 रेल हादसे हुए उनमें मौतों की संख्या 904 दर्ज की गई थी। जबकि 3 हजार 155 यात्री घायल हुए थे। उक्त अधिकारी ने बताया कि वर्ष 2024-25 में सुरक्षित रेल यात्रा के लिए रेलमंत्री अश्वनी वैष्णव द्वारा लगातार उठाए गए कदमों का परिणाम है कि रेल हादसों की संख्या 31 पर सिमट गई। जबकि केवल 18 मौतें दर्ज की गई और 92 यात्री घायल हुए। उन्होंने कहा, दुर्घटनाएं न हों। यात्री हताहत न हों इसकी लगातार कोशिशें जारी हैं। उन्होंने कहा यही

वजह है कि वर्ष 2025-26 (फरवरी तक) महज14 रेल हादसे हुए। उनमें 16 मौतें, 28 घायल के आंकड़े हैं। रेलवे ने स्वदेशी ऑटोमेटिक ट्रेन प्रोटेक्शन सिस्टम कवच को राष्ट्रीय स्तर पर अपनाया है। जुलाई 2020 में इसे लागू किया गया। 2024 में इसका उन्नत संस्करण 4.0 मंजूर हुआ। अब तक 1,452 रूट किलोमीटर पर इसे लागू किया जा चुका है। यह सिस्टम खासतौर पर हाई-डेंसिटी रूट पर लागू हुआ है। उनमें दिल्ली-मुंबई, दिल्ली-हावड़ा जैसे रूट शामिल हैं। इससे कोशिश है कि ट्रेन टकराव जैसी दुर्घटनाओं को रोका जा सके। सरकार का कहना है कि बढ़ते निवेश और आधुनिक तकनीकों के उपयोग से रेलवे सुरक्षा में लगातार सुधार हो रहा है। आने वाले वर्षों में हादसों को और कम करने के लिए इन उपायों को और व्यापक स्तर पर लागू किया जाएगा।

सड़क हादसे में 5 श्रद्धालुओं की मौत, 4 हुए गंभीर रूप से घायल

आगरा। जिले से एक अत्यंत हृदयविदारक सड़क हादसे की खबर सामने आई है, जिसने कई परिवारों की खुशियां पल भर में मातम में बदल दीं। राजस्थान के कैला देवी मंदिर से दर्शन कर लौट रहे श्रद्धालुओं की एक तेज रफ्तार बोलेरो कार सड़क किनारे खड़े पेड़ से जा टकराई।

टक्कर इतनी भीषण थी कि गाड़ी के परखच्चे उड़ गए और मौके पर ही 5 श्रद्धालुओं की मौत। इस दर्दनाक दुर्घटना में तीन पुरुषों, एक महिला और एक तीन वर्षीय मासूम बच्ची समेत कुल पांच लोगों की जान चली गई। वहीं, वाहन में सवार चार अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हैं, जिनका उपचार अस्पताल में चल रहा है। जानकारी के अनुसार, यह हादसा आगरा के चित्राहाट थाना क्षेत्र के अंतर्गत इटावा मार्ग पर पई गांव के पास हुआ। कार में सवार सभी लोग राजस्थान में माता कैला देवी के दर्शन कर अपने घर इटावा वापस लौट रहे थे। इसी दौरान पई गांव के समीप चालक ने वाहन पर से नियंत्रण खो दिया और बोलेरो सीधे सड़क किनारे एक विशाल पेड़ से जा भिड़ी। टक्कर की तीव्रता का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि गाड़ी का अगला हिस्सा पूरी तरह मलबे में तब्दील हो गया। हादसे के बाद स्थानीय ग्रामीण तुरंत मौके पर पहुंचे और पुलिस को सूचित किया।

ग्रेट निकोबार परियोजना के विरोध में राहुल गांधी से मिले आदिवासी

नई दिल्ली। ग्रेट निकोबार द्वीप के आदिवासी प्रमुखों का एक प्रतिनिधिमंडल, आदिवासी कांग्रेस के नेताओं के साथ, लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी से मुलाकात की। प्रतिनिधिमंडल ने प्रस्तावित ग्रेट निकोबार परियोजना का कड़ा विरोध करते हुए कहा कि यह परियोजना उनके पारंपरिक जीवन, संस्कृति और द्वीप के नाजुक पर्यावरण के लिए गंभीर खतरा है। आदिवासी नेताओं ने यह भी आरोप लगाया कि परियोजना को मंजूरी देने की प्रक्रिया के दौरान उनकी सहमति सही तरीके से नहीं ली गई।

चुनावों पर पड़ सकता है पश्चिम एशिया युद्ध का असर

नई दिल्ली। देश में पांच राज्यों विधानसभा चुनाव की रणभेरी बज चुकी है। इन चुनावों में यूं तो राज्यों के मुद्दे हावी रहने चाहिए या राष्ट्रीय स्तर के कुछ मुद्दों को हवा देने की कोशिश हो सकती है, लेकिन एक अंतरराष्ट्रीय पहलू भी इसमें जुड़ गया है। इस किस्से का सिरा जुड़ा है ईरान पर अमेरिका-इजराइल के हमले से। इससे पैदा होने वाली चुनौती एनडीए को भी तकलीफ दे सकती है और राज्यों में सत्तारूढ़ दलों को भी। पश्चिम एशिया में युद्ध के बीच क्रूड ऑयल और नैचरल गैस की कीमतें बढ़ी हैं और भारत में इनकी आपूर्ति प्रभावित हुई है। जनवरी में 65-66 डॉलर प्रति बैरल पर रहा कच्चा तेल अब 100 डॉलर के पार है। भारत अपनी जरूरत का 88फीसदी कच्चा तेल आयात करता है और इसका करीब आधा हिस्सा होर्मुज स्ट्रेट से आता है। भारत के एलएनजी इंपोर्ट का करीब 60फीसदी हिस्सा कतर और यूएई जैसे देशों से होर्मुज स्ट्रेट के जरिए आता रहा है। एलपीजी में चुनौती इसलिए बड़ी हो गई है क्योंकि भारत अपनी जरूरत का 60फीसदी हिस्सा आयात करता है, लेकिन इसका 90फीसदी तक होर्मुज स्ट्रेट से आता है। समीकरण यह है कि क्रूड ऑयल अगर अगले 10-12 महीनों में 110-115 डॉलर प्रति बैरल पर रहा, तो इसके आयात का सालाना बिल 65 बिलियन डॉलर तक बढ़ जाएगा। इससे भारत को और ज्यादा डॉलर खर्च करने होंगे। इससे रुपया और नीचे आएगा। तमाम चीजों का आयात महंगा होता जाएगा। वे चीजें तो महंगी होंगी ही, उनसे देश में बनने वाला माल भी महंगा हो जाएगा यानी कुल मिलाकर महंगाई बढ़ने का रिस्क है। यह महंगाई इन विधानसभा चुनावों के चार-पांच महीने पहले से बढ़ने लगी थी। मार्च में ईरान संकट के असर से यह और उछलेगी। इसके बाद अप्रैल में मतदान होना है।

विपक्ष महंगाई को बना सकता है बड़ा मुद्दा

खाद्य संकट

एल्युमिनियम और प्लास्टिक दोनों की कीमतें बढ़ी

मिडिल ईस्ट जंग से महंगाई बढ़ने के आसार

12 अरब और इस्लामिक देशों के विदेश मंत्रियों ने ईरान से की जंग रोकने की अपील

रियाद। इजरायल और ईरान के बीच जारी तनाव अब पूरे मिडिल ईस्ट में फैलता दिख रहा है। हालात इतने गंभीर हैं कि कई देशों की हवा बारूद और धुएं से प्रभावित हो रही है। इसी बीच 12 अरब और इस्लामिक देशों के विदेश मंत्रियों ने ईरान से हमले तुरंत रोकने और अंतरराष्ट्रीय कानून का सम्मान करने की अपील की है। इसके पहले संयुक्त बैठक रियाद में आयोजित हुई, जहां सऊदी अरब सहित कई देशों के प्रतिनिधि शामिल हुए। बैठक के बाद जारी बयान में सऊदी अरब, कतर, संयुक्त अरब अमीरात, मिस्र, जॉर्डन, कुवैत, लेबनान, पाकिस्तान, सीरिया, तुर्किए, बहरीन और अजरबैजान के विदेश मंत्रियों ने एकजुट होकर ईरान की सैन्य कार्रवाई की निंदा की। विदेश मंत्रियों ने आरोप लगाया कि ईरान ने हाल के हमलों में रिहायशी इलाकों और नागरिक ढांचे को निशाना बनाया। इसमें तेल और गैस प्लांट, एयरपोर्ट, डीसेलिनेशन प्लांट, रेजिडेंशियल बिल्डिंग और राजनयिक ठिकाने शामिल हैं। उनका कहना है कि इस तरह के हमले न सिर्फ अंतरराष्ट्रीय कानून का उल्लंघन हैं, बल्कि क्षेत्रीय स्थिरता के लिए भी बड़ा खतरा हैं। यह बयान तब आया है जब इजरायल द्वारा ईरान के सबसे बड़े गैस प्रोजेक्ट साउथ पार्स गैस फील्ड पर हमले के बाद ईरान ने जवाबी कार्रवाई करते हुए खाड़ी देशों के ऊर्जा ढांचे को निशाना बनाया। ईरान के हमलों से रास लाफान इंडस्ट्रियल सिटी में आग लगने की खबरें आई, जबकि सऊदी अरब में बैलिस्टिक मिसाइलों को इंटरसेप्ट किया गया। संयुक्त बयान में विदेश मंत्रियों ने स्पष्ट किया कि भविष्य में ईरान के साथ संबंध इस बात पर निर्भर करेंगे कि वह अन्य देशों की संप्रभुता का कितना सम्मान करता है। उन्होंने चेतावनी दी कि किसी भी देश के आंतरिक मामलों में दखल देना या सैन्य शक्ति का इस्तेमाल कर उन्हें धमकाना स्वीकार्य नहीं होगा। इसके साथ ही मंत्रियों ने लेबनान पर इजरायली हमलों की भी निंदा की और क्षेत्र की सुरक्षा, स्थिरता और अखंडता बनाए रखने के लिए समर्थन जताया। यानी इस बयान में दोनों पक्षों से संयम बरतने की अपील की गई है।

दूसरी ओर, कतर ने अपने यहां हुए हमले पर कड़ी प्रतिक्रिया दी है। कतर ने रास लाफान क्षेत्र को निशाना बनाए जाने को अपनी संप्रभुता का उल्लंघन बताया। कतर सरकार ने ईरानी दूतावास के कुछ अधिकारियों को पर्सोना नॉन ग्राटा घोषित करते हुए 24 घंटे के भीतर देश छोड़ने का आदेश दिया। यह कदम किसी भी देश द्वारा बेहद सख्त राजनयिक कार्रवाई माना जाता है। कतर के विदेश मंत्रालय ने कहा कि वह शुरू से ही इस संघर्ष से दूर रहने की नीति पर चल रहा था, लेकिन इसके बावजूद उसे निशाना बनाया गया। मंत्रालय के अनुसार, इस तरह की कार्रवाई क्षेत्रीय शांति और अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा पैदा करती है।

नई दिल्ली। मिडिल-ईस्ट में जंग से हाहाकार मचा है। तेल-गैस की किल्लत चरम पर है और युद्ध का असर यहीं तक सीमित नहीं है, बल्कि खाद से लेकर दवाओं और खाने तक दिखाई दे रहा है। विशेषज्ञ चेतावनी दे रहे हैं कि ये जंग न थमी या लंबे समय तक चली, तो संकट सिर्फ क्रूड ऑयल या एलपीजी तक ही सीमित नहीं रहेगा, बल्कि दूसरी चीजों पर भी बढ़ जाएगा। इसका असर खाने-पीने की चीजों से लेकर दवाओं तक पर देखने को मिलने लगा है। खासतौर पर उन सामानों की कीमतें बढ़ने लगी हैं, जो सीधे तौर पर विदेशों से आयात किए जाते हैं। ईरान की ओर कतर पर किए गए सबसे बड़े एलएनजी प्लांट पर अटैक की खबर के बाद अचानक क्रूड के दाम 113 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गए। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक अमेरिका-इजराइल और ईरान के बीच युद्ध की शुरुआत के बाद से ही तेल संकट गहराने लगा था और जंग बढ़ने के बीच दुनिया के 20 फीसदी तेज की आवाजाही के लिए अहम होर्मुज स्ट्रेट बंद होने से दुनिया के देशों में हाहाकार मच गया। जहां पाकिस्तान, बांग्लादेश से लेकर वियतनाम जैसे देशों में पेट्रोल-डीजल के दाम बढ़ने समेत कोरोना काल जैसे उपाय लागू किए गए, तो भारत में भी एलपीजी की किल्लत से लोग परेशान नजर आए। हालांकि, सरकार ने आनन-फानन में कई राहत भरे कदम उठाए, एलपीजी प्रोडक्शन बढ़ाने से लेकर तेल कंपनियों द्वारा की गई एलपीजी एटीएम की पहल के बावजूद एलपीजी संकट से शहर-शहर हाल-बेहाल हैं।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक दिल्ली के भागीरथी पैसे मार्केट में दवाओं पर असर का जायजा लिया। दिल्ली ड्रग ट्रेडर्स एसोसिएशन के प्रेसिडेंट के मुताबिक दवाओं के लिए ज्यादातर कच्चा माल विदेशों से आयात होता है और इंपोर्ट लागत में इजाफे का असर साफ दिख रहा है। ग्रोवर का कहना है कि बुखार और डायबिटीज जैसी आम बीमारियों की दवाओं पर असर पड़ा है, हालांकि अभी मार्केट में काफी स्टॉक मौजूद है, लेकिन आने वाले दिनों में इसका असर दिखने को मिल सकता है। रिपोर्ट में समीक्षक ने चेतावनी देते हुए कहा है कि खाद मार्केट को ये जंग बुरी तरह प्रभावित करती दिख रही है।

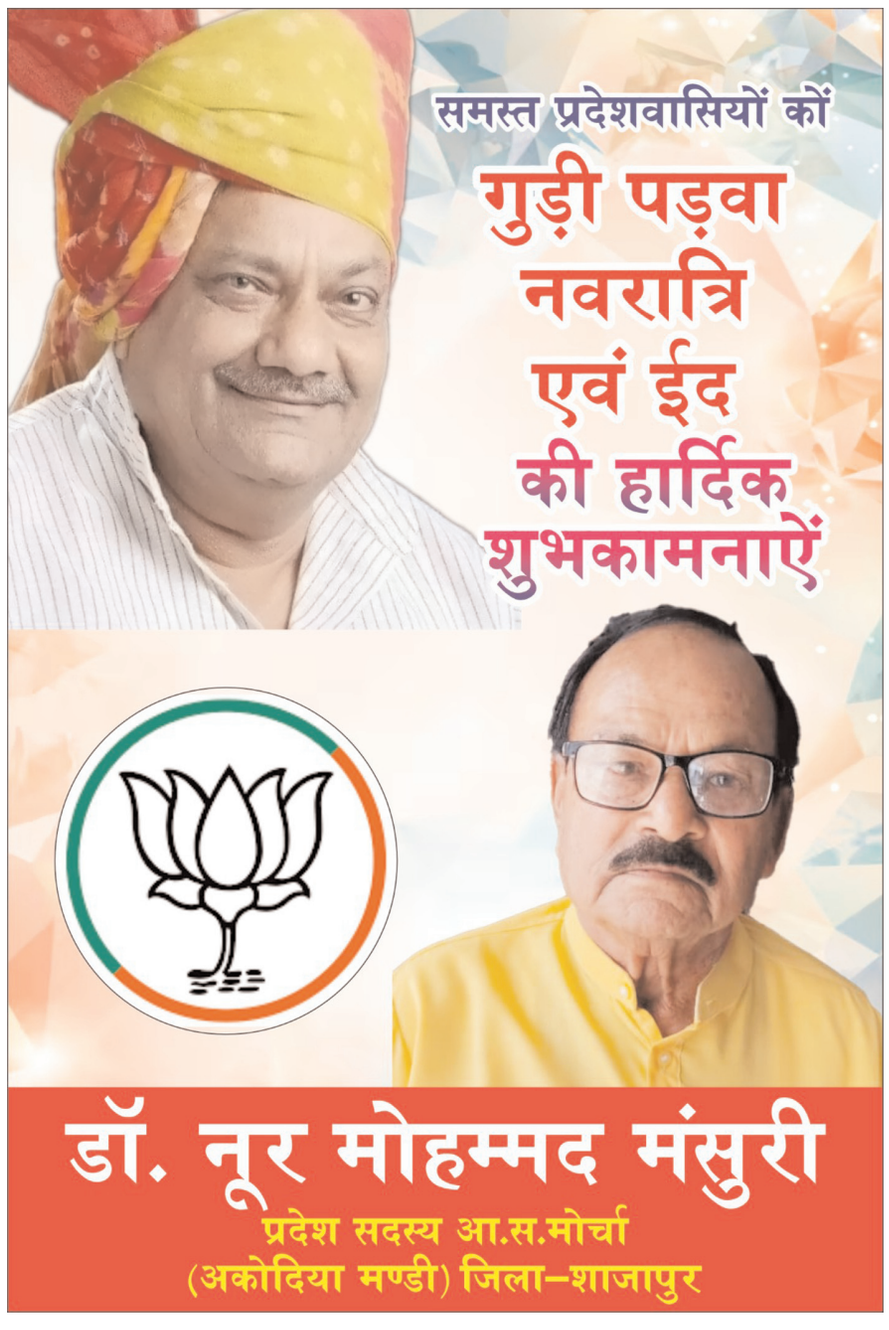

देश की संस्कृति और अध्यात्म का महामंत्र है राम नाम, दो अक्षरों में समाया है ब्रह्मांड का सार : स्वामी ओंकारानंद सरस्वती

समय जगत,इटारसी। भारतीय संस्कृति और अध्यात्म में राम नाम केवल एक शब्द नहीं, बल्कि एक महामंत्र है। आदिकाल से ही संतों, ऋषियों और कवियों ने राम नाम की महिमा का गुणगान किया है। वर्तमान समय के भागदौड़ भरे जीवन में मानसिक शांति और आध्यात्मिक ऊर्जा के लिए राम नाम की प्रासंगिकता और अधिक बढ़ गई है। उक्त उद्गार श्रीराम जन्म महोत्सव अंतर्गत श्री द्वारकाधीश बड़ा मंदिर परिसर में आयोजित संगीतमय श्रीराम कथा के प्रारंभ दिवस चैत्र नवरात्र प्रतिपदा, गुड़ी पड़वा के अवसर पर श्रीमद प्रयागपीठाधीश्वर जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी ओंकारानंद सरस्वती जी महाराज ने मुखारविंद से व्यक्त किए। प्रथम दिवस की कथा में व्यासपीठ से महाराज श्री ने श्रीराम नाम की महिमा का बखान किया। कथा प्रारंभ दिवस पर आयोजन समिति अध्यक्ष नीरज जैन, कार्यकारी अध्यक्ष विपिन चांडक, उपाध्यक्ष विष्णु शंकर पांडे, सचिव अभिषेक तिवारी, संयुक्त सचिव शैलेन्द्र दुबे, कोषाध्यक्ष प्रकाश मिश्रा, सह कोषाध्यक्ष अमित सेठ, संजीव अग्रवाल (दीपू), एमएल गौर, सहित सभापति मनजीत कलोसिया, संतोष राजवंशी, योगेश चावरे, विनोद बारसे, प्रधान आदिवासी समाज संगठन के अध्यक्ष बदामी लाल ऊईके, पंकज ककोड़िया, रामदास योना, संजय युवने, कुशवाह समाज के धनराज कुशवाह, मनोहर कुशवाह, दीनदयाल कुशवाह, ममता मालवीय, साधना योगी, सीमा कुशवाह, संध्या सराठे एवं समिति पदाधिकारियों ने व्यासपीठ का पूजन एवं महाराज श्री का स्वागत किया। व्यासपीठ से संबोधित करते हुए महाराज श्री ने कहा कि शास्त्रों के अनुसार, राम नाम की महिमा स्वयं महादेव शिव भी गाते हैं।पौराणिक मान्यता है कि काशी में देह त्यागने वाले प्राणी के कान में भगवान शंकर तारक मंत्र के रूप में राम नाम ही सुनाते हैं, जिससे जीव को मोक्ष की प्राप्ति होती है। गोस्वामी तुलसीदास जी ने रामचरितमानस में स्पष्ट लिखा है कि कलयुग केवल नाम अधारा, सुमिरि सुमिरि नर उतरहिं पारा। अर्थात कलयुग में केवल प्रभु का नाम ही मोक्ष का आधार है। समिति प्रवक्ता भूपेंद्र विश्वकर्मा ने बताया कि आयोजन समिति के मुख्य संरक्षक क्षेत्रीय विधायक डॉ सीतासरन शर्मा एवं संरक्षक प्रमोद पगारे के मार्गदर्शन में आयोजन के चलते विशेष मंदिर परिसर को विशेष साज-सज्जा एवं विद्युत रोशनी से सजाया गया है। आयोजन अंतर्गत समिति द्वारा 1963 से प्रतिवर्ष श्री रामकथा का आयोजन एवं रामनवमी पर शोभायात्रा चल समारोह की परंपरा रही है। आयोजन समिति पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने नगर के धर्मप्रेमी नागरिकों से प्रतिदिन सायंकाल 7 बजे से श्रीराम कथा श्रवण करने पधारने हेतु आग्रह किया है। कथा में प्रतिदिन शीतल पेय एवं खाद्य पदार्थ के साथ प्रसादी वितरण की जाएगी।

राज्य शिक्षक संघ ने स्कूल शिक्षा मंत्री को दिया ज्ञापन

समय जगत, बिस्टान । शिक्षक पात्रता परीक्षा (टीईटी) को लेकर शिक्षक साथी परेशान नहीं हों। यह बात राज्य शिक्षक संघ के प्रदेश अध्यक्ष जगदीश यादव ने कही। राज्य शिक्षक संघ के प्रांतीय उपाध्यक्ष प्रभुराम मालवीया, जिलाध्यक्ष अमित शर्मा, अर्चना गुप्ता, संतोष जायसवाल, दीपक पटेल ने बताया कि इस संबंध में राज्य शिक्षक संघ के प्रतिनिधि मंडल ने भोपाल में स्कूल शिक्षा मंत्री राव उदय प्रताप सिंह व आयुक्त लोक शिक्षण श्रीमती शिल्पा गुप्ता से मुलाकात कर टीईटी के सम्बन्ध में ज्ञापन सौंपकर इस पर पुनः विचार करने व शासन स्तर पर रिव्यू पिटीशन दायर करने का आग्रह किया। प्रति उत्तर में मंत्री ने इस सम्बन्ध में सहानुभूतिपूर्वक विचार करने व इस संबंध में आवश्यक दिशा निर्देश के लिए आश्वस्त किया है।आयुक्त लोक शिक्षण श्रीमती शिल्पा गुप्ता ने भी सहानुभूति पूर्वक विचार करने व शासन स्तर के निर्देशानुसार आगे कार्यवाही की बात कही। प्रतिनिधि मंडल में प्रांताध्यक्ष जगदीश यादव के साथ संघ पदाधिकारी दिनेश शुक्ला,प्रशांत दीक्षित,नरेंद्र त्रिपाठी, दीपक पटेल, नागेन्द्र त्रिपाठी,शैलेन्द्र श्रीवास्तव,अनिल पटेल,गिरीश द्विवेदी व अन्य शिक्षक सम्मिलित थे। श्री यादव ने प्रदेश सभी शिक्षक साथियों से आग्रह करते हुए कहा कि कोई भी शिक्षक साथी टीईटी परीक्षा को लेकर तनाव नही ले राज्य शिक्षक संघ इस सम्बन्ध में हर स्तर पर संघर्ष करेगा। साथ ही दिल्ली जाकर सुप्रीम कोर्ट में जाकर याचिका दायर करेगा।

सांसद दर्शन सिंह चौधरी ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री को लिखा पत्र : राज्य शिक्षक संघ के संरक्षक एवं नर्मदापुरम के सांसद दर्शनसिंह चौधरी ने धर्मेंद्र प्रधान केंद्रीय मंत्री भारत सरकार को पत्र लिखकर शिक्षकों के लिए पात्रता परीक्षा अनिवार्यता में पुनर्विचार कर माननीय उच्चतम न्यायालय में याचिका दायर करने की मांग की है। श्री चौधरी ने लिखे पत्र में बताया कि प्रदेश के इन शिक्षकों ने पिछले 25-30 वर्षों में निष्ठा, समर्पण और ईमानदारी के के साथ अपने कर्तव्यों का निर्वहन करते हुए प्रदेश की शिक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

संक्षिप्त समाचार

दगडा मोहल्ले में 24 से आयोजित होगी श्रीमद् भागवत कथा

समय जगत, मधुसूदनगढ़। सुठालिया रोड दगडा मोहल्ला में मोती महाराज मंदिर पर श्रीमद् भागवत कथा ज्ञान यज्ञ सप्ताह का आयोजन 24 मार्च से 30 मार्च तक किया जा रहा है।कथा का समय प्रतिदिन दोपहर एक बजे से हरि इच्छा तक रहेगा ।भागवत कथा का अमृत प्रवाह व्यास पीठ से पं अमन दुबे एवं उनकी मंडली द्वारा वाद्ययंत्रों के साथ किया जाएगा।यह आयोजन मोती महाराज एवं भोले बाबा महिला मित्र मंडल दगडा मोहल्ला मधुसूदनगढ़ द्वारा किया जा रहा है मित्र मंडल द्वारा सभी सनातन प्रेमियों से अपील की गई है कि अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर सनातन प्रेमी भक्तजन भागवत कथा का आनंद लें और धर्म संगत कर अपने जीवन को ठाकुर जी महाराज के आशीर्वाद से धन्य बनाएं।

रतलाम टीबी यूनिट में डब्ल्यू एच ओ कंसल्टेंट ने मरीजों का किया वैलिडेशन

समय जगत, रतलाम। प्रधानमंत्री टी बी मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत रतलाम जिले की टीबी यूनिट आलोट, रतलाम तथा बाजना में निरीक्षण और वैलिडेशन (सत्यापन) कार्यक्रम संपन्न हुआ। इस अभियान का उद्देश्य टीबी मरीजों को मिल रहे उपचार की गुणवत्ता की जांच करना और डेटा का सटीक सत्यापन करना है। कार्यक्रम का नेतृत्व विश्व स्वास्थ्य संगठन के कंसल्टेंट मेडिकल कॉलेज डॉ. संकल्प राज चौधरी, मेडिकल कॉलेज डॉ धुर्वेंद्र पांडे तथा जिला क्षय अधिकारी डॉ अभिषेक अरोरा ने किया। जिले के आलोट, बाजना, रतलाम टीबी यूनिट क्षेत्र में राष्ट्रीय स्तर से नामांकित टीबी मरीज के वैलिडेशन की प्रक्रिया की गई।

जलपात्र और पानी की टंकी रखकर मनाई गुड़ी पड़वा, नव वर्ष का किया अभिनंदन

समय जगत, गंजबासौदा । पंचतत्व संरक्षण समिति ने हर वर्ष की तरह नवसंवत्सर गुड़ी पड़वा के अवसर पर पक्षी चेतना अभियान के अंतर्गत निःशुल्क जल पात्र वितरण का कार्यक्रम आरंभ किया। यह कार्यक्रम पूज्य संत श्री जगन्नाथ दास जी महाराज की तपस्थली नौलखी धाम पर किया गया । पूज्य संत श्रीमहंत श्री राममनोहर दास जी महाराज के सानिध्य में पंचतत्व संरक्षण समिति के सदस्यों की उपस्थित में ब्राह्मणों द्वारा पक्षियों के दाना पानी के लिए जलपात्रों की पूजा अर्चना की गई। उपस्थित लोगों को महंत के हाथों से जलपात्र का निःशुल्क वितरण किया गया तथा मंदिर प्रांगण में लगे वृक्षों पर जलपात्र टांग कर पानी भी भरा गया। प्यासे परिंदों के लिए मिट्टी से बने जल पात्र एवं विचरते पशुओं के लिए सीमेंट के जलपात्र रखने का कार्य समिति गर्मियों भर करती है। साथ ही नागरिकों से एक मुट्ठी दाना एक कुंडा पानी की अपील भी समिति करती है। इस अभियान के अंतर्गत विचरते प्यासे पशुओं को पीने के लिए पानी की एक टंकी वार्ड 18 पण्डापुरा में रखी गई जिसको भरने की जिम्मेदारी वार्ड निवासी शैलेन्द्र यादव ने ली है। इस अवसर पर श्री महंत जी ने अपने आशीष वचन में कहा कि पंचतत्व समिति के भक्तों ने आज से एक अच्छा कार्य आरम्भ किया है, वह सराहनीय तो है ही, साथ ही अनुकरणीय भी है। पंचतत्व समिति कई वर्षों से समिति के सदस्यों के साथ मिलकर यह पर्यावरण सुधार का कार्य करती आ रही है। समिति के सदस्य साधुवाद के पात्र हैं, संत श्री ने सभी सदस्यों को आशीर्वाद दिया। समिति के अध्यक्ष सुरेंद्र सिंह दांगी ने सभी नागरिकों से अपील है कि हम हमारे परिजनों के स्मृति में तीज त्योहारों पर और जन्मदिन व शादी की वर्षगांठ आदि अवसरों पर इस तरह जल पात्र रखकर भी जीवन को सार्थक बना सकते हैं। इस अवसर पर पंचतत्व के अध्यक्ष सुरेंद्र दांगी, प्रमोद सिंह, सांसद प्रतिनिधि देवेंद्र यादव ,राजेंद्र व्यास, ज्ञान प्रकाश भार्गव,अशोक अग्रवाल , शैलेन्द्र यादव,शैलेन्द्र दीक्षित राकेश खंडेलवाल विमल जैन ,अशोक भावसार, रामसिंह रघुवंशी, गजराज सिंह,जसवंत सिंह,देवी सिंह , प्रवीण प्रताप सिंह , अमान सिंह धीरेन्द्र सिंह,विजय ठाकुर बृजेंद्र दांगी, रमन दांगी ,रणवीर सिंह,गोपाल सिंह,संजू सिंह,कुंवर सिंह यशपाल सिंह दांगी, कृष्णकांत विश्वकर्मा आदि जन उपस्थित थे. जलपात्र का स्वस्तिवाचन प.धर्मेंद्र भार्गव,प.राहुल शर्मा, पं. अजय सैसा, पं. अंकित आचार्य, पं. धर्मेंद्र दुबे, पं. देवेंद्र दुबे, पं. प्रदीप दुबे, पं. अमन भार्गव, पं. बृजेश शर्मा और पं. विकास महाराज द्वारा किया गया ।

पहले पानी के लिये परेशान होते थे ग्रामीण,अब निमझिरी गांव के हर घर में नल से पहुंच रहा है जल

हरिप्रसाद गोहे- समय जगत,आमला। बैतूल विकास खंड अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत निमझरी के ग्रामीणों की बसाहट की अगर बात करे तो यह विकास खंड बैतूल की आखिरी पंचायत है। यहां के ग्रामीणों के लिए व्यावसायिक, व्यापारिक दृष्टि से आमला बाजार बेहद करीब है। निमझिरी ग्राम में ग्रामीणों के भवन ऊंचे टेक पर बने हैं वहीं कुछ के ढलानों पर बने हुए हैं। जिस कारण पूर्व में ग्रीष्म ऋतु के दौरान लोगों को पानी की व्यवस्था बनाने में भारी परेशानियों का सामना करना पड़ता था। पेय जल की समस्याओं से निजात पाने के लिए लोग जुगाड़ कर पेय जल की उपलब्धता सुनिश्चित करते देखे जाते थे। वर्तमान ग्राम प्रधान रामदीन पिपरदे के कार्यभार संभालने के बाद जहां ग्राम पंचायत निमझिरी विकास कार्यों की ओर निरंतर प्रगतिरत है। वहीं उनके प्रयासों से क्षेत्र के ग्रामीणों सरकार की समस्त जन कल्याणकारी योजनाओं का लाभ भी तय समय सीमा में मिल रहा है। हमारे प्रतिनिधि से चर्चा के दौरान ग्रामीणों ने बताया कि गर्मी के दिनों में पहले हमें जुगाड़ कर पानी की व्यवस्था बनाना पड़ता था। अब हमें ऊंचे टेक पर भी नल से हर घर में पर्याप्त पानी मिल रहा है। हम ग्राम सरपंच सहित सरकार का धन्यवाद ज्ञापित करते हैं। उधर ग्राम सरपंच रामदीन पिपरदे ने चर्चा के दौरान बताया कि ग्राम विकास करना मेरी पहली प्राथमिकता थी। जिसके लिए मेरे द्वारा शुरु आती दौर में शासन से मांग कर जनकल्याण कारी योजनाओं का लाभ ग्रामीणों को दिलाए जाने ग्राम पंचायत सचिव सुखदेव मगरदे के साथ मिलकर प्रयास किए गए। जिसकी बदौलत आज भीषण गर्मी में ग्रामीणों को नलों से हर घर में पानी मिल रहा है। अन्य ग्राम विकास कार्यों की बात करें तो सर्वसुविधायुक्त कार्यालय भवन में सीसीटीवी कैमरे, एलईडी टीवी के माध्यम से समय पर लोगों को शासन की हर योजनाओं की जानकारी मिलने के साथ ही वह इनसे लाभान्वित भी हो रहे हैं।

चेटीचन्ड्र महोत्सव पर विशाल वाहन रैली और भव्य शोभायात्रा का हुआ आयोजन

श्री गुरुद्वारा साहिब के कार्यक्रम में शामिल हुए कलेक्टर, पुलिस अधीक्षक एवं एसडीएम

समय जगत, मण्डला। सिंधी समाज के इष्ट देव वरुण अवतार भगवान श्री झूलेलाल सांई का जन्म दिवस चेटीचन्ड्र महोत्सव के रूप में सिंधी समाज के द्वारा धूमधाम से मनाया गया। पूज्य सिंधी पंचायत,सिंधु नवयुवक मंडल एवं मातृशक्ति सदस्यों के द्वारा विविध आयोजन किए गए, आयोजन की श्रृंखला में एक सप्ताह पहले गुरु ग्रंथ साहिब का पाठ आरंभ किया गया जो कि नियमित रूप से पाठन किया गया,पंडित रानूनाथ शर्मा की मौजूदगी में भगवान श्री झूलेलाल सांई जी का जल अभिषेक किया गया। तत्पश्चात झूलेलाल सांई जी का श्रृंगार किया गया,श्री गुरुद्वारा साहिब में भजन कीर्तन, आरती, पूजा के साथ सभी परिवारों की सुख शांति के लिए अरदास की गई,सामाजिक जनों के द्वारा इस अवसर पर नाच गायन करते हुए जन्मोत्सव की बधाइयां दी गई, साप्ताहिक पाठ का भोग का कार्यक्रम संपन्न हुआ,सामाजिक जनों के द्वारा गुरु ग्रंथ साहिब पर चोला चढ़ाया गया। इस अवसर पर सामाजिक सदस्यों की मौजूदगी में भाई साहब हरनाम उदासी के द्वारा पल्लव पूजा का कार्यक्रम संपन्न हुआ। तत्पश्चात आम लंगर का आयोजन किया गया जिसमें सभी शामिल जनों ने प्रसादी ग्रहण की। सुबह सामाजिक जनों के द्वारा विशेष ड्रेस कोड के साथ वाहन रैली निकाली गई जिसको समाज के वरिष्ठ जनों ने झंडी दिखाकर रवाना किया।वाहन रैली शहर के मुख्य मार्गों से होते हुए पुनः गुरुद्वारा साहिब में विराम ली, रैली भगवान झूलेलाल सांई के जयकारों के साथ गुंजायमान रही, वाहन रैली का जोर शोर से स्वागत किया गया।जगह जगह स्वागत में स्वल्पाहार का आयोजन भी किया गया, वाहन रैली में बड़ी संख्या में पुरुष,महिलाएं और बच्चे शामिल हुए,युवाओं में बहुत उत्साह देखा गया। चेटीचन्ड्र महोत्सव के अवसर पर श्री गुरुद्वारा साहिब में विविध आयोजन किए गए। आयोजन में मंडला कलेक्टर सोमेश मिश्रा,पुलिस अधीक्षक रजत सकलेचा एवं एसडीएम सोनल सिडाम मेडम शामिल हुए। इन्होंने भगवान झूलेलाल एवं श्री गुरुग्रंथ साहिब पर चोला चढ़ाया,माथा टेककर आशीर्वाद लिया। आयोजित लंगर में शामिल होकर गुरु प्रसादी ग्रहण की। इस अवसर पर पूज्य सिंधी पंचायत मंडला के द्वारा कलेक्टर ,पुलिस अधीक्षक एवं एसडीएम को शॉल ओढ़ाकर उनका सम्मान किया गया।

वाल्मीकि समाज ने ठेका प्रथा के मुद्दे पर राज्यसभा सांसद को लिखा पत्र

समय जगत, छिंदवाड़ा । देश एवं प्रदेश में वाल्मीकि समाज के विभिन्न समस्याओं एवं सुझावों से सबंधित अशोक झा ने राज्यसभा सांसद उमेश नाथ महाराज को एक विस्तृत पत्र लिखा है। उन्होंने वाल्मीकि समाज की प्रमुख समस्याओं का प्रमुखता से उल्लेख पत्र में किया है। सांसद की प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से हुई मुलाकात का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि इस दौ समाज के सामाजिक, आर्थिक और शैक्षणिक उत्थान से जुड़े मुद्दों को प्राथमिकता नहीं दी गई है। देश में वाल्मीकि समाज और सफाई कर्मचारियों को ठेका प्रथा के कारण कई प्रकार की कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। ठेका प्रणाली के तहत कार्यरत कर्मचारियों के साथ आर्थिक, सामाजिक और शारीरिक शोषण हो रहा है के आरोप भी लगाए हैं। पत्र में यह भी उल्लेख किया कि यदि सांसद द्वारा प्रधानमंत्री के समक्ष ठेका प्रथा समाप्त करने का प्रस्ताव रखा जाता तो इससे लाखों सफाई कर्मचारियों और वाल्मीकि समाज को बड़ा लाभ मिल सकता था। उन्होंने केंद्र सरकार से इस मुद्दे पर गंभीरता से विचार कर ठेका प्रथा खत्म करने की मांग की है। पत्र के माध्यम से उन्होंने सांसद से आग्रह किया है कि वे वाल्मीकि समाज की समस्याओं को सरकार के समक्ष मजबूती से रखें, जिससे समाज को सामाजिक न्याय और सम्मान मिल सके।

मां खेरमाई मंदिर में नौ रूपों में हुआ भव्य श्रृंगार, गूंजे जयकारे

समय जगत, जबलपुर। आईटीआई माढ़ोताल की पुरानी बस्ती स्थित मां खेरमाई मंदिर में चैत्र नवरात्रि के पावन अवसर पर माता रानी का भव्य नौ रूपों में श्रृंगार किया गया। पूरे मंदिर परिसर में श्रद्धा, भक्ति और उल्लास का माहौल देखने को मिला। मां खेरमाई मंदिर ट्रस्ट के अनुसार इस प्राचीन मंदिर में प्रतिमा स्थापना के 225 वर्ष पूर्ण हो चुके हैं, जो इस स्थान की ऐतिहासिक और धार्मिक महत्ता को दर्शाता है। मंदिर ट्रस्ट के संरक्षकों ने बताया कि मां खेरमाई की कृपा अत्यंत चमत्कारी और भक्तों के जीवन में सुख-समृद्धि लाने वाली है। मंदिर सेवा में समर्पित राजा राम पटेल ने बताया कि उनके परिवार पर माता रानी की विशेष कृपा रही है। उन्होंने बताया कि पंचमी के दिन उनके घर पोती के रूप में माता रानी का आगमन हुआ, वहीं गुप्त नवरात्रि की पंचमी को भी पुनः उनके परिवार को माता का आशीर्वाद प्राप्त हुआ। दोनों पोती पंचमी की 30 तारीख को माता का आशीर्वाद मिला। चैत्र नवरात्रि के दौरान माता रानी के नौ स्वरूपों की विधिवत पूजा-अर्चना के साथ भव्य महाआरती का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। इस अवसर पर मंदिर के पुजारी गणेश पटेल (बब्बा), कार्यसेवक विनोद रैकवार, राजा राम पटेल, दिवांशु, अनिल रैकवार, शुभम पटेल, प्रिंस, अभिषेक, लकी सहित मां खेरमाई माढ़ोताल सेवा समिति के सदस्य उपस्थित रहे।

श्रमजीवी पत्रकार संघ का निर्वाचन संपन्न रविन्द्र परमार बने ब्लॉक अध्यक्ष, मनोज डाबी को बनाया सचिव

राकेश अजमेरा, खातेगांव। श्रमजीवी पत्रकार संघ ब्लॉक कन्नौद का निर्वाचन शांतिपूर्ण, निष्पक्ष एवं उत्साहपूर्ण माहौल में निर्वाचन अधिकारी श्रीराम पटेल सहायक निर्वाचन अधिकारी दीपक धारीवाल एवं अतुल गुप्ता के द्वारा सफलतापूर्वक सम्पन्न कराया गया। जिसमें मुख्य रूप से पूर्व जिला अध्यक्ष आनंद गुप्ता उपस्थित थे। इस निर्वाचन में अधिक मत प्राप्त कर रविन्द्र परमार ब्लॉक अध्यक्ष चुने गए। निर्वाचन उपरांत मनोज डाबी को ब्लॉक सचिव पद की जिम्मेदारी दी गई। जो संगठन की एकजुटता का प्रतीक माना जा रहा है। नवनिर्वाचित अध्यक्ष रविन्द्र परमार एवं सचिव मनोज डाबी को क्षेत्र के पत्रकार साथियों, समाजसेवियों एवं गणमान्य नागरिकों के द्वारा सोशल मीडिया के साथ ही प्रत्यक्ष रूप से बधाई प्रेषित की गई। इस अवसर पर श्रमजीवी पत्रकार संघ के विनोद भूतड़ा, ओम प्रकाश टांडी, गणेश जायसवाल, ओमप्रकाश परमार, आकाश सेठी, द्वारका शर्मा, राजकुमार मोदी, बालकृष्ण शर्मा, मेहबूब खान, हरविन्दर भाटिया, कमल सोलंकी, सोहन राठौर, यूसुफ खान, हरीश दुबे, राजेश परमार, दीपक धारीवाल, मांगीलाल मालवी, हेमंत गुर्जर, डॉ. बाबूलाल चौधरी, अखिलेश तिवारी, विजय जाट, सुनील यादव, भारत यादव, अरविंद भूतड़ा, कन्हैया सत्तावन, सोनू सिंगनाथ, आनंद योगी राजेंद्र तंवर सहित अनेक गणमान्यजन शामिल रहे। इसके साथ ही कांटाफोड़ एवं लोहारदा क्षेत्र के वरिष्ठ नागरिकों ने भी नव-निर्वाचित पदाधिकारियों को शुभकामनाएं प्रेषित करते हुए उनके उज्ज्वल कार्यकाल की कामना की। नवनिर्वाचित अध्यक्ष रविन्द्र परमार ने सभी मतदाताओं एवं समर्थकों का आभार व्यक्त करते हुए संगठन को मजबूत बनाने, पत्रकारों के हितों की रक्षा करने एवं निष्पक्ष पत्रकारिता को आगे बढ़ाने का संकल्प दोहराया।

शहर में वर्ष प्रतिपदा के अवसर पर विक्रमोत्सव का किया गया आयोजन

रतलाम। सृष्टि आरंभ दिवस वर्ष प्रतिपदा तथा विक्रम संवत 2083 के शुभारंभ अवसर पर शासन के आदेशानुसार जिला प्रशासन द्वारा 'विक्रमोत्सव' का आयोजन कलेक्टर श्रीमती मिशा सिंह के निर्देशन में गुलाब चक्कर में किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में महापौर प्रहलाद पटेल उपस्थित रहे। कार्यक्रम में जिला अध्यक्ष प्रदीप उपाध्याय, नगर निगम अध्यक्ष मनीषा शर्मा, कलेक्टर श्रीमती मिशा सिंह, जिला पंचायत सीईओ सुश्री वैशाली जैन, एसडीएम आर्ची हरित, डिप्टी कलेक्टर राधा महंत, डिप्टी कलेक्टर संजय शर्मा, पीओ डूडा अरुण पाठक, महर्षि शिव शंकर दवे, पंकज भाटी, सेवा वीर परिवार, गायत्री परिवार सहित जनप्रतिनिधि उपस्थित थे। कार्यक्रम में अखंड ज्ञान आश्रम के महामंडलेश्वर देव स्वरूपानंद भी विशेष रूप से आमंत्रित थे।

शिक्षिका का 'घर -आंगन में गौरैया' अभियान बना मिसाल

समय जगत, ब्यावरा । गौरैया को लेकर शिक्षिका एवं समाज सेविका इंदिरा कुशवाहा ने विश्व गौरैया दिवस के अवसर पर हर वर्ष की तरह इस बार भी एक सराहनीय अभियान चलाया है। इस पहल का उद्देश्य तेजी से घटती गौरैया (चिड़िया) की संख्या को बचाना और उन्हें फिर से घर-आंगन में बसाना है। 'घर-घर चिड़िया लाओ' अभियान के तहत उन्होंने लोगों को मिट्टी के सकोरे, दाना-पानी के बर्तन तथा छोटे-छोटे घोंसले वितरित किए। साथ ही लोगों से अपील की कि वे अपने घरों, छतों और आंगनों में इन्हें लगाएं, ताकि गौरैया को सुरक्षित आश्रय और भोजन मिल सके। इस अभियान की विशेषता यह है कि यह केवल एक दिन की पहल नहीं, बल्कि पिछले 10 वर्षों से लगातार चल रही एक जागरूकता मुहिम है, जिससे समाज में सकारात्मक बदलाव देखने को मिल रहा है। इंदिरा कुशवाहा ने कहा कि लगभग 15 वर्ष पहले तक सुबह होते ही गौरैया की ची-ची, चूं-चूं की मधुर ध्वनि वातावरण को जीवंत बना देती थी, लेकिन आज उनकी आवाज सुनने को लोग तरस रहे हैं। पक्के मकानों के बढ़ते चलन, वनों की अंधाधुंध कटाई और खेतों में रासायनिक दवाओं के उपयोग के कारण उनके निवास स्थान कम होते जा रहे हैं, जिससे उनकी संख्या तेजी से घट रही है। उन्होंने कहा, गौरैया हमारे पर्यावरण का अहम हिस्सा है। यदि हम उन्हें छोटा सा आश्रय और दाना-पानी दें, तो वे फिर से हमारे आसपास लौट सकती हैं। उन्होंने विशेष रूप से गर्मी के मौसम में सभी से चिड़ियों के लिए दाना-पानी रखने की अपील की। स्थानीय लोगों ने भी इस पहल की सराहना करते हुए इसे पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया। यह अभियान न केवल प्रकृति के प्रति जिम्मेदारी का संदेश देता है, बल्कि आने वाली पीढ़ियों को भी संवेदनशील बनने की प्रेरणा देता है। इस प्रकार इंदिरा कुशवाहा का यह प्रयास समाज के लिए एक प्रेरणादायक मिसाल बनता जा रहा है।

संजय गांधी अस्पताल के आईसीयू में शॉर्ट सर्किट से आग, ऑक्सीजन सप्लाई ठप्प

रीवा। संभाग के सबसे बड़े शासकीय चिकित्सा संस्थान संजय गांधी अस्पताल में शुक्रवार दोपहर एक बड़ा हादसा होते-होते टल गया। अस्पताल के तृतीय तल स्थित मेडिसिन विभाग के आईसीयू में अचानक शॉर्ट सर्किट के कारण आग लग गई, जिससे पूरे वार्ड में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। आग लगने के बाद आईसीयू में लगे मॉनिटर और अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों से धुआं निकलने लगा तथा पूरे वार्ड में फायर अलार्म बजने लगा।घटना की जानकारी मिलते ही अस्पताल में मौजूद सुरक्षाकर्मी और फायर सेफ्टी व्यवस्था संभालने वाली कंपनी के कर्मचारी तुरंत मौके पर पहुंचे। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए आईसीयू में भर्ती सभी मरीजों को तत्काल वार्ड से बाहर निकालकर सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया गया। मरीजों की हालत को देखते हुए उन्हें कृत्रिम ऑक्सीजन की वैकल्पिक व्यवस्था भी उपलब्ध कराई गई। बताया जा रहा है कि आग लगने की वजह से आईसीयू का ऑक्सीजन सप्लाई सिस्टम पूरी तरह ठप हो गया था। कुछ समय के लिए मरीजों की जान जोखिम में पड़ गई, लेकिन समय रहते कर्मचारियों की तत्परता से सभी मरीजों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया, जिससे एक बड़ा हादसा टल गया।प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार घटना के समय अचानक मॉनिटर और अन्य उपकरणों से धुआं निकलने लगा। देखते ही देखते पूरे आईसीयू में धुआं फैल गया और फायर अलार्म बजने लगा। वार्ड में मौजूद स्टाफ और सुरक्षाकर्मियों ने तुरंत मरीजों को बाहर निकालना शुरू किया और आग पर काबू पाने की कोशिश की। गौरतलब है कि संजय गांधी अस्पताल में आग लगने की यह पहली घटना नहीं है। इससे पहले भी अस्पताल के गायनिक विभाग के ऑपरेशन थिएटर में भीषण आग लग चुकी है। उस घटना में एक प्रसूता और उसके मृत नवजात शिशु का शव आग की चपेट में आ गया था। उस समय भी अस्पताल प्रबंधन ने जांच कराने और दोषियों पर कार्रवाई का आश्वासन दिया था, लेकिन कई महीने बीत जाने के बाद भी जिम्मेदारों पर कोई ठोस कार्रवाई नहीं हो सकी।लगातार हो रही इन घटनाओं के कारण अस्पताल की सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। मरीजों और उनके परिजनों में भी इस घटना के बाद भय और चिंता का माहौल देखने को मिला। इस पूरे मामले को लेकर अस्पताल के सीएमओ डॉ. संतोष सिंह का कहना है कि उन्हें इस घटना की जानकारी मीडिया के माध्यम से मिली है। उन्होंने कहा कि अभी वह मौके पर नहीं पहुंचे हैं। मौके पर पहुंचकर पूरी स्थिति की जानकारी लेने के बाद ही इस मामले में आगे की कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल अस्पताल प्रशासन द्वारा आग लगने के कारणों की जांच की बात कही जा रही है। हालांकि लगातार हो रही आगजनी की घटनाओं ने अस्पताल प्रबंधन की सुरक्षा तैयारियों और जिम्मेदारी पर एक बार फिर गंभीर प्रश्नचिन्ह खड़ा कर दिया है। मरीजों और उनके परिजनों का कहना है कि अस्पताल जैसी संवेदनशील जगह पर सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत किया जाना बेहद जरूरी है, ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो।

दमकल कर्मचारी ने की आत्महत्या, वीडियो में साथियों पर प्रताड़ना का आरोप

विदिशा। जिले के गंजबासौदा नगर पालिका में उस वक्त हड़कंप मच गया जब दमकल वाहन चलाने वाले कर्मचारी मुकेश अहिरवार ने जहरीला पदार्थ खाकर आत्महत्या कर ली। जानकारी के अनुसार मुकेश अहिरवार ने गुरुवार को अपने कार्यालय में ही जहरीला पदार्थ खा लिया। जहर खाने से पहले उन्होंने एक वीडियो भी बनाया, जिसमें अपने ही दो साथियों मुन्ना महाराज और मथुरा प्रसाद पर प्रताड़ित करने का गंभीर आरोप लगाया। जहर खाने के बाद मुकेश की हालत बिगड़ने लगी, जिसके बाद सहकर्मी उन्हें तुरंत गंजबासौदा अस्पताल लेकर पहुंचे। हालत गंभीर होने पर डॉक्टरों ने उन्हें विदिशा मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया, जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। शुक्रवार को मेडिकल कॉलेज में पोस्टमार्टम के दौरान परिजनों ने मृतक के वीडियो के आधार पर आरोपित कर्मचारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। वहीं पुलिस अधीक्षक रोहित काशवानी ने बताया कि मृतक द्वारा बनाए गए वीडियो की जांच की जा रही है और जांच के आधार पर वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

सार-समाचार

गहरी जुताई और खरपतवार नष्ट करने के लिए उपयोगी है रोटावेटर

रीवा। ग्रामीण अर्थव्यवस्था का आधार खेती है। खेती के आधुनिकीकरण के साथ इसका तेजी से यंत्रीकरण हो रहा है। अब खेतों की जुताई लगभग शत-प्रतिशत ट्रैक्टरों के माध्यम से होती है। ट्रैक्टर से संचालित कई कृषि उपकरण किसानों के लिए बहुत उपयोगी हैं। इस संबंध में उप संचालक कृषि यूपी बागरी ने बताया कि ट्रैक्टर के माध्यम से चलने वाला रोटावेटर और रोटरी टिलर्स खेतों की गहरी जुताई और खरपतवार नष्ट करने के लिए बहुत उपयोगी है। रोटावेटर से किसान अपनी सुविधा और उपयोगिता के अनुसार जुताई की गहराई का निर्धारण कर सकते हैं। इसके उपयोग से नरवाई तथा अन्य खरपतवार छोटे-छोटे टुकड़ों में बंटकर मिट्टी में मिल जाते हैं। बारिश के बाद इनसे मिट्टी के लिए बहुत उपयोगी हरी खाद तैयार होती है जिससे मिट्टी की उर्वरता और जलधारण क्षमता में वृद्धि होती है। धान की रोपाई के लिए खेत को समतल करने और पडलिंग के लिए भी रोटावेटर का उपयोग किया जा सकता है। रोटावेटर का उपयोग 35 हार्सपावर से 55 हार्सपावर तक के ट्रैक्टर में सबसे कारगर होता है। रोटावेटर से सामान्य रूप में तीन घण्टे में एक हेक्टेयर के खेत में जुताई का कार्य हो जाता है। बाजार में रोटावेटर के कई माडल उपलब्ध हैं। किसान अपनी सुविधा के अनुसार इनका उपयोग कर सकते हैं। कृषि विभाग द्वारा रोटावेटर के लिए अनुदान की भी सुविधा उपलब्ध है।

मप्र शिक्षक संघ रीवा ने हर्षोल्लास से मनाया नव वर्ष

समय जगत, रीवा। भारतीय संस्कृति के नये वर्ष नव संवत्सर विक्रम संवत 2083 गुड़ी पड़वा वर्ष प्रतिप्रदा चैत्र नवरात्र प्रारंभ भगवान झूलेलाल जयंती चेटी चंद का पावन पर्व एक साथ आया। जिसे मध्यप्रदेश शिक्षक संघ रीवा ने पंच मुखी हनुमान मंदिर परिसर मार्तण्ड क्रमांक 3रीवा में विधि विधान से पूजा अर्चन एवं दीप प्रज्वलन कर शहर में पथ संचलन करते हुए गायत्री देवी मंदिर में पूजा अर्चन किया गया साथ ही नगर वासियों को तिलक लगाकर प्रसाद मिष्ठान वितरण कर धूमधाम से मनाया। इस संबंध में जिला अध्यक्ष जीतेन्द्र कुमार चतुर्वेदी ने कहा कि हमारी कामना है कि भारतीय संस्कृति के इन अनुपम त्योहार सभी के जीवन में सुख समृद्धि उत्तम स्वास्थ्य और अपार खुशियां लेकर आए और पूरे विश्व में शांति स्थापित हो। इस अवसर पर संघ के साथ ही तमाम सनातन से जुड़े गणमान्य लोग उपस्थित रहे। प्रांत प्रमुख संस्कृत प्रकोष्ठ डॉ कौशलेंद्र मणि त्रिपाठी संभागीय अध्यक्ष रीवा सुदीप पांडेय जिला संगठन मंत्री विजय कुमार पांडेय जिला अध्यक्ष रीवा जीतेंद्र चतुर्वेदी संभागीय मिडिया प्रभारी विवेक कुमार नामदेव जिला सचिव अरुण कुमार द्विवेदी कोषाध्यक्ष अविनाश गौतम जिला महिला प्रमुख श्रीमती सुशीला वर्मा उपाध्यक्ष डॉ करुणा तिवारी उपाध्यक्ष राम मणि मिश्रा उपसचिव विशाल शुक्ला राकेश कुमार तिवारी नगर अध्यक्ष डॉक्टर राजेश शुक्ला तहसील सेमरिया इकाई के संगठन मंत्री रवींद्र कुमार शुक्ला दीपक पांडेय तहसील इकाई सिरमौर के अध्यक्ष राजेश कुमार गौतम पवन पांडेय आर शरद पई शरद द्विवेदी सुधांशू दुबे रमाकांत शुक्ला गंगा पांडेय श्याम सुंदर सिंह दिलीप साकेत विष्णु द्विवेदी उपाध्यक्ष डॉ प्रियंका सिंह राम पाल गौतम नवीन झा सहित मध्य प्रदेश शिक्षक संघ के दायित्व वान पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित रहे।

आचार्य विद्यासागर गौ संवर्धन योजना से डेयरी व्यवसाय का मिल रहा है सुनहरा अवसर

रीवा। पशुपालन विभाग द्वारा दुग्ध उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए आचार्य विद्यासागर गौ संवर्धन योजना लागू की गई है। इस योजना में 75 प्रतिशत राशि बैंक ऋण के माध्यम से दी जाती है। शेष 25 प्रतिशत राशि हितग्राही को अंशदान के रूप में देनी होती है। योजना में 7 वर्षों तक 5 प्रतिशत ब्याज की प्रतिपूर्ति अनुदान का भी लाभ दिया जाता है। इस संबंध में संयुक्त संचालक डीएस बघेल ने बताया कि योजना के लिए पशुपालक के पास कम से कम 5 पशु और एक एकड़ कृषि भूमि होना आवश्यक है। पशुओं की संख्या में वृद्धि होने पर उसी के अनुपात में कृषि भूमि का निर्धारण किया जाता है। योजना की एक इकाई में 5 भैंस होने पर 4 लाख 25 हजार रुपए तथा 5 शंकर नस्ल की गाय होने पर 3 लाख 82 हजार रुपए एवं देशी गाय होने पर 2 लाख 43 हजार 750 रुपए इकाई लागत निर्धारित की गई है। 10 दुधारू पशुओं के होने पर 10 भैंसों में 8 लाख 40 हजार, शंकर गाय के लिए 7 लाख 51 हजार रुपए तथा 10 देशी गाय के लिए 4 लाख 75 हजार रुपए इकाई लागत निर्धारित की गई है। इस योजना में सामान्य वर्ग के पशुपालक को परियोजना लागत का 25 प्रतिशत अधिकतम एक लाख 25 हजार रुपए मार्जिन मनी सहायता के रूप में दिया जाता है। अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के हितग्राही को परियोजना लागत का 33 प्रतिशत अधिकतम 2 लाख रुपए मार्जिन मनी के रूप में दिया जाता है। पशुपालन विभाग के माध्यम से प्रकरण बैंकों में भेजे जाते हैं। बैंक से प्रकरण स्वीकृत होने के बाद हितग्राही को इकाई लागत की राशि प्रदान की जाती है।

मिट्टी के पोषक तत्व और गुण बताता है मृदा स्वास्थ्य कार्ड

रीवा। भारत सरकार द्वारा स्वाइल हेल्थ कार्ड यानी मृदा स्वास्थ्य कार्ड योजना लागू की गई है। इस योजना के तहत किसान सिंचित क्षेत्र में 2.5 एकड़ तथा असिंचित क्षेत्र में 10 एकड़ क्षेत्र से मिट्टी का नमूना लेकर उसकी जाँच कराते हैं। यह जाँच कृषि विभाग द्वारा की जाती है। कृषि विभाग द्वारा मिट्टी के नमूने लिए जाने पर इसकी जाँच पूरी तरह से निःशुल्क रहती है। यदि किसान स्वयं सेंपल लेकर जाता है तो मिट्टी के नमूने की जाँच के लिए अनुसूचित जाति और अनुसूचित जाति के किसान को तीन रुपए तथा सामान्य वर्ग के किसान को पाँच रुपए प्रति नमूना शुल्क देना होता है। मिट्टी में माइक्रो न्यूट्रेंट की जाँच कराने के लिए अनुसूचित जाति और जनजाति के किसानों को 30 रुपए तथा सामान्य वर्ग के किसानों को 40 रुपए शुल्क देना होता है। मृदा स्वास्थ्य कार्ड से किसान को उसके खेती की मिट्टी के गुणों तथा पोषक तत्वों की जानकारी मिलती है। इस संबंध में उप संचालक कृषि यूपी बागरी ने बताया कि मिट्टी के पोषक तत्व के आधार पर किसान को उचित फसल की सलाह दी जाती है। मिट्टी में यदि पोषक तत्व की कमी है तो उसके अनुरूप उर्वरक के उपयोग का सुझाव दिया जाता है। मृदा स्वास्थ्य कार्ड किसान के खेत की मिट्टी का रिपोर्ट कार्ड है। इस कार्ड में किसान का नाम, सर्वे नम्बर, खेत का रकबा आदि लिखा रहता है।

पुस्तक मेला लगेगा 22 और 23 मार्च को

रीवा। विद्यार्थियों को नई कक्षा में प्रवेश के लिए आवश्यक पुस्तकें तथा अन्य सामग्री एक ही स्थान पर प्रतिस्पर्धी मूल्य में उपलब्ध कराने के उद्देश्य से 22 एवं 23 मार्च को कृष्णा राजकपूर आडिटोरियम में जिला स्तरीय पुस्तक मेले का आयोजन किया गया है। कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल ने नवीन शैक्षणिक सत्र 2026-27 के प्रारंभ में क्रय किये जाने वाली पुस्तकें, यूनिफार्म, कापी, स्टेशनरी आदि उचित मूल्य पर सुलभ कराने के लिए प्रमुख पुस्तक विक्रेताओं की भागीदारी सुनिश्चित कराने के निर्देश दिये हैं। उन्होंने जिला शिक्षा अधिकारी को निर्देशित किया कि पुस्तक मेले का व्यवस्थित आयोजन करायें जिससे अभिभावक व विद्यार्थी सुगमता से पुस्तकें एवं अन्य सामग्री खरीद सकें। सभी पुस्तक विक्रेता अपने स्टाल लगायें तथा पुस्तक में 10 प्रतिशत तथा स्टेशनरी में 30 से 50 प्रतिशत तक की छूट दें ताकि विद्यार्थी पुस्तकें व अन्य सामग्री ले सकें।

अवकाश के दिन भी खुले रहेंगे नगर निगम एवं सभी जोन कार्यालय

रीवा। वर्तमान वित्तीय वर्ष 2025-26 में राजस्व लक्ष्य की प्राप्ति हेतु नगर निगम द्वारा विशेष राजस्व वसूली अभियान चलाया जा रहा है। इस क्रम में नगर निगम आयुक्त डॉ. सौरभ सोनवणे के निर्देशानुसार आगामी दिनों में सभी जोन कार्यालय एवं निगम कार्यालय नियमित रूप से कार्य करेंगे। साथ ही आगामी दोनों रविवार को निगम द्वारा कार्यालय में विशेष कर संग्रहण कैंप का भी आयोजन होगा। गौरतलब है कि यह निर्णय वित्तीय वर्ष 2025-26 के राजस्व संग्रहण एवं समापन प्रक्रिया को ध्यान में रखते हुए लिया गया है। निगम आयुक्त ने निर्देश दिए हैं कि सभी अधिकारी-कर्मचारी मुख्यालय पर उपस्थित रहेंगे, जिससे करदाताओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो तथा लंबित करों का त्वरित निराकरण किया जा सके। उल्लेखनीय है कि शहर के करदाताओं के पास बकाया कर 31 मार्च 2026 तक जमा कर अधिभार से बचने के लिए अब मात्र 11 दिन शेष हैं। 1 अप्रैल 2026 से समस्त बकाया करों की राशि पर दोगुना प्रभाव लागू हो जाएगा। निगम आयुक्त द्वारा लगातार करदाताओं से अपील की जा रही है कि वे 31 मार्च तक अपने सभी बकाया करों का भुगतान कर अधिभार एवं अप्रिय कार्यवाही से बचें। उन्होंने बताया कि नियत तिथि के पश्चात शासन के प्रावधानों के अनुसार बकाया राशि पर अधिभार लगाया जाएगा। रीवा नगर के समस्त स्वयं के आवासीय भवनों पर वर्ष 2025-26 के संपत्ति कर में 50 प्रतिशत की छूट 31 मार्च 2026 तक ही प्रभावी रहेगी। इसके पश्चात यह छूट समाप्त हो जाएगी तथा 12 प्रतिशत अधिभार देय होगा। साथ ही जिन भवन स्वामियों द्वारा वर्ष 2024-25 तक का संपत्तिकर जमा नहीं किया गया है, उन्हें शीघ्र भुगतान करने की सलाह दी गई है, अन्यथा उनके भवन/प्रतिष्ठानों पर तालाबंदी/कुर्की की कार्यवाही की जा सकती है। निगमायुक्त ने मैदानी अमले को भी निर्देशित किया है कि वे अधिक से अधिक करदाताओं एवं बड़े बकायादारों से संपर्क कर वित्तीय वर्ष समाप्त होने से पूर्व कर जमा करने हेतु प्रेरित करें। निगमायुक्त ने सभी करदाताओं, शासकीय विभागों एवं संस्थाओं के प्रमुखों तथा व्यापारियों से अपील की है कि वे अवकाश के दिनों में भी निगम प्रशासन द्वारा प्रदत्त सुविधा का लाभ उठाकर अपने समस्त बकाया करों का भुगतान करें एवं निगम की अप्रिय कार्यवाही से बचें।

नीम चौराहे के पास 50 मकानों पर चला बुलडोजर, प्रभावित परिवारों ने किया विरोध

प्रशासन की कार्यवाही से मचा हड़कम्प, एक माह पहले दिए थे नोटिस

रीवा। शहर में अतिक्रमण के खिलाफ प्रशासन की बड़ी कार्रवाई लगातार जारी है। शुक्रवार को नगर निगम और जिला प्रशासन की टीम ने शहर के नीम चौराहे के पास स्थित एक बस्ती में बुलडोजर चलाकर अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई शुरू की। इस दौरान करीब 80 वर्षों से रह रहे लगभग 50 परिवारों के मकानों को तोड़ा जा रहा है। प्रशासन की इस कार्रवाई से इलाके में हड़कंप मच गया और प्रभावित परिवारों ने इसका विरोध करते हुए शहर के भीतर ही उन्हें विस्थापित कर बसाने की मांग की। कार्रवाई के दौरान मौके पर नगर निगम और जिला प्रशासन का अमला मौजूद रहा। किसी भी अप्रिय स्थिति से निपटने के लिए भारी पुलिस बल भी तैनात किया गया है। प्रशासन का कहना है कि अतिक्रमण हटाने से पहले यहां रहने वाले परिवारों को लगभग एक माह पहले ही बेदखली के नोटिस जारी किए गए थे, जिसके बाद अब यह कार्रवाई की जा रही है।

वहीं प्रभावित परिवारों का कहना है कि वे कई पीढ़ियों से यहां रह रहे हैं और अचानक मकान तोड़े जाने से वे बेघर हो जाएंगे। उनका आरोप है कि उन्हें पहले आश्वासन दिया गया था कि उन्हें पट्टा दिया जाएगा या फिर वैकल्पिक व्यवस्था करके बसाया जाएगा, लेकिन अब बिना पुनर्वास के ही उनके घर तोड़े जा रहे हैं।स्थानीय लोगों का कहना है कि उनके पूर्वजों ने यहां मकान बनाए थे और कई दशकों से वे यहीं रह रहे हैं। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि नगर निगम द्वारा उनसे बिजली, पानी और अन्य सुविधाओं के लिए शुल्क लिया जाता रहा है, जिससे उन्हें यह भरोसा था कि भविष्य में उन्हें जमीन का पट्टा दिया जाएगा।प्रभावित परिवारों के अनुसार उन्होंने कई जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों से भी मुलाकात की थी, जहां उन्हें आश्वासन दिया गया था कि उन्हें हटाने से पहले रहने के लिए वैकल्पिक व्यवस्था की जाएगी। लेकिन अब अचानक बुलडोजर चलाकर उनके मकान गिराए जा रहे हैं, जिससे छोटे-छोटे बच्चों और महिलाओं के सामने रहने का संकट खड़ा हो गया है। प्रशासनिक अधिकारियों के मुताबिक यह भूमि ग्राम बोदा की आराजी नंबर 866 से 868 के अंतर्गत आने वाली शासकीय जमीन है, जिस पर अवैध कब्जा किया गया था। इस मामले में रामानुज पांडे द्वारा उच्च न्यायालय में याचिका दायर की गई थी। याचिका पर सुनवाई के बाद न्यायालय ने वैधानिक प्रक्रिया का पालन करते हुए शासकीय भूमि को खाली कराने के निर्देश दिए थे।अधिकारियों ने बताया कि इस मामले में करीब तीन वर्षों तक न्यायालय में सुनवाई चली। सभी पक्षों को सुनने के बाद लगभग 50 लोगों के खिलाफ बेदखली के आदेश जारी किए गए। इसके बाद सभी कब्जाधारियों को नोटिस देकर जमीन खाली करने के निर्देश दिए गए थे।प्रशासन का कहना है कि करीब दो से ढाई एकड़ शासकीय भूमि पर अवैध कब्जा किया गया था, जिसे अब खाली कराया जा रहा है। इस जमीन पर भविष्य में नगर निगम द्वारा फायर ब्रिगेड स्टेशन और टावर निर्माण की योजना प्रस्तावित है। फिलहाल अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई जारी है। वहीं प्रभावित परिवार प्रशासन से पुनर्वास की मांग करते हुए विरोध जता रहे हैं। इस पूरे घटनाक्रम को लेकर क्षेत्र में तनाव का माहौल बना हुआ है।

मप्र कांग्रेस प्रभारी ने कार्यकर्ताओं से की मुलाकात

रीवा। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के महासचिव एवं मध्यप्रदेश के प्रभारी हरीश चौधरी व राष्ट्रीय सचिव एवं सह प्रभारी मध्यप्रदेश रणविजय सिंह लोचव मऊगंज प्रवास के पश्चात मैहर जाते समय अल्पकाल के लिए रीवा मे विश्राम किया। श्री चौधरी ने मैहर जाने से पहले कांग्रेस कार्यालय मे पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं से सौजन्य मुलाकात किया। जहां जिला कांग्रेस कमेटी ग्रामीण अध्यक्ष इंजी. राजेन्द्र शर्मा, महापौर अजय मिश्रा बाबा, शहर अध्यक्ष अशोक पटेल झब्बू सहित कांग्रेस के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। इस अवसर पर कांग्रेस कार्यालय मे उपस्थित पदाधिकारियों एवं कांग्रेस जनों को सम्बोधित करते हुए श्री चौधरी ने कहा कि जिस आजादी को प्राप्त करने के लिए हमारे महापुरूषों ने कुर्बानियां देकर देश को आजाद कराया इसकी उन्होने यह कल्पना नही की थी कि हमे ईधन मे प्रयुक्त होने वाले तेल के आयात करने की इजाजत दूसरे देशों से लेनी पड़ेगी। दुर्भाग्य है कि वर्तमान सरकार को तेल का आयात करने के लिए बाहुबली राष्ट्रों के सामने घुटने टेकने एवं उनकी स्वीकृति के पश्चात ही आयात करने को मजबूर होना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि आज केन्द्र व प्रदेश मे सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी की सरकार पूरे देश के वातावरण को बर्बाद करने मे तुली हुई है। धर्म और जाति के आधार पर लोगो मे वैमनस्यता पैदा कर यह सरकारें सत्तारूढ होना चाहती हैं। श्री चौधरी ने कहा कि युवाओं को रोजगार न देकर उन्हें नशे के लिए मजबूर किया जा रहा हैं। आज देश का नौजवान कोरेक्स जैसी नशीली दवाओं का सेवन कर अपना जीवन बर्बाद कर रहा हैं। श्री चौधरी ने कहा कि यह सरकार भाई बहन के रिश्ते को भी कलुसित करने मे कोई संकोच नही करती। भाई बहन को एक दूसरे से गला मिलने पर उसका मजाक उड़ाया जाता हैं। श्री चौधरी ने श्रमिको को 100 दिन रोजगार की गांरटी देने वाले मनरेगा कानून बदलकर दूसरा कानून लाकर श्रमिको को रोजगार से वंचित करने का काम किया जा रहा हैं, इसके लिए भी हम सबको संघर्ष करना होगा। शिक्षा पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए उन्होने कहा कि आज की शिक्षा प्रणाली को इस सरकार ने बर्बाद कर दिया हैं। यह केवल और केवल आर एस एस के निर्देश पर धर्म और जाति में विभेद पैदा कर देश को बांटने का काम कर रही है। उन्होने कांग्रेस जनों को सलाह दी कि हम सभी को आपसी मतभेद को भुलाकर पार्टी की मजबूती के लिए काम करें ताकि जन विरोधी सरकार को हटाया जा सके।

तीन दिवसीय वार्षिक उत्सव प्रतिभा 2026 का हुआ समापन

रीवा। माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय रीवा परिसर में आयोजित तीन दिवसीय वार्षिक सांस्कृतिक एवं सृजनात्मक उत्सव ÷प्रतिभा 2026÷ का समापन हुआ। मंच पर हर चेहरे, हर विचार और हर अभिव्यक्ति में प्रतिभा झलकती दिखाई दी। तीन दिनों तक परिसर रचनात्मकता, बौद्धिकता और सांस्कृतिक चेतना का जीवंत केंद्र बना रहा, जहाँ युवा मनों ने अपनी संवेदनाओं को शब्द, रंग, स्वर और अभिनय के माध्यम से अभिव्यक्त किया। कार्यक्रम का शुभारंभ परिसर निदेशक डॉ. सत्येंद्र डेहरिया एवं एडजंक्ट प्रोफेसर जयराम शुक्ला ने किया। इस अवसर पर डॉ. डेहरिया ने कहा कि प्रतिभा केवल प्रतियोगिताओं में जीतने का माध्यम नहीं है, बल्कि यह स्वयं को पहचानने और समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी को समझने की प्रक्रिया है। शिक्षा तब पूर्ण होती है, जब उसमें संवेदना और संस्कार का समावेश हो। यही 'प्रतिभा' जैसे आयोजनों का वास्तविक उद्देश्य है। समारोह में श्री शुक्ला ने अपने साहित्यिक अंदाज में विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए कहा कि ÷शब्दों की दुनिया में वही आगे बढ़ता है, जिसके भीतर जिज्ञासा जिंदा रहती है। पत्रकारिता केवल खबर लिखना नहीं, बल्कि समय की धड़कनों को सुनना और समाज की आत्मा को शब्द देना है। आप सभी अपने भीतर उस संवेदनशीलता को बचाए रखें, जो आपको भीड़ से अलग पहचान दिलाती है।

उद्घाटन दिवस की सुबह रंगों के सौंदर्य से सजी रंगोली प्रतियोगिता से आरंभ हुई। छात्र-छात्राओं ने भारतीय संस्कृति, प्रकृति और सामाजिक विषयों को रंगों के माध्यम से जीवंत कर दिया। इसके पश्चात फीचर लेखन प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने शब्दों के माध्यम से समाज, संस्कृति और समकालीन जीवन के विविध आयामों को संवेदनशीलता के साथ प्रस्तुत किया। तात्कालिक भाषण प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने अपने विचारों को बिना पूर्व तैयारी के सशक्त ढंग से प्रस्तुत कर यह सिद्ध किया कि युवा मन जानकारी सहित दृष्टि भी रखते हैं। पोस्टर मेकिंग और कार्टून मेकिंग प्रतियोगिताओं में सामाजिक सरोकारों पर तीखी और रचनात्मक अभिव्यक्तियाँ सामने आईं, जहाँ चित्रों ने शब्दों से अधिक प्रभाव छोड़ा, वहीं वेबसाइट डिजाइनिंग प्रतियोगिता ने तकनीक और सृजनात्मकता के अद्भुत संगम को प्रदर्शित किया।

मिर्जापुर नई मंडी में रखा हुआ व्यापारियों का अनाज भी भींगा

कई स्थानों पर बारिश के साथ हुई ओलावृष्टि, फसलें बर्बाद

विदिशा। पिछले दो दिनों से मौसम ने एकदम करवट ली है और वह करवट किसानों के लिए मुसीबत बन गई है। किसानों की मेहनत की फसल लगभग पककर तैयार है और कुछ ही दिनों में कटाई होना भी प्रारंभ हो जाएगी। ऐसे में मौसम का बदलता मिजाज किसानों के लिए मुसीबत भरा साबित हो रहा है। गुरुवार रात्रि और शुक्रवार को दिन में जिले के कई क्षेत्रों में ओलावृष्टि के साथ बारिश हुई और किसानों की मेहनत की फसल को चौपट कर दिया। जिससे किसानों के समक्ष समस्या खड़ी हो गई है। जिन क्षेत्रों में ओलावृष्टि हुई है उन क्षेत्रों के किसानों को अब सरकार से ही उम्मीद है। वहीं गुरूवार की रात्रि में हुई बारिश के कारण मिर्जापुर नई मंडी में रखा हुआ व्यापारियों का अनाज भीग गया है। दो दिनों से मौसम की बदलते मिजाज को देखते हुए किसान के माथे पर चिंता की लकीरें दिखाई देने लगी है। किसानों का कहना है कि वर्तमान समय में फसलें पककर तैयार हो चुकी हैं और कई क्षेत्रों में कटाई शुरू हो चुकी है। ऐसे में बारिश और ओलावृष्टि से किसानों की मेहनत की फसल चौपट हो रही है। गुरुवार को रात्रि में कई क्षेत्रों में बारिश हुई तो वहीं शुक्रवार को दोपहर में जिले की तहसील नटेरन, कुरवाई, लटेरी, मंडी बामोरा क्षेत्र में बारिश के साथ ओलावृष्टि हुई, जिसके कारण से किसानों की खेतों में खड़ी हुई गेहूं की फसल बर्बाद हो गई है। किसानों ने बताया कि शुक्रवार को दोपहर में अचानक आसमान पर बादल छाए और बारिश होना शुरू हो गई। बारिश के साथ तेज ओलावृष्टि हुई, जिससे फसलें बर्बाद हो गई हैं। उन्होंने कहा कि करीब 5 से 10 मिनट तक ओलावृष्टि हुई जिसके कारण से खेतों में बर्फ की चादर बिछ गई और हरे खेत सफेद दिखाई देने लगे। यह नजारा देखकर किसानों की आंखों में आंसू भर आए और किसान अपनी बर्बाद

फसल को देखकर मायूस हो गए, क्योंकि गेहूं की फसल लगभग पककर तैयार हो चुकी है और कुछ ही दिनों में कटाई होना थी। ऐसे में बारिश और ओलावृष्टि ने फसलों को चौपट कर दिया है। किसानों ने कहा कि हम लोग गेहूं की फसल से काफी उम्मीद लगाकर रखते हैं, क्योंकि साल भर का कर्ज चुकाने के लिए इसी फसल पर आश्रित रहना पड़ता है। ऐसे में अगर यही फसल बर्बाद हो जाती है तो हम किसानों के समक्ष सबसे विकराल समस्या खड़ी हो जाती है, क्योंकि पुराना कर्ज भी चुकाना है और आगे की एक साल तक परिवार का भरण पोषण की जिम्मेदारी रहती है। वहीं रात्रि में हुई बारिश से मिर्जापुर स्थित मंडी में व्यापारियों का अनाज खुले में रखा हुआ था जो भीग गया है, जिससे व्यापारियों को काफी नुकसान हुआ है।

नटेरन और मंडी बामौरा में अधिक नुकसान : सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार नटेरन तहसील के ग्रामीण क्षेत्रों और कुरवाई के मंडी बामोरा क्षेत्र में ओलावृष्टि से फसलों को सबसे अधिक नुकसान हुआ है। इन क्षेत्रों के किसानों का कहना है कि गेहूं के फसल की कटाई चल रही है। ऐसे में फसलें पूरी तरह पककर तैयार हो चुकी है और बारिश के साथ शुक्रवार को हुई ओलावृष्टि ने फसलों को काफी नुकसान पहुंचा है। उन्होंने कहा कि शुक्रवार को दोपहर में तेज बारिश के साथ ओलावृष्टि होना प्रारंभ हो गई करीब 5 से 10 मिनट तक ओलावृष्टि हुई। जिससे खेतों में बर्फ की चादर बिछ गई, जिससे फसलों को 70 से 80 फीसदी तक नुकसान हुआ है। उन्होंने कहा कि बारिश होने से कई क्षेत्रों की गेहूं की फसल का रंग फीका पड़ जाएगा जिससे किसानों को उचित दाम नहीं मिल पाएंगे। किसानों ने जिला प्रशासन और सरकार से मांग करते हुए कहा कि जिन क्षेत्रों में बारिश और ओलावृष्टि हुई है और फसलें बर्बाद हो गई हैं ऐसे क्षेत्र का तुरंत सर्वे कराया जाए और किसानों के लिए राहत राशि का वितरण किया जाए, जिससे कि किसान को होने वाले नुकसान से कुछ राहत मिल सके।

संपादकीय

वनों की सुरक्षा व संरक्षण पर दिया जाये विशेष ध्यान

पेड़ पर्यावरणीय सुरक्षा एवं संरक्षण का सशक्त आधार हैं। यही कारण है कि अधिकाधिक पौधारोपण व पेड़ों की कटाई पर रोक के प्रयास राष्ट्रीय एवं वैश्विक स्तर पर भी किये जा रहे हैं। देश में वनों की सुरक्षा की दिशा में निरंतर प्रयास किये जा रे हैं, साथ ही इस दिशा में जन सहयोग और जागरुकता पर भी फोकस किया जा रहा है। पृथ्वी पर जीवन की निरंतरता केवल मनुष्य या अन्य जीवों के अस्तित्व पर निर्भर नहीं करती बल्कि वृक्षों और वनों की उपस्थिति भी उतनी ही अनिवार्य है। प्रकृति के संतुलन को बनाए रखने में जंगलों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण रही है। वन केवल हरियाली का प्रतीक नहीं हैं बल्कि वे असंख्य जीव-जंतुओं के प्राकृतिक आवास, भोजन और सुरक्षा के आधार भी हैं। पृथ्वी पर जीवन के लिए सबसे आवश्यक तत्व ऑक्सीजन है और इसका सबसे बड़ा स्रोत वन ही हैं। पेड़-पौधे वातावरण से कार्बन डाइऑक्साइड को अवशोषित कर उसे ऑक्सीजन में परिवर्तित करते हैं, जिससे पृथ्वी का पर्यावरण संतुलित बना रहता है। वनों का महत्व केवल ऑक्सीजन तक सीमित नहीं है। वे वर्षा चक्र को बनाए रखने, तापमान को नियंत्रित करने, मिट्टी के कटाव को रोकने और जैव विविधता को संरक्षित रखने में भी बड़ी भूमिका निभाते हैं। वृक्षों की जड़ें मिट्टी को मजबूती से थामे रखती हैं, जिससे भारी वर्षा के दौरान भी भूमि का क्षरण कम होता है और बाढ़ जैसी आपदाओं की संभावना घटती है। जंगलों की उपस्थिति पृथ्वी की जैव विविधता को जीवंत बनाए रखने में भी अहम है क्योंकि अनेक वनस्पतियां और जीव-जंतु केवल जंगलों में ही पनप सकते हैं। लेकिन बढ़ती आबादी, औद्योगिकीकरण, शहरीकरण और विकास परियोजनाओं के कारण जंगलों का क्षेत्र लगातार सिकुड़ता जा रहा है। आकलन के अनुसार पिछले लगभग तीन दशकों में विश्व भर में करीब एक अरब एकड़ वन क्षेत्र समाप्त हो चुका है। एक समय पृथ्वी की लगभग आधी भूमि वनों से आच्छादित थी लेकिन आज यह क्षेत्र घटकर लगभग 30 प्रतिशत रह गया है। इन्हीं चिंताओं को ध्यान में रखते हुए पूरी दुनिया में लोगों को वनों के महत्व के प्रति जागरूक करने और उनके संरक्षण के लिए प्रेरित करने के उद्देश्य से हर वर्ष 21 मार्च को अंतर्राष्ट्रीय वन दिवस मनाया जाता है। वन दिवस के आयोजन की सार्थकता के लिये जरूरी है कि पौधारोपण के साथ वनों की सुरक्षा में सभी अपनी सहभागिता निभाएं।

जनभागीदारी व जागरुकता से शुद्ध होगा गंगाजल

ज्ञानेन्द्र रावत

असल में, गंगा तब तक शुद्ध नहीं हो सकती जब तक स्थानीय निकाय ईमानदारी से अपनी भूमिका का निर्वहन न करें और इस अभियान में जनभागीदारी को अहमियत न दी जाए। सबसे महत्वपूर्ण सवाल देश की धर्मपरायण जनता की जागरूकता का है। गंगा नदी आज भी अपनी शुद्धि की बाट जोह रही है। राजीव गांधी के सत्तासीन होने के बाद 1986 में गंगा एक्शन प्लान लागू हुआ था, लेकिन उसके बावजूद गंगा शुद्धि के नाम पर खर्च किए गए हजारों करोड़ रुपये भी उसे प्रदूषण से मुक्त नहीं कर पाए। आज भी गंगा का जल आचमन के लायक नहीं रह गया है। भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (कैग) की उत्तराखंड में नमामि गंगे कार्यक्रम पर केंद्रित 2018-2023 की लेखा परीक्षा रिपोर्ट गंगा की बदहाली को ही दर्शाती है। कैग की रिपोर्ट हाल ही में राज्य विधानसभा के बजट सत्र में पटल पर रखी गई थी। रिपोर्ट के अनुसार, गोमुख से लेकर देवप्रयाग तक गंगा का पानी आचमन योग्य यानी 'ए' श्रेणी का है, जबकि ऋषिकेश और हरिद्वार तक उसका पानी नहाने योग्य यानी 'बी' श्रेणी का है। कैग रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि राज्य सरकार ने गंगातट पर बसे शहरों में सीवेज सुविधाओं में वृद्धि के लिए धन आवंटित नहीं किया। रिपोर्ट में यह भी दर्शाया गया है कि सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी) के डिज़ाइन में खामियां, इंफ्रास्ट्रक्चर का खराब रखरखाव, गंगा में गिरने वाले नालों को रोकने में नाकामी और नदियों तथा धाराओं में कचरा फेंके जाने पर अंकुश लगाने में असफलताएं रही हैं। कैग की रिपोर्ट में, 'नमामि गंगे' योजना की विफलताएं सामने आई हैं। उदाहरण के लिए, वानिकी हस्तक्षेप का मामला, जिसमें 885.91 करोड़ रुपये का बजट रखा गया था, परंतु निर्धारित लक्ष्य के विपरीत कोई सार्थक कार्रवाई नहीं की गई। जिन पेड़ों को लगाने का लक्ष्य था, उनके लिए आवंटित धन का एक भी हिस्सा सीवेज इंफ्रास्ट्रक्चर पर खर्च नहीं किया गया। न तो एसटीपी बने, न ही घरों को सीवर कनेक्शन दिए गए। चमोली, रुद्रप्रयाग, टिहरी और उत्तरकाशी में 11 श्मशान घाटों का निर्माण हुआ, जो न तो प्रयोग में लाए गए हैं और न ही उनका ठीक से रखरखाव किया गया है। राज्य के अधिकारियों ने गंगा के संरक्षण के लिए 2020 तक कोई ठोस योजना नहीं बनाई और गंगा में गंदा पानी और औद्योगिक कचरा गिरने से रोकने में नाकामी रही। गंगा किनारे बसे सात शहरों में बने 21 एसटीपी में से एक भी घर का सीवेज इनसे नहीं जुड़ा। हरिद्वार और ऋषिकेश में ओवरलोडिंग की समस्या तो बढ़ी ही, वहीं जोशीमठ और देवप्रयाग में सीवेज का बहाव भी घट गया। इससे यह साफ है कि एसटीपी अपने उद्देश्य में विफल रहे हैं। गंगा के संरक्षण के लिए जर्मन डेवलपमेंट बैंक जैसी संस्थाओं द्वारा दिया गया फंड भी सिर्फ हरिद्वार और ऋषिकेश तक ही सीमित रहा। ऋषिकेश के ढालवाला, कीर्तिनगर, रुद्रप्रयाग, श्रीकोट, गोपेश्वर और कर्णप्रयाग जैसे स्थानों पर 12 एसटीपी बिना ट्रीट किए गंदा पानी गंगा में बहा रहे हैं। 44 एसटीपी में से 8 एसटीपी चार साल से अधिक समय तक बिना पीसीबी की मंजूरी के संचालित हो रहे हैं। 18 एसटीपी अभी तक उत्तराखंड जल संस्थान को सौंपे ही नहीं गए हैं। ये सभी गंगा की शुद्धि के लिए बनी योजनाओं की नाकामी के प्रतीक हैं। गंगा की यह बदहाली जब उत्तराखंड में है, तो उसके बहाव क्षेत्र जैसे उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड और पश्चिम बंगाल में तो स्थिति का सहज अनुमान लगाया जा सकता है। गंगा के बहाव क्षेत्र के अधिकांश स्थानों पर कोलिफार्म बैक्टीरिया की मात्रा मानक से 45 गुणा से भी अधिक पाई गई है। एनजीटी ने भी माना है कि गंगा के 60 फीसदी हिस्से में बिना ट्रीटमेंट के गंदगी गिराई जा रही है। गंगा में सॉलिड और लिक्विड वेस्ट गिरने के कारण और टोटल कोलिफार्म एवं फीकल कोलिफार्म का स्तर अत्यधिक बढ़ गया है। इसके कारण चर्म रोगों के मामलों में वृद्धि हो रही है। गंगाजल में ऐसे जीवाणु पाए गए हैं जिन पर एंटीबायोटिक दवाओं का भी असर नहीं होता। शोधों में यह भी खुलासा हुआ है कि गंगा बेसिन में माइक्रोप्लास्टिक का अत्यधिक प्रसार हो चुका है, जो पारिस्थितिकी तंत्र, जल स्रोतों और जीव-जंतुओं के लिए भी गंभीर खतरा है। माइक्रोप्लास्टिक बायोडिग्रेडेबल नहीं होता और पर्यावरण में जमा हो जाता है, जो समुद्री तंत्र और प्राणी जगत के लिए भी एक भयंकर समस्या है। यूनिवर्सिटी ऑफ शिकागो के एनर्जी पालिसी इंस्टीट्यूट के शोध में यह पाया गया कि गंगा किनारे के प्रदूषित इलाकों में प्रदूषण बढ़ने से लोगों की उम्र कम हो गई है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, एंटीबायोटिक्स के बेअसर होने के कारण बैक्टीरिया होने से हर साल सात लाख मौतें होती हैं। धार्मिक कारणों से लाखों श्रद्धालु गंगा में स्नान करते हैं और उसका जल आचमन करते हैं। इसके कारण गंगाजल में घुले एंटीबायोटिक प्रतिरोधी बैक्टीरिया उनके शरीर में प्रवेश कर सकते हैं। गंगा शुद्धीकरण के अभियान में केंद्र सरकार के सात मंत्रालयों की साख दांव पर है। असल में, गंगा तब तक शुद्ध नहीं हो सकती जब तक स्थानीय निकाय ईमानदारी से अपनी भूमिका का निर्वहन न करें और इस अभियान में जनभागीदारी को अहमियत न दी जाए। सबसे महत्वपूर्ण सवाल देश की धर्मपरायण जनता की जागरूकता का है।

चुनावों में संयम-समझदारी दिखाएं राजनेता

नजरिया

ताज़ा उदाहरण असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा है। एक समाचार-चैनल के कार्यक्रम में बोलते हुए उन्होंने घोषणा कर दी है कि वर्ष 2031 तक वे असम के सभी कांग्रेसी नेताओं को अपने दल, यानी भाजपा, में समाहित कर लेंगे। यह कहकर वे बताना चाहते थे कि अगले पांच साल में, वे असम राज्य को कांग्रेस-विहीन बना देंगे। दस साल पहले कुछ ऐसा ही नारा भाजपा के तत्कालीन राष्ट्रीय अध्यक्ष ने भी दिया था—वे देश को कांग्रेस मुक्त बनाना चाहते थे। वैसे उन्हें अधिकार है अपनी बात को अपने ढंग से समझाने का, पर सामान्य समझ यह बताती है कि इन नेताओं का लक्ष्य या उद्देश्य देश की राजनीति को एकदलीय बनाना है। हमारे जनतंत्र में ऐसा होना न तो वांछित है, न ही संभव, पर ऐसा इरादा रखनेवालों को कौन रोक सकता है? हमारा भारत बहुत बड़ा देश है। आसेतु-हिमालय यहां अनेक धर्म हैं, अनेक विचारधाराएं हैं।

विश्वनाथ सचदेव

पिछले एक अर्से से हम देख रहे हैं कि हमारे नेता चुनावी मानसिकता से उबर ही नहीं पाते। कुछ कहने-करने का उनका अंदाज़ ही चुनावी हो गया है—चुनावी अर्थात अपने विरोधी को दुश्मन की तरह देखने का अंदाज़। राजनीति का यह स्वरूप भयावह है। देश के पांच राज्यों में चुनावों की घोषणा हो गयी है। अब चुनाव-प्रचार में तेज़ी आयेगी। इस तेज़ी का एक मतलब नेताओं के भाषणों में तेज़ी आना है। वैसे भी, हमारे नेता, चाहे वे किसी भी दल वाले हों, बोलने में किसी से पीछे नहीं हैं, पर अब यह बड़बोलापन और उभर कर सामने आयेगा। हमारे नेता कभी भी, कहीं भी, कुछ भी बोल सकते हैं। ताज़ा उदाहरण असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा है। एक समाचार-चैनल के कार्यक्रम में बोलते हुए उन्होंने घोषणा कर दी है कि वर्ष 2031 तक वे असम के सभी कांग्रेसी नेताओं को अपने दल, यानी भाजपा, में समाहित कर लेंगे। यह कहकर वे बताना चाहते थे कि अगले पांच साल में, वे असम राज्य को कांग्रेस-विहीन बना देंगे। दस साल पहले कुछ ऐसा ही नारा भाजपा के तत्कालीन राष्ट्रीय अध्यक्ष ने भी दिया था—वे देश को कांग्रेस मुक्त बनाना चाहते थे। वैसे उन्हें अधिकार है अपनी बात को अपने ढंग से समझाने का, पर सामान्य समझ यह बताती है कि इन नेताओं का लक्ष्य या उद्देश्य देश की राजनीति को एकदलीय बनाना है। हमारे जनतंत्र में ऐसा होना न तो वांछित है, न ही संभव, पर ऐसा इरादा रखनेवालों को कौन रोक सकता है? हमारा भारत बहुत बड़ा देश है। आसेतु-हिमालय यहां अनेक धर्म हैं, अनेक विचारधाराएं हैं। देश के हर नागरिक को अधिकार है अपनी बात कहने, अपनी बात समझाने का, अपनी विचारधारा के प्रचार-प्रसार का। हर नागरिक को यह भी अधिकार है कि वह दूसरे को गलत सिद्ध करने की कोशिश करे। शर्त बस यह है कि वह यह काम तार्किक ढंग से, विवेकशील तरीके से करे-- यह सब करते हुए दूसरे के इस अधिकार को भी स्वीकारे कि उसे भी अपनी बात कहने का उतना ही अधिकार है। बात सिर्फ अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता की नहीं है, बात एक ऐसी व्यवस्था को भी स्वीकारने की है जिसे हमने अपने लिए चुना है। हमारी जनतांत्रिक व्यवस्था में

अलग-अलग विचारों को रहने-पनपने के अवसर हैं। हर रंग के फूल खिलें, हर फूल की अपनी गंध हो। रंग और गंध की यह विभिन्नता हमारे बगीचे का सौंदर्य है और यह विभिन्नता हमारी ताकत भी है। बनी रहनी चाहिए यह विभिन्नता, ताकि हमारी ताकत भी बनी रहे। देश में एकता का मतलब यह है कि विभिन्न धर्मों, जातियों, वर्गों का होने के बावजूद हमारे भीतर यह अहसास बना रहे कि हम सब इस देश के नागरिक हैं, देश के हित में ही हम सबका हित निहित है। इसका मतलब यह भी है कि विभिन्न विचारधाराओं का मतलब यह नहीं है कि हम एक-दूसरे के दुश्मन हैं। हम एक-दूसरे के विरोधी हो सकते हैं, एक-दूसरे को गलत मान सकते हैं, बता सकते हैं। पर हम यह कदापि नहीं चाहेंगे कि दूसरे की कीमत पर हम अपना हित साधें। हमें एकता और एकरूपता के अंतर को पहचानना होगा। एकरूपता चाहने का मतलब है दूसरे के अस्तित्व को नकारने की कोशिश करना, जबकि एकता हमें साथ मिलकर आगे बढ़ने का अवसर देती है, अर्थ समझाती है। एकता हमें बताती है कि हमारा हित एक-दूसरे के साथ होने, साथ जीने में है, जबकि एकात्मकता का अर्थ है भिन्नता का मिट जाना। किसी अस्तित्व का इस तरह का नकार आध्यात्मिक अर्थों में भले ही आकर्षक लगता हो, पर लौकिक जीवन में यह अद्वैत' समस्याओं को जन्म देने वाला ही हो सकता है। आओ, साथ जियें , और मेरे साथ जीने के लिए तुम मिट जाओ के अंतर को हमें समझना होगा। कोई भी व्यक्ति, चाहे वह किसी भी धर्म को मानने वाला हो, किसी भी विचारधारा का हो, अच्छा भी हो सकता है, बुरा भी हो सकता है। पर वह इसलिए अच्छा या बुरा नहीं है कि वह किसी धर्म या किसी विचारधारा को मानता है। विभिन्न विचारों, धर्मों का होने के बावजूद हम साथ रह सकते हैं, यह साथ रहना ही हमारी एकता है। एक-दूसरे को अपना मानना हमारी ताकत है।

भारत दुनिया का एकमात्र ऐसा देश है, जहां इतने सारे धर्म मिल-जुलकर रह रहे हैं, पनप रहे हैं। यह सही है कि सब धर्मों की अपनी जीवन-शैली और मान्यताएं हैं, और यह भी सही है कि हमारा संविधान हर नागरिक को अपने धर्म के प्रचार-प्रसार का अधिकार देता है। लेकिन इसका यह अर्थ कदापि नहीं है कि अपने धर्म के प्रसार के नाम पर कोई दूसरे धर्म के प्रति नफरत का भाव फैलाये। अपने धर्म की विशेषताओं को बताने-समझाने का मेरा अधिकार मुझे यह अधिकार नहीं देता कि मैं दूसरे के धर्म के प्रति अनुचित शब्दों का इस्तेमाल करूं अथवा गलत भावनाएं फैलाऊं। बहरहाल, यह एक दुखद स्थिति है कि आज देश में राजनीतिक स्वार्थ साधने के लिए धर्म के नाम पर अनुचित माहौल बनाया जा रहा है। असम के मुख्यमंत्री ने जब राज्य के सारे कांग्रेसियों को भाजपाई बनाने वाली बात कही थी तो उन्होंने एक को छोड़कर शब्दों का इस्तेमाल भी किया था। उनका स्पष्ट इशारा किसी अल्पसंख्यक नेता की ओर था। धर्म-विशेष का नाम लेकर सांप्रदायिकता को हवा देने वाले इस तरह के विचार-व्यवहार के लिए जनतांत्रिक भारत में कोई स्थान नहीं होना चाहिए। दुर्भाग्य की बात तो यह भी है कि धर्म के नाम पर यह वैमनस्य-भाव फैलाने की प्रवृत्ति सड़क से लेकर संसद तक फैलती दिख रही है। पिछले कुछ सालों में हमने देखा है कि अपने राजनीतिक लाभ के लिए हमारे कुछ सांसद इस संदर्भ में आपराधिक प्रवृत्ति का परिचय दे रहे हैं। यह प्रवृत्ति घातक है, और खतरनाक भी। यह भी कम बड़ी त्रासदी नहीं है कि हमारे नेता, विधायक से लेकर मंत्री तक, खुलेआम साम्प्रदायिकता फैलाने की बातें कर रहे हैं। अलीगढ़ के एक सांसद, महाराष्ट्र के एक मंत्री और एक केंद्रीय मंत्री के हालिया बयान चौंकाने वाले भी हैं, और डरावने भी। यह प्रवृत्ति रुकनी ही चाहिए। आज, जबकि देश के पांच राज्यों में चुनाव की घोषणा हो चुकी है, और प्रचार-कार्य ज़ोर पकड़ रहा है, इस बात की आवश्यकता कहीं अधिक है कि हमारे राजनेता संयम और समझदारी का परिचय दें। वैसे तो पिछले एक अर्से से हम देख रहे हैं कि हमारे नेता चुनावी मानसिकता से उबर ही नहीं पाते। कुछ कहने-करने का उनका अंदाज़ ही चुनावी हो गया है—चुनावी अर्थात् अपने विरोधी को दुश्मन की तरह देखने का अंदाज़। राजनीति का यह स्वरूप भयावह है। जनतंत्र भले ही बहुमत के शासन का एक स्वरूप हो, पर इसका यह अर्थ कदापि नहीं है कि बहुलतावाद हमारी राजनीति का मुख्य चेहरा बन जाये। फिर, बहुमत के शासन का यह अर्थ भी नहीं है कि अल्पमत के अस्तित्व को ही नकराने का अवसर मान लिया जाये। सच तो यह है भारत जैसे देश में बहुमत का यह कर्त्तव्य भी बनता है कि वह अल्पमत को संरक्षण दे। सवाल बहुमत के हित का नहीं, सबके हित का है। 'सबका साथ, सबका विकास' सिर्फ एक नारा बन कर नहीं रहना चाहिए। यह एक विचार है जिसे ईमानदारी से फैलाने की कोशिश होनी चाहिए। यह दुर्भाग्य ही है कि ऐसा होता नहीं दिख रहा। चुनाव-प्रचार की अवधि एक अवसर है, अपनी राजनीतिक ईमानदारी का परिचय देने का- इसे झूठ बोलने और झूठ फैलाने का अवसर बताने का मतलब जनतांत्रिक मूल्यों में अपने अविश्वास को ही जताना है।

ईरान बना नये पुराने हथियारों की प्रयोगशाला

नीरज कुमार दुबे

यदि अमेरिका और इज़राइल की ओर से प्रयुक्त हथियारों की बात करें, तो इनमें अत्याधुनिक ड्रोन, साइबर हथियार, स्टेल्थ तकनीक से लैस लड़ाकू विमान और प्रिसीजन-गाइडेड मिसाइलें प्रमुख हैं। उदाहरण के लिए एम-9 रीपर जैसे ड्रोन निगरानी और सटीक हमलों के लिए इस्तेमाल किए जाते हैं। ईरान पर हुए हमले के बाद जो भू-राजनीतिक तनाव उभरा है, उसने आधुनिक युद्ध की प्रकृति को समझने का एक नया अवसर भी दिया है। विशेषकर अमेरिका, इज़राइल और ईरान के बीच बढ़ते टकराव ने इस क्षेत्र को उन्नत सैन्य तकनीकों के परीक्षण-स्थल जैसा बना दिया है। इस संघर्ष में कई आधुनिक और विकसित हथियारों का प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष उपयोग देखने को मिल रहा है जो दुनिया के तमाम देशों को अपनी अपनी सैन्य रणनीतियों पर पुनर्विचार करने पर मजबूर कर रहा है।

सबसे पहले यदि अमेरिका और इज़राइल की ओर से प्रयुक्त हथियारों की बात करें, तो इनमें अत्याधुनिक ड्रोन, साइबर हथियार, स्टेल्थ तकनीक से लैस लड़ाकू विमान और प्रिसीजन-गाइडेड मिसाइलें प्रमुख हैं। उदाहरण के लिए रूक्ष-9 रीपर जैसे ड्रोन निगरानी और सटीक हमलों के लिए इस्तेमाल किए जाते हैं। इसी तरह, इज़राइल की आयरन डोम जैसी मिसाइल रक्षा प्रणाली ने दुनिया भर का ध्यान आकर्षित किया है, जो आने वाली रॉकेट और मिसाइलों को हवा में ही नष्ट करने की क्षमता रखती है। इसके अलावा, साइबर युद्ध के क्षेत्र में भी ईरान के परमाणु कार्यक्रम को निशाना बनाने के लिए स्टक्सनेट जैसे वायरस का उपयोग किया गया, जो आधुनिक युद्ध की नई दिशा को दर्शाता है। दूसरी ओर, ईरान ने भी अपने सीमित संसाधनों के बावजूद असममित युद्ध रणनीति अपनाई है। ईरान के पास बैलिस्टिक मिसाइलों का एक बड़ा जखीरा है, जैसे शाहाब और फतेह सीरीज, जो क्षेत्रीय स्तर पर प्रभावी मानी जाती हैं। इसके अलावा, ईरान ने ड्रोन तकनीक में भी उल्लेखनीय प्रगति की है। शाहेद सीरीज के ड्रोन, जिन्हें कामीकाजे ड्रोन भी कहा जाता है, दुश्मन के ठिकानों पर सीधा हमला करने के लिए डिजाइन किए गए हैं। ये सस्ते, लेकिन प्रभावी हथियार हैं, जिनका उपयोग ईरान और उसके सहयोगी समूहों द्वारा व्यापक रूप से किया गया है। ईरान की नौसैनिक रणनीति भी उल्लेखनीय है। फारस की खाड़ी जैसे संकरे समुद्री मार्ग में ईरान छोटी, तेज गति वाली नौकाओं, समुद्री माइंस और एंटी-शिप मिसाइलों का उपयोग करता है। यह रणनीति बड़े और महंगे युद्धपोतों के मुकाबले कम लागत में अधिक प्रभाव पैदा करने पर आधारित है। इसके अलावा, ईरान ने सुरंगों और भूमिगत ठिकानों का एक जाल भी विकसित किया है, जिससे उसके हथियार और मिसाइल सिस्टम सुरक्षित रहते हैं। इस युद्ध में एक और महत्वपूर्ण पहलू यह उभरकर सामने आया है कि ईरान द्वारा इस्तेमाल किए गए कुछ चीनी मूल के हथियार अपेक्षित प्रभाव नहीं दिखा सके। इन प्रणालियों की सीमाएँ जैसे सटीकता, विश्वसनीयता या इलेक्ट्रॉनिक युद्ध के सामने इनके टिकाऊपन ने विश्लेषकों के बीच यह चर्चा तेज कर दी है कि इससे चीन की रक्षा निर्यात छवि पर असर पड़ सकता है। हम आपको बता दें कि चीन लंबे समय से एशिया, अफ्रीका और मध्य पूर्व के देशों को किफायती हथियार उपलब्ध कराकर एक बड़े रक्षा आपूर्तिकर्ता के रूप में उभरा है, लेकिन यदि उसके हथियार वास्तविक संघर्ष परिस्थितियों में कमजोर साबित होते हैं, तो संभावित खरीदार देशों का विश्वास डगमगा सकता है। यही कारण है कि ऐसी रिपोर्टें चीन के लिए रणनीतिक चिंता का विषय बन रही हैं, क्योंकि रक्षा निर्यात न केवल आर्थिक लाभ का स्रोत है बल्कि वैश्विक प्रभाव और कूटनीतिक संबंधों का भी महत्वपूर्ण साधन है। सामरिक दृष्टि से देखें तो इस युद्ध ने हाइब्रिड वारफेयर की अवधारणा को और स्पष्ट किया है। इसमें पारंपरिक सैन्य ताकत के साथ-साथ साइबर हमले, प्रॉक्सी युद्ध, सूचना युद्ध और आर्थिक प्रतिबंध भी शामिल होते हैं। अमेरिका और इज़राइल जहां तकनीकी श्रेष्ठता के बल पर सटीक और सीमित हमले करते हैं, वहीं ईरान अपनी रणनीति में लचीलापन और व्यापकता बनाए रखता है। यह असमान शक्ति संतुलन को संतुलित करने का एक प्रयास है।

रणनीतिक महत्व की दृष्टि से, यह पूरा परिदृश्य कई महत्वपूर्ण संकेत देता है। एक तो आधुनिक युद्ध अब केवल मैदान में लड़े जाने वाले संघर्ष तक सीमित नहीं रहा, बल्कि यह तकनीक, सूचना और मनोवैज्ञानिक प्रभाव तक फैल चुका है। इसके अलावा, छोटे और मध्यम शक्ति वाले देश भी अब उन्नत तकनीकों के माध्यम से बड़ी शक्तियों को चुनौती देने में सक्षम हो रहे हैं। साथ ही, ड्रोन और साइबर हथियार जैसे साधन युद्ध की लागत को कम करते हुए उसकी जटिलता को बढ़ा रहे हैं। इसके अलावा, इस क्षेत्र में हो रहे हथियारों के उपयोग का वैश्विक प्रभाव भी है। विभिन्न देश इन तकनीकों का अध्ययन कर अपनी सैन्य नीतियों को पुनर्गठित कर रहे हैं। उदाहरण के लिए, ड्रोन युद्ध की सफलता ने कई देशों को इस दिशा में निवेश बढ़ाने के लिए प्रेरित किया है। इसी तरह, मिसाइल रक्षा प्रणालियों की उपयोगिता ने भी रक्षा बजट और रणनीतियों को प्रभावित किया है। बहरहाल, यह कहा जा सकता है कि ईरान और उसके आसपास का क्षेत्र आधुनिक युद्ध की बदलती प्रकृति का एक जीवंत उदाहरण बन चुका है। यहां हो रहे संघर्ष केवल क्षेत्रीय शक्ति संतुलन को ही नहीं, बल्कि वैश्विक सैन्य रणनीतियों और तकनीकी विकास की दिशा को भी प्रभावित कर रहे हैं। आने वाले समय में यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि ये प्रयोग किस प्रकार अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा और शांति व्यवस्था को आकार देते हैं।

एक माह तक अल्लाह की इबादत का प्रतिफल है ईद

डॉ. श्रीगोपाल नारसन

रमजान के सकुशल बीतने की खुशी में ही अल्लाह को शुक्रिया अदा करने के लिए ही ईद उल फितर का त्यौहार मनाया जाता है। वही अल्लाह के नेक बन्दो की खिदमत का भी मुबारक मौका है ईद।ईद पर कोई भूखा न रहे ,पडौसी के घर में भी ईद की खुशिया मने और आपसी मोहब्बत व भाईचारे की नईशुरूआत हो यही कौशिश हर किसी की रहती है। तभी तो ईद की सवेरे से ही ईद की खुशिया सब पर हावी हो जाती है। बडे सवेरे से घर में सेवईया बननी शुरू हो जाती है। एक माह तक रोजा रख चुके लोग नये नये कपडे पहनकर ईद की नमाज अदा करने के लिए ईदगाह जाते है। ईदगाह में नमाज के बाद एक दूसरे के गले मिलकर ईद की मुबारकबाद दी जाती है। बच्चे नये नये खिलौने खरीदते है। सेवईया और तरह तरह के पकवान खाये जाते है।ईद पर भी गरीबो को दान देने ,उनकी सहायता करने की खास परम्परा है।ताकि हर किसी के चेहरे पर ईद की खुशिया बरकरार रहे। रमजान सब्र ,प्रेम और भाईचारे के साथ साथ अल्लाह की खिदमत का एक खास महिना है। तभी तो इस्लाम धर्म को मानने वाला हर मुस्लमान रमजान का बेसब्री से इन्तजार करता है। रमजान शुरू होते है तो हर रोजेदार की दिनचर्या बदल जाती है। बडे सवेरे उठना और अल्लह को याद करने के साथ ही पांचो वक्त की नमाज रोजेदार को अल्लह की इबादत का मौका दिलाती है। रमजान की शुरूआत भी चांद से ही होती है और रमजान पूरे होने पर ईद का जब चांद निकलता है तो सबके चेहरे पर खुशी छा जाती है। इस्लामी कलैण्डर के दसवें महिने की पहली तारीख को चांद दिखने व तीस रोजे निर्विधन खुदा की इबादत के साथ पूरे होने की खुशी में ईद उल फितर मनाया जाता है। ईद उल फितर की शुरूआत जगं एबदर के बाद सन 624 ईसवी के पैगम्बर मौहम्मद साहब द्वारा ईद उल फितर मनाने से मनाने से हुई थी। रमजान के इस महिने में हर मुस्लमान जंहा ज्यादा से ज्यादा समय अल्लह की रहमत में गुजारना चाहता है। वही वह स्वयं को सुधारने व खुदा के बन्दो के चेहरो पर रौनक लाने के लिए उनके हर गम में शरीक होता है। जो खुदा के बन्दे पैसो से मोहताज है, भूखे है ,लाचार है उनकी हर हाल में मदद कर उन्हे बराबरी पर लाने की कौशिश की जाती है। इस्लाम में हर शख्स को रोजाना ही शरीर और दिमाग से पाक साफ रहने की हिदायत है। लेकिन रमजान के महिने में हर दिन विशेष तौर पर पाक साफ रहने की बात कही गई है ताकि रोजेदार हर तरह के गुनाहो से दूर रहे। आपसी भाईचारे से रहना सीखे। खुदा की इबादत करे। नेकी करे लेकिन ईद उल फितर की खुशी के मौके पर कैसे हो दिन की शुरूआत यह भी इस्लाम में बताया गया है । इस्लाम धर्म के विद्वान बताते है कि ईद उल फितर के दिन की शुरूआत फजर की नमाज के साथ होती है। रमजान में तीस दिनो तक रोजा रख चुके रोजेदारों एवं उनको भी जो बीमारी या फिर किसी अन्य वजह से रोजा नही रख पाए ,को मिस्वाक दातून करने के बाद गुसल यानि नहाना चाहिए। फिर साफ कपडे पहनकर कपडो पर इतर की खुशबू के साथ कुछ खाकर ईदगाह जाना चाहिए। ध्यान रहे ईद की नमाज से पहले फितरा और जकात की जरूरी रस्म नही भूलनी चाहिए। यही वह रस्म है जो गरीब और मोहताज पडौसी के चेहरे पर सहायता की रौनक लाती है। इस्लाम मानता है कि मनुष्य में वासनाएं,इच्छाएं,और भावनाएं प्राकृतिक रूप से समाहित है इसी कारण उसके स्वभाव में तेजी,उत्तेजना और जोश होता है। जिसे समाप्त या फिर कम करने के लिए ही रमजान में रोजो की व्यवस्था की गई है। ताकि मनुष्य अल्लह को याद करने के साथ साथ अपने अन्दर की बुराईयों को दूर करते हुए आत्म चिंतन करना सीखे और एक अच्छे भले इंसान के रूप में अपने जीवन का यापन करे। वैसे तो इस्लाम में हर रोज पांच वक्त की नमाज पढने की हिदायत दी गई है। लेकिन रमजान के दिनो में हर रोजेदार अल्लह के करीब होता है इसलिए पांचो वक्त की नमाज पढ़ना वह अपना फर्ज समझता है। रोजा रखने से जहां पेट बिलकुल ठीक रहता है और शरीर का शुद्धिकरण हो जाता है।

एसपी मनोहर सिंह मंडलोई के निर्देशन में धार्मिक स्थलों पर चोरी करने वाले गिरोह का पर्दाफाश

चोरी गए मंदिर के घंटे, मुकुट एवं वाहन सहित 1.72 लाख का मशरूका बरामद

टीकमगढ़। जिले में चोरी की घटनाओं, विशेषकर धार्मिक स्थलों पर हुई वारदातों को गंभीरता से लेते हुए पुलिस अधीक्षक टीकमगढ़ मनोहर सिंह मंडलोई द्वारा सभी थाना प्रभारियों को सख्त निर्देश दिए गए हैं कि ऐसी घटनाओं पर त्वरित एवं प्रभावी कार्रवाई करते हुए आरोपियों की शीघ्र गिरफ्तारी सुनिश्चित की जाए तथा चोरी गए मशरूका की बरामदगी की जाए। इसी क्रम में विगत दिनांक 14 नवंबर को फरियादी राजेश कुमार पिता धनीराम पाठक, उम्र 63 वर्ष निवासी बहरोलीकला द्वारा अपने खेत पर स्थित हनुमान मंदिर से 14 पीतल के घण्टे एवं हनुमान जी का चांदी का मुकुट अज्ञात चोर द्वारा चोरी किए जाने की रिपोर्ट दर्ज कराई गई थी। उक्त रिपोर्ट पर थाना बहरोलीकला में अपराध क्रमांक 255/25 धारा 331(3), 305(डी) बीएनएस के तहत प्रकरण पंजीबद्ध किया गया। इसी प्रकार थाना जतारा में मंदिर से 5 पीतल के घण्टे चोरी होने के मामले में अपराध क्रमांक 13/26 धारा 305(ए) बीएनएस के तहत प्रकरण दर्ज कर विवेचना प्रारंभ की गई।

मामले की गंभीरता को दृष्टिगत रखते हुए पुलिस अधीक्षक मनोहर सिंह मंडलोई के निर्देशन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक विक्रम कुशवाह एवं एसडीओपी जतारा अभिषेक गौतम के मार्गदर्शन में थाना बहरोलीकला प्रभारी के नेतृत्व में विशेष पुलिस टीम का गठन किया गया तथा आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए गए। पुलिस टीम द्वारा मुखबिर तंत्र एवं तकनीकी विश्लेषण के आधार पर आरोपियों की तलाश की गई। संदेह के आधार पर दबिश देकर आरोपी इसराज उर्फ अप्पा, अरवाज उर्फ जिन्नात तथा करण उर्फ कमलेश निवासीगण मऊरानीपुर जिला झांसी (उ.प्र.) को हिरासत में लिया गया। गहन पूछताछ के दौरान आरोपियों ने उक्त चोरी की घटना स्वीकार की, जिसके आधार पर उनके कब्जे से– 14 पीतल के घण्टे (कीमत लगभग 45,000) चांदी का मुकुट (कीमत लगभग 15,000) घटना में प्रयुक्त मोटरसाइकिल (कीमत लगभग 60,000) स्कूटी (कीमत लगभग 50,000) लोहे का कटर (कीमत लगभग 2,000) गैस गन एवं अन्य सामग्री (कीमत लगभग 500) कुल लगभग 1,72,500/- मूल्य का माल मशरूका विधिवत बरामद किया गया। आरोपियों को गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया, जहां से उन्हें जेल भेजा गया।

पुलिस अधीक्षक द्वारा टीम को पुरस्कृत करने की घोषणा: पुलिस अधीक्षक मनोहर सिंह मंडलोई ने इस सराहनीय एवं त्वरित कार्रवाई के लिए पुलिस टीम को नगद इनाम से पुरस्कृत करने की घोषणा की है। उक्त कार्रवाई में उनि नीतू खटीक (थाना प्रभारी बहरोलीकला), उनि आकाश सिसिया, उनि एन.एस. ठाकुर, सउनि हरिशंकर सिंह, प्रआर. 48 मनोज मिश्रा, प्रआर. 201 अब्बास अली, प्रआर. 338 राजीव मिश्रा, प्रआर. 141 अमर चन्द्र, आर. 604 जयकांत, आर. 43 मनोज, आर. 416 कृष्ण कुमार, आर. 390 हरगोविन्द, आर. 549 संगम, आर. 146 रामनारायण, मआर. 474 अंजली एवं मआर. 496 आरती की विशेष भूमिका रही। टीकमगढ़ पुलिस – सतर्कता, संवेदनशीलता और प्रभावी कार्रवाई के साथ जनसुरक्षा के लिए प्रतिबद्ध है।

सिस्टम से ज्यादा जरूरी है इंसानियत, नवरात्रि के अवकाश पर निपटाए गए 178 पेंशन प्रकरण

टीकमगढ़। आमतौर पर सरकारी दफ्तरों में अवकाश के दिन कामकाज ठप्प रहता है, लेकिन नगर पालिका टीकमगढ़ में इंसानियत और जिम्मेदारी को प्राथमिकता देते हुए एक मिसाल पेश की गई। नगर पालिका के मुख्य नगर पालिका अधिकारी (सीएमओ) ओमपाल सिंह भदौरिया के निर्देश पर नवरात्रि के अवकाश के दिन भी कर्मचारियों ने कार्य करते हुए 178 लंबित पेंशन प्रकरणों का निपटारा किया। यह पहल उन जरूरतमंद हितग्राहियों के लिए राहतभरी साबित हुई, जो लंबे समय से अपनी पेंशन स्वीकृति का इंतजार कर रहे थे। अवकाश के दिन भी कर्मचारियों की सक्रियता और समर्पण ने यह स्पष्ट कर दिया कि जब बात आमजन की सुविधा और अधिकारों की हो, तो सिस्टम से ज्यादा जरूरी इंसानियत होती है। सीएमओ ओमपाल सिंह भदौरिया ने बताया कि पेंशन जैसे संवेदनशील मामलों में देरी से लोगों को आर्थिक परेशानी का सामना करना पड़ता है, इसलिए प्राथमिकता के आधार पर इन प्रकरणों का निराकरण किया गया। उन्होंने कर्मचारियों के सहयोग और कार्य के प्रति उनकी प्रतिबद्धता की सराहना भी की। नगर पालिका के इस सराहनीय कदम की स्थानीय स्तर पर खूब प्रशंसा हो रही है और यह अन्य संस्थानों के लिए भी एक प्रेरणा बनकर सामने आया है।

हनुमान जन्मोत्सव से पण्डोखर धाम महोत्सव तक होगा भव्य आयोजन

दतिया। प्रति वर्ष अनुसार इस वर्ष भी जिले के प्रसिद्ध तीर्थ पण्डोखर सरकार धाम में 30वें वार्षिक मेले पण्डोखर धाम महोत्सव का भव्य शुभारंभ श्रीहनुमान जन्मोत्सव पर होगा। त्रिकालदर्शी गृहस्थ संत पण्डोखर धाम पीठाधीश्वर गुरुशरण महाराज के दिव्य सानिध्य में 2 अप्रैल से प्रारंभ होने वाले 30वें पण्डोखर धाम महोत्सव का समापन 22 अप्रैल को आद्य शंकराचार्य जयंती पर होगा। पण्डोखर धाम ट्रस्ट के संस्थापक व सचिव मुकेश कुमार गुप्ता (सागर) ने बताया कि सनातन संस्कृति उत्सव के रूप में मनाए जाने वाले 30वें पण्डोखर धाम महोत्सव की तैयारियां जोर शोर से प्रारंभ हो चुकी हैं। 2 अप्रैल गुरुवार को हनुमान प्राकट्योत्सव के अवसर पर पण्डोखर सरकार की विशेष आरती होगी, दोपहर में पवित्र नदी पुष्पावती तट से कलश यात्रा प्रारंभ होगी जो ग्राम के प्रमुख मार्गों से भ्रमण करते हुए आश्रम परिसर स्थित यज्ञ प्रक्षेत्र में पहुंचेगी। कलश यात्रा में बुंदेलखंड की शस्त्र कला का प्रदर्शन करते लेजम अखाड़े, भक्ति नृत्य करते डमरू दल, रथ पर सवार आकर्षक झांकियों के साथ मंगल कलश धारण कर हजारों श्रद्धालु भाग लेंगे। श्री गुप्ता ने बताया कि गुरुशरण महाराज के मुख्य यजमानत्व में नवकुंडीय श्रीराम महायज्ञ का विधिवत शुभारंभ होगा और 12 अप्रैल रविवार को महायज्ञ की पूर्णाहुति के साथ विशाल भंडारे का आयोजन संपन्न होगा। यज्ञाचार्य पं. उमाशंकर शास्त्री के निर्देशन में 11 वैदिक ब्राह्मण विद्वान आचार्यों के द्वारा विधि-विधान पूर्वक श्रीराम सम्पन्न कराया जाएगा। इस दौरान अनेक धार्मिक अनुष्ठान और सांस्कृतिक कार्यक्रम भी होंगे। 2 अप्रैल से 9 अप्रैल तक श्रीमद् भागवत कथा का आयोजन कथा व्यास पं. विनोद शास्त्री वृंदावन धाम के द्वारा किया जाएगा। बृजरज अभिषेक वशिष्ठ उत्तराखंड के द्वारा 10 अप्रैल से 14 अप्रैल तक हनुमत कथा प्रसंग का लाभ श्रद्धालुओं को प्राप्त होगा। इसी तरह डॉ. हनुमान दंदरौआ सरकार धाम के सुप्रसिद्ध कथावाचक पं. पवन शास्त्री के द्वारा श्रीराम कथा का वाचन होगा। 2 से 22 अप्रैल तक चलने वाले पण्डोखर धाम महोत्सव में प्रतिदिन रामलीला का मंचन भी होगा। प्रतिदिन भजन संध्या, बुंदेली लोकगीत गायन, कॉमेडी, राई गायन नृत्य, मोनिया लोकनृत्य, भोजपुरी नाइट, अंतरराष्ट्रीय कवि सम्मेलन, श्रीराधाकृष्ण की रासलीला, मलखंभ प्रदर्शन एवं नाट्य मंचन आदि कार्यक्रम जानी मानी हस्तियों द्वारा संपन्न होंगे।

डीडीसीए द्वारा आयोजित अंडर -13 क्रिकेट प्रतियोगिता का हुआ शुभारंभ

डीडीसीए खिलाड़ियों को मौका और प्रोत्साहन देकर उन्हें बढ़ाएगा आगे : घनश्याम सिंह

दतिया। डीडीसीए द्वारा निरन्तर अंडर 18 क्रिकेट प्रतियोगिता आयोजित की गई हैं इस वार अंडर 13 प्रतियोगिता आयोजित कर रहे है और आगामी दिनों में गर्ल्स क्रिकेट प्रतियोगिता भी आयोजित करेंगे। हमारा पूरा प्रयास है कि खिलाड़ियों को अधिक से अधिक मौका मिले, अधिक से अधिक प्रोत्साहन मिले, खेल सुविधाएं मिले, खिलाड़ी अच्छा खेले और देश के जिम्मेदार नागरिक बनकर जीवन में सुख समृद्धि को प्राप्त करें। उक्त विचार डीडीसीए अध्यक्ष पूर्व विधायक घनश्याम सिंह ने दतिया स्टेडियम ग्राउंड पर डीडीसीए द्वारा आयोजित अंडर 13 क्रिकेट प्रतियोगिता के उदघाटन अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में व्यक्त किए।

डीडीसीए अध्यक्ष व पूर्व विधायक ने किया प्रतियोगिता का शुभारंभ – प्रतियोगिता शुभारंभ के पहले दिन के मैच दतिया एवं ग्वालियर (ए) ने जीते। डीडीसीए अध्यक्ष श्री सिंह ने दतिया एवं गुना की टीम के खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर टॉस कराते हुए कराया। इस अवसर पर डीडीसीए के सदस्य फतेह सिंह, बालकृष्ण यादव, मोहन सिंह यादव, जसवीर सिंह, पंकज भट्ट, अनिल लिटौरिया, आशीष पविया, विशाल श्रीवास्तव, धर्मेंद्र घनघोरिया, संतोष सेन, महेश चाँदवानी, श्रीराम सेन, सत्यनारायण शास्त्री, प्रशांत खरे, केपी यादव, अजय प्रताप सिंह, सुनील रायकवार, अनवर अली एवं खेल प्रेमी दर्शक उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन एसोसिएशन के सचिव संतोष लिटौरिया ने किया।

पहले दिन खले गए दो मैच – टॉस जीतकर गुना ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 33.4 ओवर में सभी विकेट खोकर 115 रन बनाए। गुना के बल्लेबाज दर्श चौहान 29 रन, रितिक लोधा 13 रन एवं अवनीश के 13 रन का योगदान रहा। दतिया की ओर से गेंदबाजी करते हुए दक्षेस सक्सेना 2 विकेट, राम, कार्तिक, समीर, शास्वत, कृष्णा, शिवास ने एक-एक विकेट प्राप्त किये। लक्ष्य का पीछा करने उतरी दतिया की टीम ने 18.1 ओवर में 6 विकेट के नुकसान पर लक्ष्य प्राप्त कर लिया और 4 विकेट से विजय प्राप्त की। दतिया के बल्लेबाज कृष्णा बघेल 29 रन, कार्तिक साध्या 28 एवं पर्व गुप्ता 16 रन ने दतिया की जीत में योगदान दिया। गुना के गेंदबाज अवनीश ने 2 विकेट प्राप्त किए। वहीं दूसरी ओर भद्रावती खेल परिसर भाण्डेर के मैदान पर खेले गए दूसरे मैच में ग्वालियर (ए) टीम ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए दोनों ओपनिंग बल्लेबाजों रुद्राक्ष शर्मा व दीपांकर गौतम के शानदार शतकों क्रमशः 107 तथा 104 रनों की बदौलत निर्धारित 30 ओवर में बगैर विकेट गंवाए 224 रनों का विशाल स्कोर खड़ा कर दिया। लक्ष्य का पीछा करने उतरी अशोकनगर की पूरी टीम मात्र 51 रन पर ढेर हो गई। इस तरह ग्वालियर (ए) ने अशोकनगर की टीम को 183 रनों के विशाल अन्तर से पराजित किया।

भाकिसं की बैठक पमारिया में विश्वकर्मा जैविक फार्म हाउस पर हुई संपन्न

नटेरन। विदिशा जिले में भारतीय किसान संघ नटेरन तहसील इकाई की बैठक शुक्रवार 20 मार्च को पमारिया में बालकृष्ण विश्वकर्मा के जैविक फार्म हाउस पमारिया में सम्पन्न हुई। बैठक में भारत माता गौ माता और मिट्टी की पूजन दीप प्रज्ज्वलित कर भारतीय किसान संघ का स्थापना दिवस मनाया गया। किसानों ने संकल्प लिया है कि हम अपने परिवार के लिए जैविक अन्न और सब्जी उगाएंगे अपने परिवार को बीमारियों से बचाएंगे। संभाग उपाध्यक्ष भगवान सिंह रघुवंशी ने किसानों को संबोधित किया। विदिशा जिला अध्यक्ष प्रशांत जैन ने भारतीय किसान संघ की रीति नीति और स्थापना दिवस के विषय में किसानों को बताया। कोषाध्यक्ष राज्य श्रीवास्तव ने भारतीय किसान संघ की अभी तक की उपलब्धियों के विषय में बात रखी। बैठक में कुछ किसानों ने अपनी समस्याएं भी बताई, जिसमें किसानों पर नरवाई जलाने पर प्रशासन द्वारा अर्थदंड के नोटिस दिए जा रहे हैं। जिस पर निर्णय लिया गया है कि यदि किसानों पर कार्रवाई होती है तो भारतीय किसान संघ योजना बनाकर शासन प्रशासन का घेराव करेगा।

बैठक में संभाग उपाध्यक्ष भगवान सिंह रघुवंशी जिला अध्यक्ष प्रशांत जैन जिला कोषाध्यक्ष राजेश श्रीवास्तव तहसील प्रभारी प्राण सिंह जिला प्रचार प्रसार प्रमुख दीपक शर्मा रघुवंशी जिला सदस्य वीर सिंह रघुवंशी कमल सिंह यादव तहसील अध्यक्ष बालमुकुंद तिवारी उपाध्यक्ष ब्रजमोहन मीणा मंत्री दौलत सिंह लोधी सह मंत्री रामगोपाल मीणा प्रचार प्रसार प्रमुख कोक सिंह रघुवंशी यशपाल रघुवंशी जगदीश शर्मा यशपाल रघुवंशी सुरेश शर्मा रामकृष्ण रघुवंशी परशुराम मीणा बलराम मीणा रामकृष्ण मीना जसवंत सिंह मीणा तूफान सिंह बृजेश मीणा अभय तिवारी विश्वनाथ मिश्र ज्ञान सिंह धाकड़ महेंद्र रघुवंशी शिवम लोधी तरुण लोधी रामस्वरूप परिहार भवानी सिंह लोधी रामसेवक तिवारी सहित तहसील ग्राम इकाइयों से बड़ी संख्या में किसान शामिल हुए।

लोक आस्था पर भारी पड़ रही है पुरातत्व विभाग की लापरवाही

- बदहाल स्थिति में पड़ी हुई हैं जैन आस्था की प्रतिमाएं, प्राचीन हिंदू मंदिर भी हैं उपेक्षा के शिकार
- धार्मिक- सांस्कृतिक सरोकारों के संरक्षण के लिये तत्परता से पहल करें जिम्मेदार

समय जगत, भोपाल। प्रदेश के रायसेन जिले में स्थित भोजपुर मंदिर के समीप स्थित आशापुरी गांव में जैन समाज की आस्था से जुड़ी खंडित प्रतिमाएं एक परिसर में पड़ी होने का मामला सामने आया है। उक्त परिसर पुरातत्व विभाग द्वारा संरक्षित बताया गया है इसके बावजूद जैन समाज की आस्था की प्रतीक यह प्रतिमाएं बदहाल अवस्था में पड़ी होने से कई सवाल खड़े हो रहे हैं तथा पुरातत्व विभाग इस मामले में निष्क्रिय है, यह और भी अधिक गंभीर सवाल है। इसी तरह इसी गांव में एक बड़े तालाब के किनारे हिंदू समाज के अनेक मंदिर भी इसी तरह खंडहरनुमा हो चुके हैं। जिनकी जिम्मेदारी भी पुरातत्व विभाग की है। उल्लेखनीय है एक तरफ शासन द्वारा सांस्कृतिक धरोहरों के संरक्षण तथा संवर्धन की प्रतिबद्धता जताई जाती है तथा लोगों के धार्मिक एवं सांस्कृतिक

सरोकारों को मूर्त रूप देने की गतिविधियां भी आयोजित होती रहती हैं। रायसेन जिले के भोजपुर मंदिर से कुछ ही दूर स्थित आशापुरी गांव में जैन समाज की आस्था की प्रतीक यह प्रतिमाएं और जीर्णशीर्ण अवस्था में हिंदू मंदिरों के संरक्षण के लिये कारगर कदम उठाये जाने की जनापेक्षाएं हैं। बताया गया है कि जैन समाज की आस्था की प्रतीक इन प्रतिमाओं का संरक्षण शेड बनाकर किया जा सकता है। लाख- दो लाख रुपये के खर्च से ही शेड निर्माण हो जायेगा, जिसमें प्रतिमाओं को व्यवस्थित किया जा सकता है। इसी तरह हिंदू मंदिरों के संरक्षण के लिये भी शासन- प्रशासन द्वारा त्वरित कदम उठाए जाने की अपेक्षा है। क्यों कि पुरातत्व विभाग की लापरवाही के चलते सांस्कृतिक सरोकारों की इस तरह हो रही उपेक्षा से कई सवाल खड़े हो रहे हैं।

आबिद लोदी बने पुनः शहर कांग्रेस अध्यक्ष

सारंगपुर। कांग्रेस पार्टी संगठन ने शहर सारंगपुर में शहर अध्यक्ष पद पर पूर्व में आसीन रहे आबिद लोदी एडवोकेट पर भरोसा जताते हुए पुनः शहर अध्यक्ष पद की कमान सौंपी है। पार्टी संगठन के इस निर्णय से शहर में, नेतागणों में एवं कार्यकर्ताओं में खुशी छा गई है। आबिद लोदी ने शहर अध्यक्ष पद पर पुनः नियुक्त होने पर कांग्रेस पार्टी के सभी वरिष्ठ नेताओं एवं संगठन का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि, कांग्रेस पार्टी ने मुझ पर भरोसा कर पुनः अध्यक्ष पद पर नियुक्त किया है तो मैं, पार्टी संगठन के भरोसे पर खरा उतरने का भरसक प्रयास करूंगा। कांग्रेस पार्टी के हित में कार्य करते हुए, पार्टी की रीति नीति को जन-जन तक पहुंचाने का कार्य करूंगा। पार्टी को मजबूत बनाने का कार्य करते हुए, एकजुटता बनाते हुए, आने वाले सभी चुनाव में कांग्रेस पार्टी को विजयश्री दिलवाना मेरी प्राथमिकता रहेगी। आबिद लोदी की कार्यशैली, सभी को साथ लेकर चलने की क्षमता, वरिष्ठ नेता एवं छोटे से छोटे कार्यकर्ताओं को सम्मान देकर उनसे पार्टी संगठन के लिए कार्य करवाने की अद्भुत कला है। आबिद लोदी की वरिष्ठ नेताओं एवं कार्यकर्ताओं में समान रूप से लोकप्रिय छवि है।

डॉ. नरोत्तम मिश्रा ने नवीन विद्युतीकरण कार्यों का किया अवलोकन

दतिया। पूर्व गृहमंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्रा शुक्रवार को सुबह दतिया पहुंचे जहां उन्होंने मांई कृपा निवास पर उपस्थित भाजपा कार्यकर्ताओं से मुलाकात की इसके पश्चात उन्होनें पीतांबरा पीठ मंदिर पहुंचकर मांग के दर्शन कर भगवान वनखंडेश्वर महादेव का जल अभिषेक कर पूजा अर्चना की इसके पश्चात डॉ. नरोत्तम मिश्रा दतिया नगर के वार्ड क्र. 34 हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी के पीछे 56 लाख 44 हजार रुपये की लागत से और आईटीआई कॉलेज के पास 19 लाख 65 हजार रुपये की लागत से और सीताराम कॉलोनी हीरो एजेंसी झांसी ग्वालियर रोड वार्ड 34 में 40 लाख 61 हाजार रुपये के नवीन विद्युतीकरण कार्यों का अवलोकन किया और संबंधित विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया कि समय पर काम पूरा हो जाए जिससे इन स्थानों पर रहने वाले नागरिकों को बिजली उपलब्ध हो। इसके पश्चात पूर्व मंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्रा दतिया नगर में सिंधी समाज के कार्यक्रम में शामिल हुए। इस अवसर पर जिला महामंत्री अतुल भूरे चौधरी, जिला पंचायत अध्यक्ष धीरू दांगी, जनपद अध्यक्ष प्रतिनिधि बृजेश यादव, योगेश सवसैना, गिन्नी राजा, पंकज गुप्ता, गोविंद ज्ञानानी, प्रवीण पाठक, पुष्पेंद्र रावत, पुनीत टिलवानी आदि कार्यकर्ता मौजूद रहे।

नाम परिवर्तन सूचना

मेरा पूर्व में नाम SHABBIR NAIB S/O MANSOOR NAIB था, जो कि मेरे पूर्व पासपोर्ट पर दर्ज है। अब मेरा नाम बदलकर पूरा एवं सही नाम SHABBIR HUSAIN NAIB S/O MANSOOR HUSAIN NAIB निवासी- 26, ओल्ड सैफिया कॉलेज रोड, हकीमी काम्प्लेक्स, भोपाल (मध्य प्रदेश) हो गया है अब मुझे इसी नाम से जाना व पहचाना जाए।

नाम परिवर्तन सूचना

मैं, सोनिका सिंह, पति श्री रजत पल्लव सिंह, निवासी–बी–23, कस्तूरबा नगर, भोपाल –462024, तहसील हुजूर, जिला भोपाल (मध्यप्रदेश), यह सार्वजनिक सूचना देती हूँ कि विवाह पूर्व मेरा नाम सोनिका ताम्रकार, पिता श्री राजेन्द्र ताम्रकार था।

मेरा विवाह श्री रजत पल्लव सिंह पिता डॉ. गुर ध्यान सिंह के साथ संपन्न होने के पश्चात मैंने अपना नाम **सोनिका सिंह** रख लिया है। अतः भविष्य में मेरे सभी शासकीय एवं अशासकीय अभिलेखों में मेरा नाम **सोनिका सिंह,** पति श्री रजत पल्लव सिंह ही पढ़ा एवं लिखा जाए।

विवाह पूर्व नाम–
सोनिका ताम्रकार
वर्तमान नाम–**सोनिका सिंह**

न्यायालय तहसीलदार वृत्त-3 तहसील-हुजूर जिला भोपाल

प्रकरण क्रमांक- 1439/अ-12/2025-2026
मौजा-मुंगालिया छाप

::: उद्घोषणा पत्र :::

एतद द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक क्लासिक इन्फ्रास्ट्रक्चर्स द्वारा अधिकृत श्री अभिषेक मोहन गुप्ता आ. श्री हरि मोहन गुप्ता, निवासी–मेण्डोरी म.प्र. ने द्वारा म.प्र.भू. राजस्व संहिता 1959 की धारा 129 के तहत् आवेदन पत्र प्रस्तुत कर सीमांकन पत्र के आधार पर भूमि खसरा क्रमांक 963/3/2, रकबा 0.0845 हेक्टेयर स्थित ग्राम मुंगालियाछाप प.ह.न. 68 तहसील हुजूर जिला भोपाल का सीमांकन दिनांक 16.02.2026 किया गया है। सीमांकन की पुष्टि हेतु न्यायालय में प्राप्त उक्त संबंध में किसी व्यक्ति / संस्था को कोई आपत्ति हो तो वह अपनी आपत्ति स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से प्रकरण में नियत पेशी दिनांक 26.03.2026 को या इससे पूर्व इस न्यायालय में उपस्थित होकर पेश कर सकता है। समयावधि पश्चात् उक्त उद्घोषणा पत्र मेरे द्वारा न्यायालय की पदमुद्रा एवं मेरे हस्ताक्षर से आज दिनांक 18.03.2026 को जारी किया गया।

तहसीलदार
तहसील हुजूर भोपाल

आम सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मे.ए.बी.डी.एल. होम्स, भोपाल द्वारा आवासीय कालोनी असनानी सेंटा–फे, कटारा, भोपाल (म.प्र.) अंतर्गत खसरा क्रमांक–206/1, 207, 218/2 एवं 219/1 पर नगर तथा ग्राम निवेश विभाग भोपाल द्वारा स्वीकृत अभिन्यास पत्र क्रमांक–BPLLP–3903/एल.पी.–87/29(1)/नग्रानि/जिका/2017, भोपाल दिनांक–25.06.2018 अनुसार कमजोर आय वर्ग (EWS) हेतु आवासीय प्रकोष्ठों का निर्माण किया जा रहा है, प्रकोष्ठों के विक्रय हेतु आवेदन आमंत्रित किये जा रहे हैं। प्रकोष्ठों का आवंटन आवेदकों द्वारा आवेदन प्रस्तुत करने की दिनांक अनुसार पहले आयें, पहले पायें के आधार पर किया जायेगा, आवेदकों को म.प्र. शासन के राजपत्र (असाधारण) दिनांक–26/11/2016 के अनुसार निर्धारित शर्तों का पालन करना होगा।

कमजोर आय वर्ग के इक्छुक हितग्राही आवेदन पत्र के साथ, मूल निवास प्रमाण–पत्र, आय प्रमाण पत्र, शपथ पत्र, पहचान पत्र तथा फोटोग्राफ संलग्न कर कंपनी के कार्यालय में सात दिवस के अंदर सांय 4:00 से 6:00 बजे तक संपर्क कर अपना आवेदन प्रस्तुत कर सकते हैं।

पार्टनर,
मे. ए.बी.डी.एल.होम्स
असनानी सेंटा–फे,
कटारा, भोपाल (म.प्र.)

झूलेलाल जयंती पर सिंधी समाज ने निकाली शोभायात्रा गूंजे आयो लाल झूलेलाल के जयकारे

समय जगत, दतिया। शुक्रवार को झूलेलाल जयंती के पावन अवसर पर सिंधी समाज द्वारा भव्य शोभायात्रा निकाली गई। यह शोभा यात्रा सिंधी धर्मशाला से प्रारंभ हुई जिसमें बड़ी संख्या में समाज के लोग शामिल हुए। यात्रा प्रारंभ होने से पूर्व समाज के लोगों ने भगवान झूलेलाल की तस्वीर का विधिवत पूजन-अर्चन किया। इसके बाद श्रद्धा और भक्ति के साथ शोभायात्रा रवाना हुई। शोभायात्रा धर्मशाला से शुरू होकर किला चौक, दारूगर की पुलिया, तिगैलिया, राजगढ़ चौराहा होते हुए टाउन हॉल पहुंची और अंत में पुनः धर्मशाला पर पहुंच कर संपन्न हुई। पूरे मार्ग में श्रद्धालुओं द्वारा पुष्पवर्षा की गई और आयो लाल झूलेलाल के जयकारों से वातावरण भक्तिमय हो गया। यात्रा में शामिल लोगों ने भक्ति गीतों और नारों के साथ उत्साहपूर्वक भाग लिया।

नगर पालिका अध्यक्ष एवं मुख्य नगर पालिका अधिकारी से मिला कांग्रेस का प्रतिनिधि मंडल

जनहित और नगर विकास के मुद्दों पर चर्चा कर सात सूत्रीय मांगों का सौंपा ज्ञापन

समय जगत, बड़वाह। ब्लॉक कांग्रेस, वर्तमान एवं पूर्व पार्षदों और संगठन पदाधिकारियों के प्रतिनिधि मंडल ने शक्रवार को नगर पालिका अध्यक्ष राकेश गुप्ता एवं मुख्य नगर पालिका अधिकारी कुलदीप निशुक से मुलाकात कर उन्हें नगर विकास की सात सूत्रीय सुझाव एवं मांगों का एक ज्ञापन सौंपा। प्रतिनिधि मंडल ने जय स्तंभ की जाहिर सूचना, शिवाजी प्रतिमा स्थापना के अतिरिक्त शहीद स्तंभ के संरक्षण, इंदिरा जी के नाम पर किसी एक नवनिर्मित परिसर के नामकरण, महेश्वर रोड चौड़ीकरण और नगर पालिका की सीमा वृद्धि के विषयों पर चर्चा की। ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष प्रवीण शर्मा के साथ वरिष्ठ नेता प्रदीप सेठिया, सेवादल के जिला उपाध्यक्ष संतोष मालवीय, युवा कांग्रेस के शहर अध्यक्ष जितेंद्र यादव, नगर पालिका के वर्तमान पार्षद सुनील चौधरी, अनिल कानूनगो, बदरी पटेल, मजहर अली, पूर्व पार्षद सुनील यादव, डॉ. सेवकराम गुर्जर आदि प्रतिनिधि मंडल में उपस्थित थे। कांग्रेस के प्रतिनिधि मंडल ने नर्मदा रोड जय स्तंभ चौराहे पर स्थित शहीद स्तंभ की आकृति के सरंक्षण की मांग की। शासन की अनुमति से देश के सर्वोच्च बलिदानी शहीद सैनिकों की अमर शहादतों के प्रतीक चिन्हों और उचित आकर के राष्ट्रीय ध्वज को यहां स्थापित करने की मांग की। पार्टी का पक्ष रखते हुए कांग्रेस जनों ने नगर में शिवाजी महाराज की प्रतिमा स्थापना का समर्थन किया, किंतु उसे किसी छोटी या तंग जगह या कही बीच सड़क पर नहीं बल्कि देश के ऐतिहासिक वीर शिवाजी महाराज का वृहद भव्य स्मारक और प्रतिमा स्थापना हेतु बड़े और खुले स्थान का चयन की बात कही। चूंकि

तेजी से विस्तारित नगर में राष्ट्रीयता से ओतप्रोत रमणीक स्थान भी नहीं है। किसी अन्य उचित जगह पर भव्य सौंदर्यीकृत स्मारक और शिवाजी महाराज की बड़ी प्रतिमा के स्थल पर नागरिकों की आवाजाही सुगम हो तो ये नवीन स्मारक नगर की एक नई पहचान बने। नवनिर्मित नगर पालिका कार्यालय भवन की भव्यता के लिए नगर पालिका परिसर के उपयोग पर विचार करें।

चर्चा में सीएमओ ने जाहिर सूचना में उल्लेखित आपत्तिकर्ता की पात्रता और आपत्ति जमा करने के स्थान पर स्पष्ट किया कि शिवाजी प्रतिमा स्थापना पर कोई भी व्यक्ति विधि सम्मत एवं वाजिब आपत्ति समयसीमा में नगर पालिका परिषद बड़वाह के कार्यालय प्रस्तुत कर सकते है, त्रुटिवश प्रकाशित हुई जाहिर सूचना का संशोधन प्रकाशित हो रहा है। कांग्रेस द्वारा सौंपे ज्ञापन में उल्लेखित किया कि खरगौन नगर पालिका से क्रांतिवीर टंट्या मामा की प्रतिमा में करीब दस लाख के धातु की प्रतिमा के ठेके में फाइबर की प्रतिमा लगा दी, कांग्रेस ने टंट्या मामा प्रतिमा के फर्जीवाड़े को उजागर किया, रीवा में करीब नब्बे लाख के ठेके में अटल जी की फाइबर की प्रतिमा लगाने का मामला भाजपा के महापौर ने खुद पकड़ा। इनसे प्रदेश कलंकित हुआ। शहीद स्मारक जय स्तंभ की सुरक्षा सौंदर्यीकरण शिवाजी प्रतिमा स्थापन पर चर्चा के बाद महेश्वर रोड के चौड़ीकरण के मुद्दे पर कहा कि नवनिर्मित बायपास हाइवे पर यातायात शुरु होने दे। उसके बाद यहां यातायात की स्थिति और आवश्यकता का पुनः आंकलन करे। तब जरूरत अनुरुप और समान रुप से चौड़ीकरण करें। नागरिकों और रहवासियों सहमति पूर्वक समुचित मुआवजा मिले। परिषद द्वारा इसका सर्व सम्मत प्रस्ताव बनाकर शीघ्र ही शासन को भेजें। पूर्व प्रधानमंत्री इन्दिरा गांधी के नाम पर किसी एक बड़े मार्केट का नामकरण हो। नगर पालिका की सीमा वृद्धि के विषय पर नगर पालिका एवं शासन की कार्य योजना और प्रगति पर चर्चा की।

सार-समाचार

मंत्री श्री परमार ने मां बगलामुखी के किए दर्शन

समय जगत, आगर मालवा। उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा एवं आयुष विभाग के मंत्री इंदर सिंह परमार ने शुक्रवार को आगर-मालवा जिले के नलखेड़ा पहुंचकर प्रसिद्ध मां बगलामुखी मंदिर में दर्शन किए। मंत्री श्री परमार ने मंदिर में विधि-विधान एवं वैदिक मंत्रोच्चार के साथ पूजा-अर्चना कर प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि, की कामना की। मंत्री श्री परमार ने ग्राम टीकोन में भगवान बाबा रामदेव के भी दर्शन किए गए। इस अवसर पर जिला अध्यक्ष ओम मालवीय, दिलीप सकलेचा, कैलाश कुंभकार, रोहित सकलेचा, विजय सोनी सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण उपस्थित रहे।

आनंदमई पदयात्रा लगभग 460 किलोमीटर की दूरी तय कर करेंगे महाकाल के दर्शन

समय जगत, सारंगपुर। प्राचीन सिद्ध पीठ श्री धूमेश्वर धाम के महंत श्री श्री 1008 महामंडलेश्वर स्वामी श्री अनिरुद्ध वन जी महाराज पंचदस नाम जूना अखाड़ा ने विश्व शांति एवं जनकल्याण हेतु पैदल पद यात्रा प्रारंभ की है, जिसका उद्देश्य राष्ट्रवाद को बढ़ावा देना है और प्राचीन संस्कृति को बढ़ावा देने हेतु लोगों में जन जागृति को फैलाना है। उक्त जानकारी देते हुए सारंगपुर यात्रा के प्रभारी प्रदीप सादानी ने बताया कि पूज्य गुरुदेव वन संप्रदाय के विश्व के पहले महामंडलेश्वर हैं, यह यात्रा लगभग 15 दिवसीय है। जिसका समापन उज्जैन महाकालेश्वर मंदिर पर होगा। प्राचीन सिद्ध पीठ श्री धूमेश्वर धाम को चंबल के महाकाल के नाम से भी जाना जाता है। यह यात्रा धूमेश्वर से झरना सरकार, कोलारस, बदरवास गुना, खटकिया, बीनागंज, ब्यावरा, पचोर होते हुए सारंगपुर पहुंचेगी। जहां राठी मांगलिक परिसर में यात्रा का विश्राम रहेगा व महामंडलेश्वर ज़ी प्रेस वार्ता करेंगे और आम लोगों से मिलेंगे। धर्मप्रेमी बंधुओं से निवेदन किया गया है कि पदयात्रा दिनांक 22 मार्च को सारंगपुर में आ रही है। यात्रा में चल रहे 500 लोगों का सारंगपुर नगर में जोरदार स्वागत करें।

बड़ा बाजार में शुद्ध पेयजल के प्याऊ का सोनी परिवार द्वारा किया गया शुभारंभ

समय जगत, आष्टा। भीषण गर्मी में पानी के लिए परेशान राहगीरों को शुद्ध व शीतल पेयजल उपलब्ध कराये जाने के लिए भाजपा नगर महामंत्री मोहित सोनी ने प्याऊ का शुभारंभ किया है। मोहित सोनी नगर महामंत्री भाजपा आष्टा ने अपने बड़ा बाजार स्थित निवास पर शुद्ध पेयजल प्याऊ का शुभारंभ किया। इस दौरान वरिष्ठ समाजसेवी गोपाल जी परमार, निर्मल जी रांका, विधान जी श्रीमोढ, स्नेहलता जी रूणवाल(शीतल स्वीट्स), बाबू जी देव्वाल, कमलेश जी वोहरा, तरुण जी चतुर्मुथा, विजय जी जैन, निलेश जी शर्मा, सौरभ जी (शीतल), रतन जी मालवीय मौजूद रहे। भाजपा के नगर महामंत्री मोहित सोनी कहा कि गर्मी के मौसम में प्यास ज्यादा लगती है और राहगीरों को शुद्ध व शीतल पानी की समस्या से जूझना पड़ता है। राहगीरों एवं आसपास के लोगों की प्यास बुझाने का कार्य निःस्वार्थ भाव करना हमारा उद्देश्य हैं।

धूमधाम और उल्लास के साथ मनाया गणगौर पर्व

समय जगत, आगर मालवा। खण्डेलवाल समाज की महिला मंडल द्वारा 16 दिवसीय गणगौर पर्व धूमधाम और उल्लास के साथ मनाया जा रहा है। इसी क्रम में गणगौर की फुलपाती उत्सव का आयोजन स्थानीय मधुबन गार्डन में किया गया, जिसमें समाज की महिलाओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान महिलाओं ने पारंपरिक वेशभूषा में सजकर ल सामूहिक रूप से उत्सव का आनंद लिया। साथ ही इस दौरान बच्चों एवं महिलाओं के लिए विभिन्न प्रतियोगिताएं भी आयोजित की गईं, जिनमें प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया। उत्सव के समापन पर समाज के सभी लोगों ने एक साथ बैठकर भोजन प्रसादी ग्रहण की। यह जानकारी प्रीयंका मेठी द्वारा दी गई।

गुदरावन में नेत्र शिविर किया गया आयोजित

समय जगत, आगर मालवा। सतगुरु सेवा संघ ट्रस्ट आनंदपुर एवं सरदार पटेल युवा संगठन गुदरावन के संयुक्त तत्वाधान में शुक्रवार दिनांक 20 मार्च 2026 को पाटीदार धर्मशाला गुदरावन में नेत्र शिविर का भव्य आयोजन किया गया जिसमें 141 लोगों की आंखों जांच की गई तथा 33 लोगों को चश्मा प्रदान किए गए एवं 23 लोगों का चयन ऑपरेशन हेतु किया गया। जिन्हें बस द्वारा आनंदपुर ले जाया जाएगा वहां उनकी जांच ठहरना, लेंस, दवाई एवं लाना ले जाना सब निःशुल्क रहेगा। उक्त जानकारी देते हुए जय नारायण चौधरी ने बताया की समस्त ग्राम वासियों ने उक्त शिविर को संपन्न कराने में सराहनीय सहयोग प्रदान किया। बाहर से पधारे समस्त डॉक्टर का कैंप के आयोजन रामचंद्र कुमावत एवं उनके परिवार द्वारा सभी का स्वागत कर कैंप का शुभारंभ हुआ। अगला कैंप 17 अप्रैल 2026 को पाटीदार धर्मशाला गुदरावन में आयोजित होगा। इसका अभी से अधिकतम प्रचार प्रसार कर अधिक से अधिक लोगों को निःशुल्क नेत्र शिविर का लाभ दिलाने की अपील की गई।

जल गंगा संवर्धन अभियान का हुआ शुभारम्भ

समय जगत बीनागंज। इस वर्ष के जल गंगा संवर्धन अभियान मध्यप्रदेश शासन पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग भोपाल एवं कलेक्टर किशोर कुमार कन्याल तथा मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत अभिषेक दुबे के निर्देशानुसार विकास खण्ड चांचौडा मे एसडीएम रवि मालवीय के नेतृत्व मे शुभारंभ हुआ, सीईओ जनपद पंचायत और सीएमओ नगर पंचायत के समन्वय से जनप्रतिनिधि और विभिन्न विभागों के अधिकारी, कर्मचारी और आम नागरिको की उपस्थिति में चाचौड़ा स्थिति तालाब पर श्रमदान से साफ सफाई कर अभियान का शुभारम्भ किया गया। अभियान का मुख्य उद्देश्य जल संचय और जल संवर्धन किया जाना है। शासन द्वारा संचालित उक्त महत्वपूर्ण अभियान 19 मार्च से प्रांरभ होकर 30 जून 20 तक चलेगा, जल गंगा संवर्धन अभियान समाज की जन भागीदारी और विभिन्न विभागों के समन्वित पहल से जन जागरूकता,नवीन जल ग्रहण संरचना का निर्माण,भूजल संवर्धन,पूर्व से मौजूद जल ग्रहण संरचनाओं की साफ सफाई व मरम्मत, अन्य जल स्त्रोतों की साफ सफाई तथा मानसून मे किये जाने वाले पौधारोपण हेतु आवश्यक तैयारियां किया जाना है! अभियान में समाज और शासकीये विभागो की साझेदारी बढ़ाकर कार्य किया जाना है ताकि जल संरक्षण व जल संवर्धन एक जन आंदोलन बन सके!

अभियान अंतर्गत पंचायत एवं ग्रामीण : विकास, वन विभाग, जल संसाधन, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी, कृषि, उधानिकी एवं ग्रामीण यांत्रिकी सेवा विभाग मिलकर कार्य करेंगे !जिससे प्राप्त लक्ष्य को पूर्ण कर सके ! चाँचौडा तालाब पर जल गंगा संवर्धन अभियान के शुभारम्भ पर एसडीएम रवि मालवीय, विधायक के विशेष प्रतिनिधि के तौर पर श्रीअनिरुद्ध मीना, सीईओ संजीत श्रीवास्तव, सीएमओ त्रयंवकेश्वर मिश्रा, सीडीपीओ श्रवण कुमार नागले, एसएडीओ आरडी सिलावट, बीएमओ,एपीओ लोकेन्द्र यादव पार्षदगण, जनपद पंचायत और नगर पंचायत के कर्मचारियों सहित विभिन्न विभागों के कर्मचारी और आम नागरिक उपस्थित रहे!

पैक्स ने 25 मार्च तक मांगों को पूरा करने सौंपा ज्ञापन

1 अप्रैल से करेंगे काम बंद, कर्मचारी हो चुके हैं लामबंद

समय जगत, सिवनी मालवा। मध्य प्रदेश सहकारिता समिति कर्मचारी महासंघ (पैक्स) के कर्मचारियों ने अपनी लंबित मांगों को लेकर नाराजगी जताते हुए मुख्यमंत्री, सहकारिता मंत्री, मंत्री खाद्य विभाग मध्य प्रदेश के नाम नर्मदापुरम में प्रशासन को ज्ञापन सौंपा। जिसमें पूर्व की लम्बित मांगों को 25 मार्च तक पूरी करने की बात कहीं गई। पूरी नहीं करने पर 1 अप्रैल से जिले भर में धरना-प्रदर्शन और काम बंद आंदोलन शुरू करने की बात कही। इस संबंध में संभागीय जिलाध्यक्ष हरिओम रघुवंशी और जिलाध्यक्ष भगवान सिंह राजपूत ने बताया कि उनकी समस्याओं के समाधान को लेकर विगत 22 सितंबर को विभागीय अधिकारियों और महासंघ पदाधिकारियों की बैठक में सहमति बनी थी लेकिन उस सहमति पर अब तक अमल नहीं किया गया हैं। जिससे कर्मचारियों में गहरा असंतोष हैं।

पैक्स की प्रमुख मांगें : पैक्स के पदाधिकारियों ने बताया कि कर्मचारियों की प्रमुख मांगों में अक्टूबर 2023 से बढ़ा हुआ वेतन देने और हर माह नियमित वेतन भुगतान सुनिश्चित करने की मांग शामिल है। इसके अलावा, विक्रेताओं को 18 माह का लगभग 54 हजार रुपए प्रति विक्रेता लंबित भुगतान तत्काल जारी करने की मांग भी उठाई गई है। साथ ही सहायक प्रबंधकों को 60 प्रतिशत पदों पर पदोन्नति देने, लंबित चयन प्रक्रिया को पूरा करने और कनिष्ठ विक्रेताओं की परिवीक्षा अवधि समाप्त कर उन्हें पूर्ण विक्रेता घोषित करने की मांग की गई हैं। कर्मचारियों ने बताया कि लंबे समय से उनकी मांगें लंबित हैं और अब आंदोलन ही एकमात्र विकल्प बचा हैं। यदि 25 मार्च तक मांगों का निराकरण नहीं हुआ, तो 1 अप्रैल 2026 से अनिश्चितकालीन धरना-प्रदर्शन और काम बंद आंदोलन किया जाएगा। उन्होंने कहा कि इसकी पूरी जिम्मेदारी शासन-प्रशासन की होगी। यह आंदोलन प्रदेश भर की 4523 समितियों और 22,500 उचित मूल्य की दुकानों के माध्यम से संचालित सरकारी योजनाओं को प्रभावित कर सकता है। इनमें ऋण वितरण, कर्ज वसूली, उपार्जन, खाद-बीज वितरण, राशन वितरण और ऑनलाइन ईआरपी कार्य शामिल हैं। यदि कर्मचारी हड़ताल पर जाते हैं, तो इन सेवाओं पर व्यापक असर पड़ेगा। जिससे किसानों और उपभोक्ताओं को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ सकता हैं।

भारतीय नववर्ष को उत्साहपूर्वक मनाए हिंदू समाज : संतोष नौरिया

समय जगत, सिवनी मालवा। सिवनी मालवा खंड के स्वयं सेवकों ने वर्ष प्रतिपदा उत्सव बड़े ही उत्साह और उल्लास के साथ मनाया। कार्यक्रम में स्वयं सेवकों ने विविध शारीरिक गतिविधियों एवं प्रदर्शन के माध्यम से अपनी दक्षता का परिचय दिया। कार्यक्रम में आए नर्मदापुर विभाग प्रचार प्रमुख संतोष नौरिया मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम की शुरुआत आदि सरसंघचालक डॉ.केशव बलिराम हेडगेवार को प्रणाम कर तथा सामूहिक केशव अर्चना के गायन से हुई। इसके पश्चात ध्वज प्रणाम कर स्वयं सेवकों ने गण समता, नियुद्ध, पद विन्यास, प्राथमिक समता, व्यायाम योग, दंड योग, आसन एवं उपविश योग का आकर्षक प्रदर्शन किया। मुख्य वक्ता संतोष नौरिया ने कहा कि हिंदू नववर्ष अर्थात वर्ष प्रतिपदा का दिन अत्यंत विशेष और सांस्कृतिक दृष्टि से महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने बताया कि यह दिन गुड़ी पड़वा के रूप में

भी मनाया जाता है। जिसका पौराणिक और ऐतिहासिक महत्व अत्यधिक हैं। इसी दिन सृष्टि की रचना का प्रारंभ माना जाता हैं। भगवान श्रीराम और युधिष्ठिर का राज्याभिषेक हुआ तथा गुरु अंगद देव जी का जन्म दिवस भी इसी दिन पड़ता हैं। इसके साथ ही विक्रम संवत का आरंभ, चैत्र नवरात्रि का प्रथम दिवस और आर्य समाज की स्थापना जैसे महत्वपूर्ण प्रसंग भी इसी तिथि से जुड़े हैं।

उन्होंने कहा कि भारत में यह पर्व विभिन्न नामों से मनाया जाता हैं, महाराष्ट्र में गुड़ी पड़वा, कर्नाटक, आंध्र प्रदेश और तेलंगाना में उगादि, सिंधी समाज में चेटीचंड, कश्मीरी पंडितों में नवरेह, असम में बिहू, तमिलनाडु में पुत्तांडु, पंजाब में बैसाखी और केरल में विशु के रूप में इसकी व्यापक परंपरा हैं। श्री नौरिया ने काल गणना पर प्रकाश डालते हुए कहा कि विश्व में ग्रेगोरियन कैलेंडर सहित अनेक कैलेंडर प्रचलित हैं लेकिन भारतीय पंचांग ही ऐसा हैं जो तिथि, वार, नक्षत्र, योग और करण के आधार पर प्रकृति से पूर्णतः जुड़ा हुआ हैं। उन्होंने कहा कि पंचांग हमारे ऋषि-मुनियों द्वारा दिया गया एक अमूल्य ज्ञान हैं। जो प्रकृति के साथ सामंजस्य स्थापित करता हैं। उन्होंने आगे कहा कि वर्ष प्रतिपदा वास्तव में प्रकृति द्वारा निर्मित नववर्ष हैं, जिसमें लोग घरों की सफाई, सजावट, रंगोली, शंख वादन तथा देवी-देवताओं की पूजा-अर्चना के साथ नए वर्ष का स्वागत करते हैं। इसके विपरीत पश्चिमी नववर्ष में प्रकृति से जुड़ाव नहीं दिखाई देता।

राजेन्द्र ताम्रकार ने वितरित किये प्रमाण पत्र

उचेहरा। कुछ दिनों पहले ताम्रकार समाज के सभी समितियों का सर्व सहमति से निर्वाचन हुआ था। उसी कड़ी में समाज को नई दिशा देने नगर के समाज सेवियों को जिम्मेदारी सौंपी जा रही है, समाज अध्यक्ष भरतलाल ताम्रकार के नेतृव में समाज की कार्यकारणी के गठन उपरांत महिला मंडल अध्यक्ष श्रीमती अंजना ताम्रकार ने अपनी सक्रिय टीम का गठन किया है। उसी कड़ी में नव युवक मंडल अध्यक्ष जुगराज ताम्रकार ने भी उत्साही नव युवकों को अपनी टीम में जगह दी। इस मौके पर प्रदेश सहित जिले के पदाधिकारी भी मौजूद रहे। ज्ञात हो कि पूर्व समाज अध्यक्ष राजेन्द्र ताम्रकार (भोंथे भाई) ने प्रमाण पत्र सौंप नव युवकों को अपनी जिम्मेदारी का अहसास कराया। काबिले गौर है कि करीब दो दशक पूर्व इन्ही पूर्व अध्यक्ष के नेतृत्व में हुआ सामूहिक विवाह सम्मेलन प्रकृति के प्रकोप के बावजूद भी पूरी तरह सफल आयोजन रहा, जो उचेहरा के इतिहास में कई वर्षों तक याद किया जाता रहेगा। पूर्व समाज अध्यक्ष के ही कार्यकाल मे समाज के युवाओं के बौद्धिक विकास से लेकर सांस्कृतिक गतिविधियों को बढ़ावा देने तरह - तरह के आयोजन होते रहते थे लेकिन कुछ कारणों बस समय के अंतराल में इस तरह की गतिविधियों पर विराम सा लग गया है। अब निश्चय ही नई टीम समाज उत्थान के लिए बेहतर से बेहतर प्रयास करेगी ऐसी उम्मीदें सामाजिक बन्धुओं ने नई टीम से लगाई है। बहरहाल शपथ ग्रहण उपरांत नई गठित टीम अपने पूरे अस्तित्व में आ जायेगी फिर किस तरह से अपनी नई कार्ययोजना बनाती है यह देखने वाली बात होगी। एजेंडे पर तेजी से काम किया जायेगा, ऐसी उम्मीद जताई जा रही है कि नई टीम समाज हित में बेहतर कार्य करेगी ,हासिल जानकारी अनुसार वरिष्ठ समिति में 93 महिला मण्डल में 78 एवम नवयुवक मण्डल में 112 युवाओं को समिति द्वारा कार्यभार सौंपा गया है।

आगामी भीषण गर्मी में पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए जलदाय विभाग में अवकाश निरस्त

आमजन को गर्मियों में राहत देने के लिए मुख्यमंत्री ने दिखाई संवेदनशीलता

धौलपुर। प्रदेश में आगामी भीषण गर्मी को देखते हुए मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने आमजन की सुविधा और राहत को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। मुख्यमंत्री ने संवेदनशीलता का परिचय देते हुए जलदाय विभाग के सभी फील्ड अधिकारियों एवं कर्मचारियों के अवकाश तत्काल प्रभाव से निरस्त करने के निर्देश दिए हैं। साथ ही आगामी ग्रीष्म ऋतु को देखते हुए राज्य सरकार द्वारा जनता को शुद्ध एव समुचित पेयजल की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करने एवं पेयजल आपूर्ति सम्बंधी समस्याओं के त्वरित समाधान के लिए विभाग द्वारा राज्य स्तरीय एवं प्रत्येक जिले में जिला स्तरीय नियन्त्रण कक्षों की स्थापना की

गई है। राज्य सरकार द्वारा ग्रीष्मकाल 2026 के लिए प्रदेश के शहरी क्षेत्र एवं ग्रामीण क्षेत्रों में जनता के लिए पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए सभी 41 जिलों के शहरी क्षेत्र के लिए 55.88 करोड़ रुपए एवं ग्रामीण क्षेत्र के लिए 154.83 करोड़ रुपए की स्वीकृति जारी कर दी गई है।

जल परिवहन के लिए राशि स्वीकृत: ग्रीष्म ऋतु में प्रदेश के शहरी क्षेत्र एवं ग्रामीण क्षेत्रों में जनता के लिए पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए 41 जिलों के लिए 1 अप्रेल 2026 से 31 जुलाई 2026 तक आवश्यकतानुसार जल परिवहन के लिए अनुमानित शहरी क्षेत्र के लिए 23 करोड़ रुपए एवं ग्रामीण क्षेत्र के लिए 82.37 करोड़ रुपए की स्वीकृति जारी कर दी गई है। गर्मियों के सीजन में पेयजल आपूर्ति की मॉनिटरिंग के लिए सरकार ने 1 मार्च 2026 से 31 मार्च 2026 तक अवधि के लिए 500 श्रमिक प्रतिमाह एवं 100 किराये के वाहन प्रतिमाह लेने की स्वीकृति जारी की है। इसी तरह 1 अप्रैल 2026 से 30 अप्रैल 2026 तक की अवधि के लिए 2000 श्रमिक प्रतिमाह एवं 400 किराये के वाहन प्रतिमाह तथा 1 मई 2026 से 31 जुलाई 2026 तक अवधि के लिए 2500 श्रमिक प्रतिमाह एवं 450 किराये के वाहन प्रतिमाह की स्वीकृति जारी कर दी गई है। जलदाय विभाग ने गर्मियों के मौसम में प्रदेश के शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में जनता के लिए पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए सभी जिलों में आकस्मिक कार्यों के लिए 1-1 करोड रुपये की राशि खर्च करने की स्वीकृति जारी कर दी गई है।

जिला अस्पताल में ऑर्थोपेडिक वार्ड का हुआ शुभारंभ

धौलपुर। जिले में स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि जुड़ गई है। जिला अस्पताल में अत्याधुनिक ऑर्थोपेडिक (अस्थि रोग) वार्ड का शुभारंभ किया गया। शुक्रवार को जिला कलक्टर श्रीनिधि बीटी ने फीता काटकर वार्ड का विधिवत उद्घाटन किया। इस दौरान प्रमुख चिकित्सा अधिकारी डॉ. समरवीर सिंह सिकरवार भी मौजूद रहे। दौरान जिला कलक्टर ने वार्ड का निरीक्षण कर उपलब्ध व्यवस्थाओं का जायजा भी लिया। उन्होंने कहा कि इस नई सुविधा के शुरू होने से जिले के लोगों को बड़ी राहत मिलेगी। विशेष रूप से दुर्घटना एवं हड्डी संबंधी समस्याओं से पीड़ित मरीजों को अब बेहतर और त्वरित उपचार उपलब्ध होगा। उन्होंने प्रमुख चिकित्सा अधिकारी को भविष्य में भी स्वास्थ्य सेवाओं को और सुदृढ़ करने के लिए ऐसे प्रयास लगातार जारी रखने के निर्देश दिए। पीएमओ डॉ. समरवीर सिंह ने बताया कि नवस्थापित ऑर्थोपेडिक वार्ड को जिला अस्पताल की चौथी मंजिल पर विकसित किया गया है, जिसे सर्जरी वार्ड से अलग रखा गया है। इसका उद्देश्य हड्डी से जुड़ी बीमारियों और दुर्घटनाओं में घायल मरीजों को एक समर्पित, सुव्यवस्थित और त्वरित उपचार सुविधा उपलब्ध कराना है।

तेज हवाओं के साथ शहर में आधे घंटे हुई बारिश, पकी फसलों को होगा नुकसान

शहर की सड़कों पर हुआ पानी-पानी, किसानों की चिंता बढ़ी

श्योपुर ब्यूरो। जिले में शुक्रवार को मौसम ने अचानक करवट ली। दोपहर बाद करीब साढ़े तीन बजे तेज आंधी के साथ बारिश शुरू हो गई। इससे एक ओर जहां लोगों को गर्मी से राहत मिली, वहीं दूसरी ओर किसानों की चिंता बढ़ गई है। सुबह से ही आसमान में बादलों की आवाजाही बनी हुई थी, जो मौसम बदलने का संकेत दे रही थी।

दोपहर होते-होते बादल और घने हो गए, जिसके बाद अचानक तेज हवाएं चलने लगीं और फिर बारिश शुरू हो गई। आंधी इतनी तेज थी कि कई स्थानों पर धूल का गुबार भी उड़ता देखा गया। आमजन ने मौसम में आई ठंडक से राहत महसूस की, लेकिन किसानों के लिए यह बारिश चिंता का विषय बन गई है। इस समय खेतों में गेहूं और चने की फसलें पूरी तरह पककर तैयार खड़ी हैं। तेज हवा और बारिश के कारण फसलों के गिरने और खराब होने का खतरा बढ़ गया है। कई स्थानों पर गेहूं की फसलें खेतों में बिछी हुई नजर आईं। जिले के आसपास के गांव सोईकला में भी तेज बारिश होने की सूचना मिली है, जिससे किसानों की चिंता और गहरी हो गई है। किसानों का कहना है कि यदि मौसम इसी तरह खराब रहा तो उनकी मेहनत पर पानी फिर सकता है। फसल कटाई का समय नजदीक है और इस तरह की बारिश उत्पादन को गंभीर रूप से प्रभावित कर सकती है। जिले में रबी की फसलें इस समय अंतिम चरण में हैं। ऐसे में मौसम का यह बदलाव किसानों के लिए नुकसान दायक माना जा रहा है। यदि बारिश जारी रहती है या आंधी का असर बढ़ता है, तो फसलों को और अधिक नुकसान होने की आशंका है। फिलहाल किसान मौसम साफ होने की उम्मीद कर रहे हैं, ताकि वे जल्द से जल्द फसल की कटाई कर संभावित नुकसान से बच सकें। प्रशासन और मौसम विभाग भी स्थिति पर लगातार नजर बनाए हुए हैं।

मंदिर पर दर्शन करने जा रहे पत्रकार पर जानलेवा हमला करने के विरोध में सौंपा ज्ञापन

मध्यप्रदेश श्रमजीवी पत्रकार संघ ने एसपी के नाम सौंपा ज्ञापन

श्योपुर। जिले में पत्रकार सुरक्षा को लेकर एक गंभीर मामला सामने आया है। पत्रकार बालकृष्ण शर्मा पर शुक्रवार सुबह अज्ञात कार सवारों द्वारा जानलेवा हमला करने का प्रयास किया गया। हमलावरों ने उन्हें दो अलग-अलग स्थानों पर कार से टक्कर मारकर कुचलने की कोशिश की, लेकिन सौभाग्य से वे इस घटना में बाल-बाल बच गए। प्राप्त जानकारी के अनुसार, बालकृष्ण शर्मा प्रतिदिन की तरह सुबह गुप्तेश्वर महादेव मंदिर दर्शन के लिए जा रहे थे। इसी दौरान पहले ईदगाह रोड स्थित मस्जिद के पास और फिर गुप्तेश्वर महादेव मंदिर के नजदीक सती माता मंदिर के पास अज्ञात कार चालकों ने उन्हें निशाना बनाते हुए टक्कर मारने का प्रयास किया। बताया जा रहा है कि बालकृष्ण शर्मा लगातार अपने समाचार पत्र के माध्यम से भ्रष्टाचार और जिला प्रशासन से जुड़े मुद्दों को प्रमुखता से उजागर कर रहे थे। ऐसे में इस हमले को एक सोची-समझी साजिश के रूप में देखा जा रहा है। घटना के बाद से पत्रकार और उनका परिवार भय के माहौल में है। इस घटना के विरोध में जिले के पत्रकारों में भारी आक्रोश व्याप्त है।

संक्षिप्त समाचार

नये वर्ष की शुभकामनाओं के साथ हुई कृषि उपज की नीलामी

समय जगत, सिरोंज। हिन्दू नव वर्ष,गुड़ी पड़वा और चैत्र नवरात्रि व नव वर्ष के उपलक्ष में कृषि उपज मंडी हमेशा खुलती है और व्यापारी अपना श्रेष्ठ मुहूर्त में माल की खरीदी होती है। व्यापारी नव वर्ष के उपलक्ष में एक दूसरे को बधाई देते हैं और इस खुशी के मौके पर कर्मचारी और किसानों को मिठाई देकर उन्हें बधाई देते हैं। गत दिवस बंपर आवक रही। दशहरा मैदान में लगभग 300ट्रॉली गेहूं आया। मंडी नीलामी प्रांगण में लगभग 250 ट्रॉली आई। किसान हित में कल भी मंडी नीलामी चालू रहेगी ।नववर्ष की बधाइयों के कार्यक्रम में मंडी सचिव रमेश अहिरवार, समीर भार्गव, राजेश मित्तल,कमलेश जैन,मुन्ना भैया,कमल तरण,नेमीचंद जैन,राजेश जैन,पप्पू साहू, प्रेमचंद जैन,लोकेश जैन,मनीष जैन,राहुल मंगल,देवेंद्र साहू,टिंगू साहू,रामू साहू,रामकिशन साहू आदि मौजूद रहे।

पानी में डूबने से युवक की मौत

कलेक्टर के निर्देश पर तत्काल मिली सहायता

खुरई। जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम कोहा (ग्राम पंचायत खेजरा इज्जत) में हुई दुखद घटना के बाद कलेक्टर संदीप जी.आर. के निर्देशन में प्रशासन ने त्वरित कार्रवाई करते हुए मृतक के परिजनों को तत्काल सहायता उपलब्ध कराई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम कोहा निवासी 37 वर्षीय विमल सौर (राजवंशी) की पानी में डूबने से आकस्मिक मृत्यु हो गई। इस घटना से पूरे गांव में शोक का माहौल है। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय प्रशासन सक्रिय हुआ और मौके पर आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित की गई। कलेक्टर के निर्देशानुसार ग्राम पंचायत सचिव विपिन शर्मा द्वारा श्रम विभाग, मध्यप्रदेश की ई-संबल योजना के तहत मृतक के परिजनों को त्वरित राहत प्रदान की गई। योजना के अंतर्गत मृतक की पत्नी श्रीमती द्रोपती सौर को 5,000 (पांच हजार रुपये) की अग्रिम सहायता राशि दी गई है। प्रशासन ने आश्वस्त किया है कि शासन के नियमानुसार अन्य देय सहायता भी शीघ्र उपलब्ध कराई जाएगी।

प्रभातफेरी से हुई नए साल की शुरूआत भजनों के गायन ने किया मंत्रमुग्ध

समय जगत, खुरई। गुरुवार से चैत्र नवरात्रि का पर्व प्रारंभ हो गया है। पहले दिन माता शैलपुत्री की आराधना की जा रही है। नगर सहित ग्रामीण क्षेत्रों के देवी मंदिरों में सुबह से ही भक्तों की भीड़ उमड़ रही है। वहीं, हिंदू नववर्ष के अवसर पर हिंदू संगठनों द्वारा प्रभात फेरी भी निकाली गई। हिंदू धर्म में चैत्र नवरात्रि का विशेष महत्व है, क्योंकि इसी दिन से हिंदू नववर्ष की शुरुआत भी होती है। यह पर्व शक्ति की उपासना के तौर पर देखा जाता है। होली के बाद प्रारंभ होने वाले इस नौ दिवसीय महापर्व के दौरान मां दुर्गा के नौ रूपों की आराधना की जाती है। नगर के प्रसिद्ध किला देवी मंदिर, पठार पर स्थित महाकाली मंदिर, मरई माता मंदिर, पुराने जनपद चौराहे के पास स्थित चंद्रघंटा देवी मंदिर, सराय में स्थित मां दुर्गा देवी मंदिर, बीजासेन देवी मंदिर सहित कई देवी मंदिरों में भक्तों का तांता लगा रहा। किला परिसर स्थित बीजासेन देवी मंदिर से प्रभात फेरी निकली गई जो नगर के झंडा चौक, परसा चौराहा, पुराने हनुमान मंदिर, पीपल चौराहा, पठार, शिवाजी चौक से होकर महाकाली मंदिर में प्रभात फेरी का समापन हुआ।

बड़ी खेर माता मंदिर में सजी माई की झांकी, दर्शन के लिए सुबह 3 बजे से श्रद्धालुओं की लगीं कतारें

समय जगत, दमोह/पथरिया। जैसा कि सभी को विदित है 19 मार्च गुरुवार को देश का सबसे बड़ा पर्व चैत्र नवरात्र प्रारंभ हो गया है। साथ ही हिन्दू नववर्ष की शुरुआत भी इसी दिन से होना प्रारंभ हुई थी। पथरिया नगर के प्राचीन मंदिर बड़ी खेरापति माई मंदिर को आकर्षक झांकी के रूप सजाया है। जिसमें सैंकड़ों श्रद्धालु अपना पूर्ण सहयोग मां के चरणों में अर्पित कर रहे है।

खेरापति माई मंदिर की विशेषता: पथरिया में प्राचीन काल से ही खेरापति माई मंदिर प्रसिद्ध है। इसकी प्रसिद्धि का मुख्य कारण यहां मांगी हुई मनोकामनाओं का पूर्ण हो जाना है। यहां के श्रद्धालुओं का कहना है कि अगर मां के दरबार में सच्चे मन से कोई मनोकामना मांगी जाए तो वह कभी मां के दरबार से खाली हाथ नहीं जाता। मान्यताओं की मानें तो प्रदेश के श्रद्धालुओं के अलावा और भी कई राज्यों से यहां लोग चढ़ावा चढ़ाने तो कई श्रद्धालु अपना शीश झुकाने आते हैं। उनमें से कई ऐसे हैं, जिनको सालों से संतानों का सुख प्राप्त नहीं था तो कई ऐसे है। जिनके जीवन की कई साल से चली आ रही विपत्तियां यहां आने मात्र से ठीक हो गई। पथरिया नगर स्थित मंदिर की कई अलौकिक ऐसे चमत्कार है जिससे मंदिर में भक्तों का आना जाना लगा रहता है। चैत्र नवरात्रि के समय यहां सुबह 3 बजे से हजारों श्रद्धालुओं का हुजूम मंदिर परिसर में आना शुरू हो जाता है। यह श्रद्धालु सुबह 3 बजे से सुबह 9 बजे तक इसी प्रकार माई के मंदिर में जल अर्पण करने आते रहते हैं। इसके अलावा यहां की जो एक और मुख्य विशेषता है वह ह यहां का 40 फीट ऊंचा कलश, जिसे लोग देखने दूर दूर से आते है। इसके साथ- साथ मंदिर परिसर में और भी छोटे- छोटे मंदिर हैं, जिसमें भगवान राम मंदिर, शिव परिवार आदि भगवान सम्मिलित है। नवरात्रि के समय ही यहां एक छोटे मेले का आयोजन होता है जो कि समस्त नगर में आकर्षण का केंद्र होता है। यहां की खास बात यह है कि हजारों लोगों की भींड़ यहां एकत्रित होने के बावजूद 9 दिन की नवरात्रि शांति पूर्वक संपन्न हो जाती है। जिसमें मां खेरापति माई की कमेटी का महत्वपूर्ण योगदान रहता है।

नवरात्रि पर्व पर पहले दिन से ही उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

समय जगत, दमोह। हिंदू नववर्ष चैत्र नवरात्रि पर्व गुरुवार से प्रारंभ हो गया है। पहले दिन शहर के प्रसिद्ध मां बड़ी देवी मंदिर में श्रद्धालुओं की लंबी कतारें देखी गई। हजारों की संख्या में श्रद्धालु सुबह 4 बजे से ही मां बड़ी देवी को जल चढ़ाने पहुंच गए। श्रद्धालुओं ने मां बड़ी देवी को जल चढ़ाया। भीड़ को नियंत्रित करने और भक्तों को किसी भी प्रकार की परेशानी से बचाने के लिए मंदिर के चारों ओर पुलिस प्रशासन तैनात किया गया है। श्रद्धालुओं की लंबी लंबी कतार सुबह देर तक देखी गई। प्राचीन फुटेरा तालाब के सामने स्थित मां बड़ी देवी का यह मंदिर शहर के लोगों की आस्था का प्रमुख केंद्र है। ऐसी मान्यता है कि मां बड़ी देवी अपने भक्तों की मुरादें पूरी करती हैं।

बंदूक साफ करते दबा ट्रिगर, गोली लगने पर घायल हुआ 14 वर्षीय बालक

कटनी रेफर,पुलिस ने दर्ज किया बयान

पन्ना। शाहनगर थाना शाहनगर थाना क्षेत्र अंतर्गत सुडोर गांव में एक दर्दनाक हादसा सामने आया, जहां चार-पांच नाबालिगों के खेलने के दौरान एक 14 वर्षीय बालक को रक्त रंजित अवस्था में सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र लाया गया,जिसके पेट में गोली लगने का घाव था। घटना की खबर मिलते ही इलाके में हड़कंप मच गया। जानकारी के अनुसार, लक्ष्य चौधरी (14 वर्ष) पिता शीष कुमार चौधरी,निवासी शाहनगर सुडोर शाम को खेत में दोस्तों के साथ खेलने गया था,बाद में उसे गंभीर हालत में शाहनगर सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में भर्ती कराया गया। डॉ.आशीष तिवारी ने इसकी जानकारी तुरंत थाना शाहनगर दी, जिसके बाद शाहनगर पुलिस बल के एएसआई शिवेन्द्र सिंह परिहार, प्रधान आरक्षक रामपाल बागरी और सलीम खान पहुंचे जहां परिजनों और घायल नाबालिग के कथन लिए गए। घायल की स्थिति में सुधार न होने पर बाद में उसे पड़ोसी जिला कटनी रेफर किया गया। जानकारी मिलते ही शाहनगर पुलिस भी कटनी पहुंच गई जहां मामले जांच की जा रही है कि आखिरकार उसे गोली कैसे लगी।

इनका कहना है

जानकारी मिली है कि शाहनगर थाना क्षेत्रांतर्गत सुडौर गांव में एक नाबालिग गोली लगने से जख्मी हुआ है। जांच की जा रही है और परिजनों से भी पूछताछ जारी है कि गोली कैसे लगी।

परसराम डाबर
(टीआई शाहनगर)

गैस सिलेंडर की किल्लत के विरोध में नगर कांग्रेस का धरना-प्रदर्शन आयोजित

समय जगत, अमानगंज। पन्ना जिले के अमानगंज के स्थानीय गांधी चौक में जनता को एलपीजी गैस सिलेंडर उपलब्ध न हो पाने से हो रही परेशानी एवं अन्य बुनियादी समस्याओं को लेकर विरोध प्रदर्शन प्रदर्शन किया गया। साथ ही उपस्थित कांग्रेस जनों ने नाले से गैस बनाने का प्रयास किया। नगर कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष वसीम खान ने चेतावनी दी है कि जो भी आम जनमानस की बुनियादी समस्याएं हैं और नगर में हो रहे अवैध कार्यों पर मेरी पैनी नजर है उन पर शीघ्र प्रशासन रोक लगाए। कार्यक्रम को मुख्य रूप से ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष सौरभ दुबे, पूर्व विधानसभा प्रत्याशी जीवनलाल सिद्धार्थ, अल्पसंख्यक कांग्रेस के प्रदेश सचिव डॉ. सरफराज फारूकी, किसान कांग्रेस के पूर्व प्रदेश महामंत्री कमल सिंह राजपूत, पूर्व नगर अध्यक्ष पुरुषोत्तम पिड़हा, पूर्व ब्लाक अध्यक्ष भभूत सिंह राजपूत, राजदीप चतुर्वेदी पार्षद राधाबाई चौधरी ने भी संबोधित किया। कार्यक्रम के उपरांत अमानगंज के प्रसिद्ध मां ज्वाला मंदिर में दर्शन करने के उपरांत नगर कांग्रेस कमेटी के पूर्व अध्यक्ष वीरेंद्र खटीक द्वारा वसीम खान, पीयूष देव परमार का ढोल नगाड़ा फूलमाला और कुमकुम से स्वागत किया गया, कार्यक्रम में मुख्य रूप से नगर पंचायत अमानगंज के पूर्व अध्यक्ष हुक्कुन दहायत, युवक कांग्रेस के पूर्व प्रदेश प्रतिनिधि सतीश दुबे, वीरेंद्र खटीक, नवनियुक्त नगर संगठन महामंत्री पीयूष देव सिंह, अभिषेक दुबे, जितेंद्र द्विवेदी सिरी, शिवम पाठक, अशरफ खान, हिमांशु चतुर्वेदी, दयाराम पटेल, अवधेश प्रताप सिंह, डा. बलवान सिंह राजपूत, मुन्ना मिश्रा, धु राम चौधरी, संतोष सहित अन्य कांग्रेस जन उपस्थित रहे। कार्यक्रम का सफल संचालन पुष्पेंद्र सोनी और आभार प्रकट पार्षद राधा चौधरी द्वारा किया गया।

नदी की सफाई के लिए एक साथ उठे सैकड़ों हाथ

समय जगत, कटनी। राज्य शासन के निर्देश पर गुरुवार से प्रारंभ हुए जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत प्रातः 8 बजे कटाए घाट स्थित कटनी नदी में व्यापक सफाई अभियान चलाया गया, जो जनसहभागिता की उत्कृष्ट मिसाल बनकर सामने आया। राज्य शासन के निर्देश पर 19 मार्च से प्रारंभ यह अभियान 30 जून तक चलेगा। अभियान के शुभारंभ अवसर पर महापौर श्रीमती प्रीति संजीव सूरी, निगमायुक्त सुश्री तपस्या परिहार नगर निगम अध्यक्ष मनीष पाठक, वन मंडलाधिकारी गर्वित गंगवार एवं सहित सैकड़ों की संख्या में जनप्रतिनिधि, अधिकारी-कर्मचारी, गणमान्य नागरिक एवं आमजन ने सामूहिक श्रमदान कर नदी की सफाई करते हुए जल संरक्षण का संदेश दिया। सफाई अभियान के दौरान घाट क्षेत्र में विशेष साफ-सफाई की गई। जनसहयोग एवं सामूहिक श्रमदान से नदी में जमी सिल्ट, चोई, पूजन सामग्री एवं अन्य अपशिष्ट को बाहर निकाला गया। घाट की सीढ़ियों पर मानव श्रृंखला बनाकर लोगों ने अपशिष्ट कचरे को वाहनों तक पहुंचाया गया। कार्यपालन यंत्री सुधीर मिश्रा ने बताया कि कटाए घाट स्थित कटनी नदी में जल स्त्रोतों में जमा जलकुंभी एवं चोई की सफाई हेतु आज से प्रारंभ अभियान, पूर्ण रूप से नदी की सफाई हो जाने तक निरंतर जारी रहेगा। निगमायुक्त सुश्री तपस्या परिहार ने बताया कि अभियान के अंतर्गत जल संरचनाओं का निर्माण, भूजल संवर्धन, जल स्त्रोतों की सफाई, जीर्णोद्धार एवं प्रदूषण नियंत्रण जैसे विभिन्न कार्य जनसहभागिता से किए जाएंगे, जिससे जल संरक्षण को जन आंदोलन का रूप दिया जा सके। इस अवसर पर मेयर इन काउंसिल सदस्य डॉ. रमेश सोनी, सुभाष साहू, सुरेंद्र गुप्ता, पार्षद सीमा श्रीवास्तव, ब्रांड एम्बेसडर श्रीमती नीलम जगवानी, निशा मिश्रा, आशुतोष मानके सहित नगर निगम के उपायुक्त शैलेश गुप्ता, कार्यपालन यंत्री सुधीर मिश्रा, अंशुमान सिंह, सहायक यंत्री आदेश जैन, अनिल जायसवाल, सुनील सिंह, उपयंत्री मृदुल श्रीवास्तव, मोना करेरा, शैलेन्द्र प्यासी, स्वास्थ्य अधिकारी संजय सोनी, अतिक्रमण प्रभारी मानेंद्र सिंह, योगेश पवार, आलोक तिवारी सहित पर्यावरण संरक्षण समूह एवं नगर निगम की एनजीओ संस्था के सदस्य उपस्थित रहे।

सनातन संस्कृति में प्रकृति पूजा का है विशेष महत्व : अवधूत दादा गुरु

समय जगत, सिवनी मालवा। नगर के श्री सिद्धिविनायक गणेश मंदिर राठौर समाज के सामने हिंदू संस्कृति जागृत मंच, विश्व हिंदू परिषद ने फाग उत्सव आयोजित किया। इस दौरान सिवनी मालवा में फाग भजन प्रतियोगिता कराई गई। जिसमें मां नर्मदा के परम भक्त महायोगी दादा गुरु शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने कहा कि सनातन धर्म नहीं, एक संस्कृति है, जो प्रकृति के दर्शन कराती हैं। सनातन संस्कृति ही ऐसी है, जिसमें जन्म देने वाली मां के साथ साथ प्रकृति की सभी रूपों में पूजा की जाती हैं। वनस्पति, पहाड़ और धरती मां को मां के समान ही आदर सम्मान दिया जाता है। जहां एक ओर विश्व में अशांति फैली हुई हैं वहीं सनातन धर्म आज भी शांति का संदेश दे रहा हैं। भारत में शांति है। उन्होंने प्रतियोगिता में मौजूद लोगों को संदेश दिया कि जहां पर भजन कीर्तन होते हैं, वहां पर ईश्वर किसी न किसी रूप में मिलता हैं। भजन कीर्तन के स्थान पर नशा करके नहीं जाना चाहिए। यदि नशा करके जाते हो तो ईश्वर उसका परिणाम तुरंत देता है। यह कल युग है, इसमें ईश्वर आराधना केवल नाम लेने से ही हो जाती हैं। उन्होंने कहा कि सभी को माता-पिता और गाय की सेवा करना चाहिए। उन्होंने कहा कि आज सड़कों पर गौ माता घूम रही हैं। उन्हें अपने घरों में पालना चाहिए। खेत में आग लगा कर हम गाय का आहार नष्ट कर रहे हैं। जिससे सैकड़ों जीवों की हत्या हो जाती है। भूमि की उर्वरा शक्ति कम हो जाती है। हमें जहर युक्त पैदावारी से बचना चाहिए। कार्यक्रम में उन्होंने मां नर्मदा के भजन और महिमा के साथ-साथ नाम जप का भी महत्व बताया। सभी को भजन कीर्तन करना चाहिए, उसमें ईश्वर की शक्ति विराजमान रहती हैं। इस अवसर पर दादा गुरु श्री सिद्धि विनायक गणेश मंदिर भी पहुचे। जहा पंडित अशोक शर्मा, अमित शर्मा ने विधिविधान से गणेश जी की पूजा अर्चना कराई।

जल गंगा संवर्धन अभियान का हुआ शुभारंभ

अयोध्या बस्ती स्थित सफेद बावड़ी को किया जाएगा पुनर्जीवित

समय जगत, सिरोंज। नगरपालिका क्षेत्रांतर्गत गत दिवस जलगंगा संवर्धन अभियान का शुभारंभ किया गया। स्थानीय जनप्रतिनिधियों एवं प्रशासनिक अधिकारियों की मौजूदगी में वार्ड क्रमांक 21 की अयोध्या बस्ती में हुए कार्यक्रम में जल के प्राचीन स्त्रोतों को पुनर्जीवित करने का संकल्प लिया गया। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के नेतृत्व में उज्जैन से प्रारंभ हुए जल संवर्धन अभियान कार्यक्रम के लाइव प्रसारण को सुनने के लिए प्रशासन ने मंच पर एलईडी की व्यवस्था भी की थी। जलगंगा अभियान का शुभारंभ करने के पूर्व मंचासीन अतिथियों ने मां सरस्वती एवं विक्रम संवत प्रारंभ करने वाले उज्जैन के राजा विक्रमादित्य के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस अवसर पर कार्यक्रम को वरिष्ठ भाजपा नेता संतोष चौरे, नपाध्यक्ष मनमोहन साहू एवं मंडल महामंत्री सुमंत मित्तल ने संबोधित करते हुए नागरिकों को जल संरक्षण के महत्व से अवगत कराते हुए महत्व से अवगत कराया। इस अवसर पर अनुविभागीय अधिकारी हरिशंकर विश्वकर्मा ने शासन के जल गंगा अभियान की महत्वपूर्ण जानकारी से अवगत कराया। जलगंगा अभियान के अंतर्गत नगर पालिका प्रशासन ने विधायक उमाकांत शर्मा के निर्देश पर अयोध्या बस्ती स्थित प्राचीन ओर ऐतिहासिक सफेद बावड़ी का चयन किया है इसके अलावा ओर भी जल संरचनाओं का चयन कर सुधार कार्य किए जाएंगे जिससे प्राकृतिक जल स्त्रोतों को उपयोगी बनाया जा सके। मंचीय कार्यक्रम के उपरांत सभी नेताओं ने प्रतीकात्मक रूप से बावड़ी परिसर में पहुंचकर जनभागीदारी से किए जाने वाले कार्य का अवलोकन किया एवं झाड़ू भी लगाई। कार्यक्रम का संचालन पूर्व पार्षद सचिन शर्मा एवं आभार नपा सीएमओ रामप्रकाश साहू ने व्यक्त किया। इस अवसर पर प्रमुख रूप से नपा उपाध्यक्ष मनोज साईनाथ,टीकाराम शाक्य, धर्मेंद्र जैन,अजमल शेर खान, स्थानीय पार्षद राजा मियां तहसीलदार संजय चौरसिया, शेर सिंह भदौरिया,पप्पू त्यागी सहित नागरिक गण उपस्थित रहे।

कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी द्वारा दो आदतन अपराधियों को छह माह के लिए जिला बदर करने के आदेश जारी

समय जगत, झाबुआ। कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी नेहा मीना द्वारा मध्यप्रदेश राज्य सुरक्षा अधिनियम, 1990 की धारा 5 (क, ख) के अंतर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए जिले में लोक-शांति एवं सार्वजनिक व्यवस्था बनाए रखने की दृष्टि से दो आदतन अपराधियों को छह माह की अवधि के लिए जिला बदर किए जाने के आदेश जारी किए गए हैं। जारी आदेशानुसार अनावेदक शाहनवाज उर्फ सन्नाटा पिता मोईनुद्दीन कुरेशी, उम्र 25 वर्ष, निवासी कैलाश मार्ग झाबुआ तथा नरवल पिता जुवानसिंह मेडा, उम्र 21 वर्ष, निवासी वागनेरा को आदेश प्राप्ति के 24 घंटे के भीतर झाबुआ जिले की राजस्व सीमा सहित समीपवर्ती जिले धार, रतलाम, आलीराजपुर एवं बड़वानी की राजस्व सीमाओं से बाहर जाना होगा। यह आदेश छह माह की अवधि तक प्रभावशील रहेगा। इस अवधि में सक्षम न्यायालय की पूर्व लिखित अनुमति के बिना संबंधित क्षेत्रों में प्रवेश पूर्णतः प्रतिबंधित रहेगा। पुलिस अधीक्षक, जिला झाबुआ द्वारा अनावेदक शाहनवाज उर्फ सन्नाटा पिता मोईनुद्दीन कुरेशी, उम्र 25 वर्ष, निवासी कैलाश मार्ग झाबुआ थाना झाबुआ के विरूद्ध मध्यप्रदेश राज्य सुरक्षा अधिनियम 1990 की धारा 5 (क. ख) अंतर्गत प्रतिवेदन प्रस्तुत कर अवगत कराया गया है कि, अनावेदक आपराधिक प्रवृत्ति का होकर इसके विरूद्ध लडाई-झगडा, आर्म्स एक्ट, एनडीपीएस एक्ट, नकबजनी चोरी के कुल 13 अपराध पंजीबद्ध होकर अनावेदक विगत वर्ष 2016 से आपराधिक गतिविधियों में सक्रिय है। इसके आपराधिक कृत्य विधिमान्य व्यवस्था को प्रभावित करने वाले है। इसकी आपराधिक गतिविधियों पर अंकुश लगाने हेतु प्रतिबंधात्मक कार्यवाही भी की गई। किन्तु इसके आचरण में कोई

सुधार परिलक्षित नहीं हुआ हैं, अपितु इसकी आपराधिक गतिविधियों में और अधिक वृद्धि हुई है। आमजन अनावेदक के विरूद्ध रिपोर्ट लिखाने एवं साक्ष्य देने से डरते है। इससे आमजन भयभीत है जिसके कारण शांति एवं सुरक्षा का आसन्न संकट उत्पन्न हो गया है। अतः कस्बा झाबुआ एवं आसपास के क्षेत्र के समाजजनों की परिशांति तथा अनावेदक के दुष्कृत्यों को देखते हुए इसका जिला झाबुआ एवं सीमावर्ती जिले रतलाम, आलीराजपुर, धार की राजस्व सीमाओं से जिला बदर किया जाना आवश्यक हो गया है। ताकि आम जनता एवं क्षेत्र मे लोक-शांति बनी रहे। अनावेदक नरवल पिता जुवानसिंह मेडा, उम्र 21 वर्ष, निवासी वागनेरा थाना कालीदेवी के विरूद्ध मध्यप्रदेश राज्य सुरक्षा अधिनियम 1990 की धारा 5 (क.ख) अंतर्गत प्रतिवेदन प्रस्तुत कर अवगत कराया गया है कि, अनावेदक वर्ष 2015 से थाना कालीदेवी एवं झाबुआ क्षेत्र में आपराधिक गतिविधियों में सक्रिय है। इसके आपराधिक कृत्य लोक शांति को प्रभावित करने वाले है। इसकी आपराधिक गतिविधियों पर नियंत्रण हेतु प्रभावी प्रतिबंधात्मक कार्यवाही की गई एवं निगरानी में भी लाया गया, किन्तु इसके उपरांत भी इसके आचरण में कोई सुधार परिलक्षित नहीं हुआ है। अपितु इसकी आपराधिक गतिविधियों में और अधिक वृद्धि हुई है।

साथ ही इसके कृत्यों से आम आदमी को अपने व्यापार-व्यवसाय, दैनिक क्रियाकलापों तथा सामान्य जीवन यापन में समस्या उत्पन्न हो गई है। आम जन अनावेदक तथा इसके रक्त संबंधियों की दबंगई, पूर्व के आपराधिक रिकार्ड के कारण भयवश इनके विरुद्ध थाने पर रिपोर्ट लिखाने व न्यायालय में साक्ष्य देने से कतराते है। अनावेदक तथा इसका परिवार संगमत होकर लगातार क्षेत्र की लोक प्रशांति को भंग कर कानून व्यवस्था की स्थिति उत्पन्न करने में लगे है। अनावेदक अपने सगे भाई रमजु पिता जुवानसिंह मेडा जिसके विरूद्ध कुल 30 अपराध, परसु पिता जुवानसिंह मेडा जिसके विरूद्ध कुल 15 अपराध, परवल पिता जुवानसिंह मेडा जिसके विरूद्ध कुल 14 अपराध, तब्बत पिता जुवानसिंह मेडा जिस पर कुल 3 प्रकरण, माँ धापुबाई पति जुवानसिंह मेडा पर 6 प्रकरण, भाभी आशा पति रमजु मेडा पर 3 प्रकरण दर्ज हैं।

सार-समाचार

धार की बेटी का कमाल, गीत सोलंकी ने जीती नेशनल स्कॉलरशिप

धार। शहर के शासकीय सांदीपनि विद्यालय की कक्षा 8वीं की छात्रा कु. गीत सोलंकी ने नेशनल मीन्स-कम-मेरिट स्कॉलरशिप परीक्षा में सफलता हासिल कर जिले का नाम रोशन किया है। भारत सरकार की इस प्रतिष्ठित योजना के तहत आर्थिक रूप से कमजोर लेकिन मेधावी छात्रों को आगे की पढ़ाई के लिए प्रोत्साहन दिया जाता है। राज्य स्तरीय परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए गीत सोलंकी ने यह उपलब्धि अपने नाम की। इस सफलता के साथ अब उन्हें कक्षा 9वीं से 12वीं तक हर वर्ष 12,000 की छात्रवृत्ति प्राप्त होगी, जिससे उनकी शिक्षा को आर्थिक मजबूती मिलेगी और वे अपने सपनों की ओर निरंतर आगे बढ़ सकेंगी। विद्यालय की प्राचार्य डॉ. स्मृति रत्न मिश्र सहित समस्त शिक्षक-स्टाफ ने छात्रा की इस उपलब्धि पर खुशी जताते हुए उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दी हैं। यह सफलता न केवल विद्यालय बल्कि पूरे धार जिले के लिए गर्व का विषय है।

सिलवानी में श्रद्धा और भक्ति के साथ शुरू हुए चैत्र नवरात्रि पर्व

समय जगत, सिलवानी। नगर एवं आसपास के क्षेत्रों में चैत्र नवरात्रि पर्व श्रद्धा, आस्था और भक्ति भाव के साथ प्रारंभ हो गया है। शक्तिदायिनी मां दुर्गा की आराधना के इस पावन अवसर पर नगर के अनेक मंदिरों एवं सार्वजनिक स्थलों पर विधि-विधान से ज्वारा एवं घट स्थापना की गई। नवरात्रि के प्रथम दिन से ही मंदिरों में विशेष पूजा-अर्चना का आयोजन किया जा रहा है। प्रातः काल से ही श्रद्धालु बड़ी संख्या में माता रानी के दर्शन के लिए मंदिरों में पहुंच रहे हैं। भक्तजन विधिवत पूजन कर सुख-समृद्धि एवं परिवार की खुशहाली की कामना कर रहे हैं। नगर के प्रमुख देवी मंदिरों को आकर्षक रूप से सजाया गया है। वहीं, कई स्थानों पर भजन-कीर्तन एवं धार्मिक कार्यक्रमों का भी आयोजन किया जा रहा है, जिससे पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया है। श्रद्धालु पूरे नौ दिनों तक व्रत रखकर मां दुर्गा की उपासना करेंगे। प्रशासन एवं स्थानीय समितियों द्वारा भी मंदिरों में आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई हैं, ताकि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो।

राम नवमी शोभायात्रा को लेकर कल सिलवानी में आयोजित होगी महत्वपूर्ण बैठक

सिलवानी। नगर में आगामी राम नवमी के पावन पर्व पर निकाली जाने वाली भव्य शोभायात्रा की तैयारियों को लेकर 22 मार्च, रविवार को दोपहर 3 बजे एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की जाएगी। बैठक का आयोजन मंगल भवन, बजरंग चौराहा, सिलवानी में होगा। बैठक में शोभायात्रा के संभावित मार्ग, आयोजन की विस्तृत रूपरेखा, आवश्यक व्यवस्थाएं, सुरक्षा इंतजाम तथा विविध जिम्मेदारियों के निर्धारण पर विस्तार से चर्चा की जाएगी। आयोजन को भव्य, सुव्यवस्थित और आकर्षक बनाने के उद्देश्य से नगर के सभी सामाजिक एवं धार्मिक संगठनों को आमंत्रित किया गया है। आयोजकों ने सकल सनातन समाज, रघुवंशी समाज, बजरंग दल, हिंदू उत्सव समिति सहित सभी धर्मप्रेमी नागरिकों से अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होने की अपील की है, ताकि राम नवमी का पर्व पूरे नगर में श्रद्धा, उत्साह और भाईचारे के साथ मनाया जा सके। रघुवंशी समाज के संभाग मीडिया प्रभारी शिवकुमार रघुवंशी एवं सिलवानी ब्लॉक अध्यक्ष राजीव रघुवंशी ने बताया कि यह आयोजन सकल सनातन समाज के तत्वावधान में किया जा रहा है। उन्होंने सभी नागरिकों से बैठक में सहभागिता कर आयोजन को सफल बनाने की अपील की है।

जानकारी और मनोरंजन का पर्व, तीन दिवसीय चौपाल महोत्सव का शुभारंभ

समय जगत, उज्जैन। ग्रामीण समाज को एक मंच पर लाकर मनोरंजन और किसान सम्मान को बढ़ावा देने के उद्देश्य से आगर रोड स्थित चौपाल सागर में 20,21, 22 मार्च को आयोजित होने वाले चौपाल महोत्सव का शुभारंभ कृषि उपज मंडी सचिव श्री गोयल पूर्व विधायक डॉ रामलाल मालवीय द्वारा फीता काटकर आगंतुक अतिथियों की उपस्थिति में सरस्वती पूजन व प्रज्ज्वलित कर किया गया। महोत्सव का मुख्य आकर्षण महिंद्रा, टाटा एग्री को और जेके टायर जैसी कंपनियां रहीं, जिनके द्वारा नवीनतम तकनीक का प्रदर्शन किया गया। कार्यक्रम के दौरान किसानों को आधुनिक कृषि पद्धतियों से अवगत कराने व सरकारी योजनाओं की जानकारी प्रदान की गई, तथा तथा उत्कृष्ट किसानों को शॉल, श्रीफल व मोमेंटो प्रदान कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर महिंद्रा कमर्शियल के वाइस प्रेसिडेंट महेश कुलमी, प्रतीक देसाई, टाटा एग्री के प्रमुख संजय अग्रवाल, जेके टायर के मेहुल बारोट, आईटीसी रिटेल मैनेजर निखिल शर्मा, आईटी हब इंचार्ज राकेश पांडे मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

30 साल बेदाग सेवा, फिर भी ट्रांसफर

अशोक राजपूत के अटैचमेंट पर उठे गंभीर सवाल

समय जगत,खिरकिया। कृषि उपज मंडी में पदस्थ प्रभारी मंडी निरीक्षक अशोक राजपूत का अचानक टिमरनी मंडी में अटैचमेंट किए जाने का मामला अब तूल पकड़ता जा रहा है। हैरानी की बात यह है कि न तो किसी प्रकार की जांच सामने आई है और न ही किसी आधिकारिक पत्र की स्पष्ट जानकारी, इसके बावजूद मंडी बोर्ड द्वारा यह कार्रवाई कर दी गई। सूत्रों के मुताबिक, खिरकिया की कृषि उपज मंडी से हटाकर जिले की एकमात्र अन्य प्रमुख मंडी टिमरनी में अटैचमेंट किया गया है। इस फैसले ने न सिर्फ मंडी प्रशासन बल्कि स्थानीय स्तर पर भी कई सवाल खड़े कर दिए हैं।

बिना जांच कैसे हुआ फैसला?: सबसे बड़ा सवाल यही है कि आखिर बिना किसी जांच-पड़ताल के इतनी जल्दबाजी में यह निर्णय क्यों लिया गया। आमतौर पर किसी भी अधिकारी या कर्मचारी के अटैचमेंट या स्थानांतरण से पहले कारण स्पष्ट किए जाते हैं, लेकिन इस मामले में पारदर्शिता की कमी साफ नजर आ रही है।

क्या यह निर्णय किसी उच्च स्तर के दबाव में लिया गया?: या फिर मंडी बोर्ड के जिम्मेदार अधिकारियों ने किसी विशेष निर्देश पर तत्काल ऐक्शन लिया? ये सवाल अब चर्चा का विषय बन चुके हैं।

निरीक्षक अशोक राजपूत ने क्या कहा: इस पूरे मामले पर निरीक्षक अशोक राजपूत ने अपनी प्रतिक्रिया देते हुए कहा, मेरे ऊपर किसी प्रकार की कोई जांच नहीं चल रही है। 30 साल की नौकरी में मैं कभी भी किसी मंडी में विवादित नहीं रहा। इसके बावजूद मुझे खिरकिया से टिमरनी अटैच कर दिया गया, जो समझ से परे है। उनका कहना है कि इस कार्रवाई के पीछे क्या कारण है, इसकी कोई स्पष्ट जानकारी उन्हें भी नहीं दी गई है। उन्होंने कहा कि दो बार मुझे खिरकिया कृषि उपज मंडी से, सिर्फ हरदा जिले की टिमरनी कृषि उपज मंडी ही अटैचमेंट क्यों किया जाता है। झूठी शिकायत के बावजूद भी मेरे ऊपर किसी प्रकार की कोई जांच नहीं हुई इसके बाद भी मुझे विवादित बनाया जा हे जबकि विभाग मे किसी प्रकार की कोई जांच नहीं चल रही है मुझे मानसिक रूप से प्रताड़ित किया जा रहा है अगर किसी प्रकार की घटना घटित होती है तो इसका जिम्मेदार मंडी बोर्ड और खिरकिया के कुछ लोग रहेगे जिनका नाम भी सार्वजानिक करूंगा। प्रभारी निरीक्षक अशोक राजपूत ने कहा कि मुझ पर जो आरोप लगाये जा रहे हैं वह निराधार है। 30 साल की नौकरी में आज दिनांक तक में विवादित नहीं रहा हूं इसके बावजूद भी मुझ पर झूठे आरोप लगाकर मानसिक रूप से परेशान किया जा रहा है।

मंडी बोर्ड की कार्यप्रणाली पर उठे सवाल: इस घटना के बाद मंडी बोर्ड की कार्यशैली पर भी सवाल उठने लगे हैं। बिना कारण बताए या जांच किए इस तरह का अटैचमेंट प्रशासनिक पारदर्शिता पर सवाल खड़ा करता है। स्थानीय व्यापारियों और मंडी से जुड़े लोगों का भी मानना है कि यदि कोई आरोप या शिकायत थी, तो पहले उसकी जांच होनी चाहिए थी। सीधे अटैचमेंट का फैसला कई संदेह पैदा करता है।

क्या है असली वजह?: अब सबसे बड़ा सवाल यही है कि आखिर इस फैसले के पीछे असली वजह क्या है– क्या यह प्रशासनिक आवश्यकता थी? या फिर किसी दबाव में लिया गया निर्णय? क्या आने वाले समय में इस पर जांच होगी? इन तमाम सवालों के जवाब फिलहाल अधूरे हैं, लेकिन मामला धीरे-धीरे तूल पकड़ता जा रहा है।

जांच की मांग तेज: इस पूरे घटनाक्रम के बाद अब प्रभारी निष्पक्ष जांच की मांग भी उठने लगी है। यदि वास्तव में कोई कारण है, तो उसे सार्वजनिक किया जाना चाहिए, और यदि नहीं– तो जिम्मेदार अधिकारियों की कार्यप्रणाली की जांच जरूरी मानी जा रही है। खिरकिया से टिमरनी मंडी में निरीक्षक का अटैचमेंट अब एक सामान्य प्रशासनिक फैसला न रहकर जांच का विषय बन चुका है। आने वाले दिनों में यह देखना दिलचस्प होगा कि मंडी बोर्ड इस मामले में कोई सफाई देता है या फिर जांच के आदेश जारी होते हैं या फिर पुनः नियुक्त किया जाता है।

जल गंगा संवर्धन अभियान : रजघटा लघु नदी तट पर की गई साफ- सफाई

समय जगत, शहडोल। जल गंगा संवर्धन अभियान के तीसरे चरण में जिले भर में जल संरक्षण एवं संवर्धन के कार्य प्रारंभ हो गए हैं। जनपद पंचायत सोहागपुर मे ग्राम पंचायत दूधी के ग्राम पंचगांव, में नवांकुर संस्था तथा प्रस्फुटन समिति के संयुक्त तत्वावधान में रजघटा लघु नदी तट पर जल स्त्रोत का पूजन एवं आरती कर सामूहिक श्रमदान का कार्यक्रम आयोजित कर साफ सफाई की गई। इस अवसर पर उपस्थित जनसमूह को जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत सरकार एवं समाज के सहयोग से जल संरक्षण की शपथ भी दिलाई गई। जल संचय भागीदारी अभियान के तहत आयोजित कार्यक्रम में जन अभियान परिषद के जिला समन्वयक विवेक पांडेय, विकास खंड समन्वयक श्रीमती प्रिया सिंह, नवांकुर संस्था के लोकनाथ नामदेव, प्रस्फुटन समितियों से पंकज पटेल, रानू पटेल, श्रीमती प्रमिला पटेल, रमलखन पटेल, मती सुधा पटेल , रामशंकर पटेल,नैना द्विवेदी,प्रीति द्विवेदी सहित मेंटर्स ,छात्र एवं समिति के प्रतिनिधियों ने श्रमदान किया।

अब मार्च-अप्रैल महीने का राशन एक साथ

धार। जिले में सार्वजनिक वितरण प्रणाली के तहत बड़ा बदलाव करते हुए मार्च और अप्रैल माह का राशन एक साथ वितरित किया जा रहा है। जिला आपूर्ति अधिकारी ने बताया कि 838 शासकीय उचित मूल्य दुकानों के माध्यम से राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम के अंतर्गत 3 लाख 72 हजार 436 पात्र परिवारों को इसका लाभ मिलेगा। राशन लेने के लिए हितग्राहियों को पीओएस मशीन पर दो बार बायोमेट्रिक सत्यापन कराना होगा। पहला सत्यापन मार्च और दूसरा अप्रैल माह के लिए किया जाएगा। दोनों प्रक्रियाएं पूरी होने के बाद ही हितग्राही को दोनों माह का राशन एक साथ दिया जाएगा। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि बिना डबल सत्यापन राशन नहीं मिलेगा, इसलिए सभी हितग्राही समय पर दुकान पहुंचकर प्रक्रिया पूरी करें।

बखतपुरा से हुआ जल गंगा संवर्धन अभियान का जनपद स्तरीय कार्यक्रम का शुभारंभ

झाबुआ। जल गंगा संवर्धन अभियान का शुभारंभ ग्राम पंचायत बखतपुरा में शुभारंभ किया गया जिसमें मुख्य अतिथि एसडीएम सुश्री तनुश्री मीणा रही। कार्यक्रम अध्यक्षता मंडल अध्यक्ष जितेंद्र राठौड़ एवं विशेष अतिथि सीईओ जनपद गौरव जैन सरपंच लछुडी बाई बाबु कटारा के द्वारा तालाब गहरीकरण का शुभारंभ किया। कार्यक्रम

को संबोधित करते एसडीएम सुश्री तनुश्री मीणा ने कहा कि हमें इन तीन माह में यह संकल्प लेना है कि हम हमारे गांव के पानी का संरक्षण किस प्रकार से करें और जो तालाब में मिट्टी है वह अपने खेत में डाले जिससे आपकी फसल भी अच्छी पकेगी एवं पानी भी लंबे समय तक रहेगा।

30 जून तक चलेगा जल गंगा संवर्धन अभियान

कार्यक्रम को मंडल अध्यक्ष जितेंद्र राठौड़ ने कहा कि हमारा समाज सहकारिता का सबसे बड़ा उदाहरण है। हम जिस प्रकार से कोई काम आने पर सामूहिक कार्य करते हैं, उसी प्रकार से हमें सभी के सहयोग से जनभागीदारी से हमें जल को संग्रहित करना है। कार्यक्रम में जनपद सीईओ श्री जैन ने कहा कि आज 19 मार्च से 30 जून 2026 तक यह अभियान चलेगा। जिसमें हर पंचायत में ग्रामीण जन की सहभागिता से हमें जल संरक्षण करना है। कार्यक्रम के पश्चात एसडीएम एवं जनप्रतिनिधियों द्वारा मिट्टी ट्राली में भरकर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर सरपंच प्रतिनिधि बाबु कटारा होक्म कटारा, रोजगार सहायक जितेन्द्र मेडा, एसडीओ भाभर सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण जनों से सहभागिता की। कार्यक्रम का संचालन विनोद देवदा ने किया आभार सचिव गजैन्द्र सिंह राठौर ने माना।

भगवान से मिलने का सौभाग्य ही भक्ति की शुरुआत : गुरुदेव

समय जगत, सुठालिया। स्थानीय पीलाखाल मैदान पर चल रही संगीतमय श्रीमद् भागवत कथा के पंचम सोपान में कथा वाचक प्रेमनारायण गेहूंखेड़ी ने कहा कि जितना भगवान से मिलने में हृदय में दर्द (विरह) होगा, उतनी ही प्रभु के लिए जगह बनेगी। उन्होंने कहा कि जैसे मां की याद आने पर हृदय में पीड़ा होती है, वैसे ही परमात्मा का स्मरण करने से भीतर प्रेम जागृत होता है। उन्होंने कहा कि यदि भगवान शरण देते हैं तो महात्मा ज्ञान देते हैं। भगवान हमारे अपने हैं, इसलिए उनके लिए हृदय में प्रेम और विरह का भाव जरूरी है। बिना पीड़ा के जैसे नारी मां नहीं बन सकती, वैसे ही बिना हृदय में दर्द उठे भगवान की प्राप्ति संभव नहीं है। कथा के दौरान उन्होंने श्रीकृष्ण और ब्रजवासियों के प्रेम प्रसंग का वर्णन करते हुए कहा कि ब्रजवासियों का सौभाग्य था कि उन्हें श्रीकृष्ण मिले, और हमारा सौभाग्य है कि हमें उनकी कथा सुनने

का अवसर मिला। प्रेमनारायण जी ने कहा कि मनुष्य को बड़े पद पर बैठकर अहंकार नहीं करना चाहिए, क्योंकि बड़े वाहन में तो मुर्गे मुर्गी भी बैठते हैं, लेकिन उन्हें यह नहीं पता होता कि वे कहां जा रहे हैं।

फर्ज और कर्ज करें अदा: जीवन में कर्तव्य और कर्ज कभी नहीं रखना चाहिए। आज के समय में कर्तव्यबोध की कमी ही अशांति का कारण है। यदि मनुष्य भगवान को नहीं भूलता, तो भगवान भी उसे कभी हारने नहीं देते। इसलिए जीवन में अपने कर्तव्यों का निर्वहन पूरी निष्ठा से करना चाहिए। सुनील सरावत मित्र मंडल द्वारा आयोजित कथा में प्रतिदिन बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंच रहे हैं। कथा में मंत्री नारायण सिंह पंवार, पूर्व विधायक हेमराज कल्पोनी, जगदीश पंवार, अमित शर्मा, नारायण सिंह सालरिया खेड़ी, मोहन पंवार, पर्वत सरपंच, प्रदीप परमार, राजू यादव सहित कई जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य नागरिक भी पहुंचे।

वंदना चौराहे पर झूलेलाल जयंती पर सेवा भाव, श्रद्धालुओं को बांटा स्वल्पाहार

समय जगत, खिरकिया। झूलेलाल जयंती के पावन अवसर पर शहर में धार्मिक आस्था और सेवा भाव का सुंदर संगम देखने को मिला। वंदना चौराहे पर टिकम गोस्वामी (बुरहानपुर), राजेश जेठवानी (खण्डवा) एवं घनश्याम नचनानी के नेतृत्व में श्रद्धालुओं के लिए विशेष आयोजन किया गया। इस दौरान चौराहे को आकर्षक रूप से सजाया गया और स्टार लगाकर पूरे क्षेत्र को भव्य स्वरूप दिया गया। आयोजन के तहत राहगीरों एवं श्रद्धालुओं को स्वल्पाहार वितरित किया गया, जिससे लोगों में उत्साह और प्रसन्नता का माहौल बना रहा। आयोजकों ने बताया कि झूलेलाल जयंती समाज में एकता, प्रेम और सेवा का संदेश देने का पर्व है। इस अवसर पर बड़ी संख्या में लोगों ने भाग लिया और सेवा कार्य में सहयोग किया। कार्यक्रम के दौरान पूरे क्षेत्र में भक्तिमय वातावरण बना रहा और झूलेलाल के जयकारों से माहौल गूंज उठा। लोगों ने आयोजन की सराहना करते हुए इसे समाज के लिए प्रेरणादायक पहल बताया।

सर्व ब्राह्मण समाज संगठन के आव्हान पर लिया गया निर्णय

एक तिथि- एक त्यौहार कैलेंडर का हुआ विमोचन

समय जगत, हरदा। त्यौहार की तिथियों में असमंजस को दूर करने के उद्देश्य से सर्व ब्राह्मण समाज संगठन के आव्हान पर जिला ज्योतिष परिषद् द्वारा विगत दिनों ज्योतिष क्षेत्र के विद्वान,पंडितों की बैठक आयोजित कर दो दो तिथियों की स्थिति में स्थानीय गणना के आधार पर सर्व सम्मति से एक तिथि एक त्यौहार कैलेंडर तैयार किया गया था। जिसका चैत्र प्रतिपदा,हिंदू नव वर्ष के उपलक्ष्य में परशुराम चौक पर पूजन कर विमोचन किया गया।इस दौरान पंडित मुरलीधर व्यास ने बताया कि हर शहर अक्षांश देशांश पर स्थित है,पूर्वोत्तर क्षेत्र,मध्य क्षेत्र,पश्चिम क्षेत्र में सूर्योदय में अंतर होता है,इसके चलते पंचांग में गणना अनुसार तिथियों में अंतर होता है। नासा एवं गूगल द्वारा

बताई तिथियों के बजाय धर्म शास्त्रीय आधार पर तिथि मानना उचित होता है। विमोचन कार्यक्रम के दौरान सर्व ब्राह्मण समाज संगठन के अध्यक्ष सुनील तिवारी, कार्यकारी अध्यक्ष आचार्य पंडित ओमप्रकाश पुरोहित,चंद्रकांत शुक्ला,वरिष्ठ समाजसेवी लक्ष्मीनारायण बादर(मुन्ना बादर),उपाध्यक्ष रोहित तिवारी,नगर अध्यक्ष दीपक शुक्ला,मनीष व्यास,युवा इकाई अध्यक्ष विवेक बादर, सुदीप मंडलोई, सचिव नवीन शर्मा,प्रतीक शर्मा ,दीपक चौबे,शशिभूषण जोशी सहित समाजजन उपस्थित थे।

रक्तदाता अधिवेशन में सम्मानित हुए रक्तमित्र परमानंद सिंह बघेल

समय जगत, हरदा। जय महाराणा रक्तदान समूह भारत के संस्थापक/अध्यक्ष रक्तमित्र शैलू मंडलोई ने बताया कि गया में शहीद भगत सिंह युथ ब्रिगेड गयाजी द्वारा आयोजित राष्ट्रीय रक्तदाता अधिवेशन में जय महाराणा रक्तदान समूह भारत

हरदा के संचालक रक्तमित्र परमानंद सिंह बघेल को रक्तदान के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्यों के लिए भगत सिंह सम्मान से सम्मानित किया गया। यह सम्मान शहीद चंद्रशेखर आजाद के प्रपौत्र अमित आजाद व पूर्व स्वास्थ्य केंद्रीय मंत्री भारत शासन अश्विनी चौबे ने प्रदान किया। संस्था के अध्यक्ष नीलेश वर्मा नील ने कहा कि यह सम्मान हरदा जिले के रक्तदाताओं, स्वयंसेवकों और सामाजिक कार्यकर्ताओं के सहयोग का परिणाम है।

स्वत्वाधिकारी, समय जगत मीडिया प्रा.लि. के लिए प्रकाशक, मुद्रक अशोक त्रिपाठी द्वारा श्री बालाजी प्रिंटर्स प्लॉट नं. 21, सेक्टर-एच, गोविंदपुरा इंडस्ट्रियल एरिया, भोपाल 462011 से मुद्रित कर जी-1 गोयल निकेत अपार्टमेंट प्रेस कॉम्प्लेक्स जोन-1 एमपी नगर भोपाल म.प्र. से प्रकाशित। पिन नं. 462011, संपादक **अभिनव त्रिपाठी।**
RNI-MPHIN/2004/13180 (समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार) सभी प्रकार के विवादों के लिए न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा। **फोन :** 0755-4700402, ई-मेलः dainiksamayjagat@gmail.com